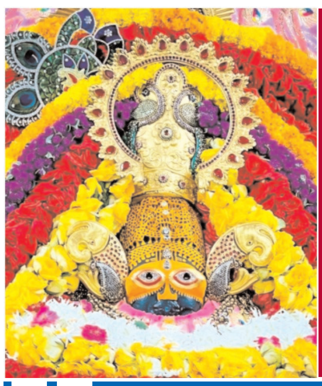

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:335। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 26 जुलाई 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

प्रधानमंत्री को भेजा अपना त्यागपत्र | कहा—'देश की युवाशक्ति को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं दूंगा'

एजेंसी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक विवाद और पिछले कई हफ्तों से चल रहे भारी विरोध प्रदर्शनों और चौतरफा दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है। मेडिकल छात्रों के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर सरकार की चौतरफा आलोचना हो रही थी और इस इस्तीफे को परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है।

बता दें कि, पेपर लीक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुरू से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और अपने फैसले पर अड़ी रही। आज सरकार और सीजेपी के दूसरे दौर की वार्ता से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा सौंपा है।

धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर साझा किया पत्र

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे का पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा- मेरे युवा साथियों, मैं पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है।

'देश के युवाओं की गहरा सम्मान करता हूं'

उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ, उसके लिए मैं प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करता हूं।

'हम छात्रों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे'

पहले ही दिन से मैंने इसकी जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने आगे लिखा, 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे, जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली।

'मान ली गई हैं हमारी मांगें'

सीजेपी ने किया विरोध प्रदर्शन खत्म करने का एलान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय से चल रहा विरोध प्रदर्शन आखिरकार खत्म हो गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को अपना आंदोलन तुरंत प्रभाव से वापस लेने का बड़ा एलान किया। यह घोषणा केंद्र सरकार के साथ तीसरे दौर की बातचीत के बाद हुई। इससे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने शनिवार को सीजेपी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में सीजेपी के सौरव दास शामिल थे। दोनों पक्षों के बीच बातचीत का तीसरा दौर सकारात्मक रहा। वार्ता के तुरंत बाद सीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर धरना समाप्त करने की घोषणा की। पार्टी ने देश भर से आए प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्वक अपने घर लौटने की अपील की है। सौरव दास ने सरकार से बातचीत की सारी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि हमारी दूसरी मांग यह थी कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर न केवल दिल्ली में बल्कि सभी भाजपा-शासित और भाजपा-सहयोगी राज्यों में वापस ली जानी चाहिए। यह हमारी दूसरी मांग थी। सरकार ने उस

मांग को भी मान लिया है। साथ ही, इन्हें जल्द ही वापस ले लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने हमें भरोसा दिलाया है कि वह दर्ज सभी एफआईर की कॉपी शेयर करेगी। हमारी आखिरी जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 15 से 20 एफआईआर दर्ज की गई थीं ।

फेक खबर के 400 से अधिक हैंडल की पहचान

युवती की मौत का दावा झूठा | पुलिस बोली-पाक से भी कनेक्शन

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने शनिवार को जंतर-मंतर प्रदर्शन से संबंधित गुमराह करने वाले वीडियो और पोस्ट को लेकर बड़ी जानकारी दी। पुलिस ने सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों पर अपना पक्ष रखने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। डीसीपी सेंट्रल रोहित राजबीर सिंह ने इसकी जानकारी दी। दिल्ली पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर कई भ्रामक खबरें फैलाई गई हैं। गुमराह करने वाले पोस्ट बड़े पैमाने पर साझा हुए हैं। पुलिस ने सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल की बात कही है। झूठी खबर फैलाने वाले 400 से अधिक हैंडल की पहचान की गई है। इन हैंडलों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को सोनम वांगचुक का भी एक झूठा वीडियो सोशल मीडिया पर मिला है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि 20 जुलाई को किसी की भी मौत नहीं हुई थी। सेना की तैनाती की खबर भी पूरी तरह झूठी फैलाई गई थी।

पुलिस ने किया अफवाहों का खंडन

पुलिस ने जंतर-मंतर प्रदर्शन से जुड़ी कई अफवाहों का खंडन किया है। विशेष रूप से 20 जुलाई को किसी की मौत की खबर को गलत बताया गया। सेना की तैनाती की खबरें भी निराधार साबित हुई हैं। दिल्ली पुलिस ने इन झूठी सूचनाओं को फैलाने वालों पर नजर रखी है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर नेताओं की बयानबाजी

खरगे बोले-अहंकारी सत्ता के दरवाजे तक पहुंची छात्रों की आवाज

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर विपक्ष ने इसे छात्रों की जीत बताया है और पीएम मोदी की जिद की हार। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत के 'छात्रों की आवाज' आखिरकार उस अहंकारी सत्ता के दरवाजे तक पहुंच ही गई है। यह हमारे उन लाखों युवाओं की जीत है जिन्होंने शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए देश भर की सड़कों पर अपनी आवाज़ उठाई। यह सच की जीत है और मोदी की जिद की हार है। यह उन सभी परिवारों की जीत है जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया, क्योंकि यह सरकार भ्रष्ट है। यह एकजुट विपक्ष की जीत है, जिसने छात्रों के हित में संसद से लेकर सड़कों तक अपनी आवाज उठाई। खरने ने यह भी कहा कि अब मोदी की बारी है कि वे हमारी युवा पीढ़ी से माफी मांगें और उन लोगों के ख़िलाफ सख्त कार्रवाई करें जिन्होंने उन पर लाठियां और पैलेट गन चलाईं।

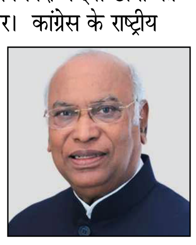

लोकतंत्र के लिए बड़ी जीत: केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार को जनता के सामने झुकना पड़ा। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो मैसेज शेयर कर लिखा, 'धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर पूरे देश को बधाई। लोकतंत्र के लिए बड़ी जीत। यह छात्रों की जीत है, यह त्द्गठ्ठ-5 की जीत है। आपलोगों का संघर्ष रंग लाया।

'यह लोकतंत्र की जीत है, सीजेपी और देश की 'जेन जी' को बधाई'

गुरुग्राम। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर जाने-माने शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक ने भी प्रतिक्रिया दी है। बता दें कि, सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर 20 दिन तक अनशन किया था। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सोनाम वांगचुक ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- यह लोकतंत्र की जीत है, सीधा लोकतंत्र... जो सड़कों से निकला है। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। सीजेपी और देश की 'जेन जी'को बधाई; और उन सभी नागरिकों का धन्यवाद जिन्होंने डर और डर के डर को त्यागकर देश के हर कोने से आवाज उठाई। जवाबदेही से अब सुधार की ओर।

'शिक्षा मंत्री का इस्तीफा व्यवस्था में बड़े बदलाव की दिशा में पहला कदम'

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देश के युवाओं और छात्रों के नाम एक विशेष संदेश जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर वीडियो और लिखित पोस्ट के जरिए जारी इस संदेश में राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को देश की शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की दिशा में एक अहम कदम बताया है। उन्होंने युवाओं व छात्रों को उनके संघर्ष के लिए बधाई दी है। राहुल गांधी ने सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने वाले लाखों छात्रों की हिम्मत की सराहना करते हुए कहा- 'धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हमारी शिक्षा प्रणाली को नया रूप देने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है।

छपरा में बेकाबू हुआ प्रदर्शन: भीड़ ने पुलिस वाहन फूंका; पथराव के बाद लाठीचार्ज

एजेंसी

छपरा । नीट पेपर लीक मामले को लेकर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का असर शनिवार को सारण जिले में भी व्यापक रूप से देखने को मिला। जिला मुख्यालय स्थित छपरा शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी छात्रों ने प्रदर्शन किया। हालांकि, नगर निगम क्षेत्र के नगरपालिका चौक, साहेबगंज, थाना चौक, डाक बंगला रोड, सदर अस्पताल चौक, दारोगा राय चौक, भरत मिलाप चौक और भगवान बाजार रोड पर प्रदर्शन सबसे अधिक उग्र हो गया।

पुलिस को करना पड़ा लाठीचार्ज

इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें दोनों ओर से पथराव की घटना सामने आई। स्थिति को

नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान उग्र भीड़ ने पुलिस के एक वाहन में आग लगा दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आगजनी के बाद पूरे शहर में तनाव का माहौल बन गया। सुरक्षा के मद्देनजर कई दुकानदारों ने एहतियातन अपनी दुकानें बंद कर दीं। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई।

'अगर तनाव से मेरी मौत हुई तो...'

अस्पताल में पुलिस से वांगचुक की बहस का वीडियो वायरल

एजेंसी

गुरुग्राम। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सफदरजंग अस्पताल में सुरक्षा कर्मियों के साथ बहस करते नजर आ रहे हैं। अब

अधिकारियों ने बताया है कि यह घटना उस समय हुई, जब वांगचुक मेदांता अस्पताल जाने की कोशिश कर रहे थे।

यह वीडियो उस बड़े वीडियो का हिस्सा है, जिसे वांगचुक ने शुक्रवार रात अपने सोशल मीडिया खाते और यूट्यूब पर साझा किया। इसमें उन्होंने 26 दिन के अनशन के बाद भी अपनी ईमानदारी साबित करने की जरूरत पर सवाल उठाया।

वीडियो में क्या कहते नजर आ रहे वांगचुक?

वीडियो में वांगचुक सुरक्षा कर्मियों से बहस करते दिखाई दे रहे हैं। वह आरोप लगाते हैं कि अनशन के दौरान उन्हें परेशान किया जा रहा है। एक समय वह कहते हैं- उन्हें कहो मुझे गिरफ्तार करें, मुझे गिरफ्तार करें, गिरफ्तार करें। मेरे अनशन के 20वें दिन तीन घंटे तक मुझे परेशान क्यों किया जा रहा है? इसके बाद वीडियो में वांगचुक कहते सुनाई देते हैं- आप सभी मुझे परेशान कर रहे हैं। अगर तनाव के कारण मेरी मौत हो जाती है, तो इसकी जिम्मेदारी आपकी होगी। वह आगे दरवाजा खोलने की मांग करते हुए कहते हैं- कृपया खोलिए, मैं जा रहा हूं। मुझे गिरफ्तार कर लीजिए। आप लोगों को जबरदस्ती क्यों रोक रहे हैं... यह यातना है। अगर आप चाहते हैं तो अब मुझे गिरफ्तार कर लीजिए। आप मुझे जहां रोक सकते हैं रोकिए, देश को पता चलने दीजिए।

वीडियो में दिख रहा है कि बहस बढ़ने के बाद वांगचुक विरोध जताते हुए अस्पताल के फर्श पर लेट जाते हैं। समर्थक इस पूरी घटना की रिकॉर्डिंग करते रहते हैं। इस दौरान वह कहते सुनाई देते हैं- तस्वीरें खींचो, देखते हैं कौन आपका फोन छीनता है। इससे कुछ समय पहले ऐसा दिखाई देता है कि जब वांगचुक की टीम का एक सदस्य घटना की रिकॉर्डिंग कर रहा था, तब किसी ने उसके हाथ से फोन छीनने की कोशिश की थी। बातचीत के दौरान वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो भी गुस्सा जाहिर करती दिखाई देती हैं। फर्श पर लेटे हुए वांगचुक बार-बार कहते हैं कि अदालत का आदेश सार्वजनिक है। वह कहते हैं- यह डिजिटल रूप से हर जगह है। पूरी दुनिया को पता है, सिर्फ आपको नहीं। पूरी दुनिया जानती है।इसके बाद वह दोहराते हैं- अदालत का आदेश हर जगह है, पूरी दुनिया जानती है, सिर्फ आप लोगों को नहीं।

अधिकारियों ने क्या कहा?

अधिकारियों ने पुष्टि की कि वायरल वीडियो 21 जुलाई को सफदरजंग अस्पताल में रिकॉर्ड किया गया था। इसी दिन दिल्ली हाईकोर्ट ने वांगचुक के परिवार को बताया था कि उन्हें मेदांता अस्पताल भेजा जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा, यह 21 जुलाई का वीडियो है, जिस दिन अदालत ने सोनम के परिवार को बताया था कि उन्हें मेदांता अस्पताल भेजा जा सकता है। वांगचुक को रोकने की वजह बताते हुए अधिकारी ने कहा कि वह मेदांता अस्पताल जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें जाने की अनुमति नहीं दी गई, क्योंकि हम पहले अदालत के आदेश का इंतजार कर रहे थे। इसलिए उन्हें रोका जा रहा था।

अस्पताल ने भी जारी किया बयान

इस बीच, सफदरजंग अस्पताल ने भी कहा कि वायरल वीडियो उस समय रिकॉर्ड किया गया था, जब अस्पताल प्रशासन को सोनम वांगचुक को मेदांता अस्पताल भेजने की अनुमति देने वाला दिल्ली हाईकोर्ट का लिखित आदेश नहीं मिला था। अस्पताल के अनुसार, वांगचुक मीडिया में आई खबरों के आधार पर अस्पताल छोड़ना चाहते थे, जबकि अदालत का औपचारिक लिखित आदेश प्रशासन तक नहीं पहुंचा था।

जंतर-मंतर पर हंगामा, पथराव और पानी की बोतल फेंकी

पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले; किया लाठीचार्ज

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के जंतर-मंतर के टॉलस्टॉय मार्ग पर शनिवार दोपहर को एक बार फिर से प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव का माहौल हो गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, इस पर हालात बिगड़ गए। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस और आरएएफ की टीम ने आंसू गैस के गोले छोड़े।

जानकारी के अनुसार, राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन में शनिवार को अचानक भगदड़ मच गई। इस अप्रत्याशित घटना से मौके पर अफरा-तफरी और गरमा-गर्मी का माहौल बन गया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच सीधी भिड़ंत देखने को मिली, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के कई गोले दागे।

इसके जवाब में प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिसकर्मियों पर पानी की बोतलें और पत्थर फेंककर विरोध जताया। प्रदर्शन स्थल पर लगातार तनावपूर्ण स्थिति बनी रही, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ। प्रदर्शनकारियों के बीच अचानक धक्का-मुक्की हुई। इसके कारण कई लोग अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगे। यह हिंसक झड़प विशेष रूप से पार्क होटल के सामने संसद मार्ग और टॉलस्टाय मार्ग के टी-पॉइंट पर हुई। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच लगातार टकराव की स्थिति बनी रही। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

यूपी में प्रदर्शन के दौरान हिंसा

लखनऊ। यूपी में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के समर्थन में प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, मेरठ समेत कई शहरों में प्रदर्शन हुए। प्रयागराज में शनिवार को 10 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएं सड़क पर उतर आए। भारी बारिश के बीच भी रुके

नहीं, जोरदार प्रदर्शन किया। प्रयागराज में छात्र हाथों में संविधान लेकर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े थे। कुछ बारिश में डांस कर रहे थे। कुछ ताली-थाली बजा रहे थे। कुछ जगहों पर भीड़ बेकाबू हो गई। सांसद लिखी एक फॉर्च्यूनर कार पलट दी। एक स्कॉर्पियो के शीशे फोड़ दिए

मप्र के राजगढ़ जिले में कार डैम में गिरी, चार की मौत

एजेंसी

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में शनिवार को एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डैम में जा गिरी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खुजनेर थाना पुलिस के अनुसार, तेज रफ्तार स्विफ्ट कार शनिवार को शुजालपुर की ओर जा रही थी। भीलखेड़ी जोड़ के पास कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित डैम में जा गिरी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। कार पूरी तरह पानी में डूब चुकी थी। खुजनेर थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने बताया कि रेस्क्यू टीम ने क्रेन की मदद से कार को डैम से बाहर निकाला गया और उन्हें तत्काल

खुजनेर अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। सभी मृतक पास के अरन्या गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। वहीं, एक व्यक्ति घायल हुआ है, जिसका उपचार जारी है।

सपा-कांग्रेस की देन हैं नकल माफिया, इनकी जगह जेल या जहन्नुम : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी ने फतेहपुर में 489 करोड़ की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

एजेंसी

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि नकल माफिया समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की देन है। इनकी जगह जेल या जहन्नुम होगी। नकल माफिया मिट्टी में मिलेंगे। युवाओं के भविष्य के खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ नरेन्द्र मोदी सरकार ने कड़े फैसले लिए हैं। इसके लिए मै प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देता हूं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जनपद फतेहपुर की दो विधान सभा क्षेत्रों में 489 करोड़ से अधिक की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जनपद के पौराणिक स्थलों, वीरों, कवियों, लेखकों और पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी को नमन करते हुए कहा कि 2017 से पहले फतेहपुर आकांक्षी जनपद में शामिल था। यानी सबसे पिछड़ा जनपद था। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि विकास, आद्योगिक विकास और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर में जो पैरामीटर

देश के अंदर तय किए गए थे, उनमें सबसे पिछड़े जनपदों में फतेहपुर की गिनती होती थी। विकास यहां से कोसो दूर था। योगी ने यहां के विकास के पैसों की सैफई सिंडिकेट द्वारा लूट मचा दी जाती थी। फतेहपुर जनपद सैफई सिंडिकेट के डकैती का अड्डा बन गया था। यहां की योजनाओं को सैफई के अंदर नाच गानों पर खर्च कर दिया जाता था। तब यहां न सड़क थी, न बिजली थी, न मेडिकल कॉलेज था और औद्योगिक निवेश की बात ही क्यों करनी है। उस प्रकार वातावरण ही नहीं था। बड़ी अजीब-सी परिस्थिति थी। एक ओर कानपुर का औद्योगिक क्षेत्र और एक ओर प्रयागराज का आद्योगिक क्षेत्र। एक ओर गंगा दूसरी ओर यमुना लेकिन यह जनपद पिछड़ा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जनपद के नौजवानों के सामने पहचान का संकट था। सैफई सिंडिकेट नौजवानों की नौकरी पर डकैती डालता था। एक नौकरी निकलती थी। चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली करने के लिए निकल पड़ती थी।

सरिता फाटक ओवरब्रिज वडोदरा-डभोई रोड 10 दिनों के लिए बंद रहेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। वडोदरा-डभोई रोड से गुजरने वाले छोटे-बड़े गाड़ी चलाने वालों और लोकल लोगों के लिए एक ज़रूरी खबर सामने आई है। चूंकि डभोई सरिता फाटक पर टू-लेन ओवरब्रिज पर मरम्मत का काम किया जाएगा, इसलिए वडोदरा से डभोई आने वाला वन-वे ब्रिज अगले 10 दिनों तक ट्रैफिक के लिए बंद रहेगा। ब्रिज बंद रखने की मुख्य टेक्निकल वजहें

रोड एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट (डभोई सब-डिवीजन) की ऑफिशियल घोषणा के मुताबिक:

एक्सपेंशन जॉइंट का काम: ब्रिज की सेफ्टी और मेंटेनेंस के लिए, नए एक्सपेंशन जॉइंट लगाने और ज़रूरी रिपेयर का काम किया जाएगा।

रिस्क से बचाव: क्योंकि इस टेक्निकल काम के दौरान गाड़ियों का आना-जाना खतरनाक हो सकता है, इसलिए सेफ्टी कारणों से ब्रिज को 10 दिनों के लिए बंद करने का फैसला किया गया है।

ट्रैफिक मैनेजमेंट और पुलिस सिस्टम को लिखित जानकारी

यह पक्का करने के लिए कि डभोई शहर में आने-जाने वाली गाड़ियों को काम के दौरान कोई दिक्कत न हो, रोड एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट के डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (डभोई) ने खास निर्देश जारी किए हैं:

रॉन्ग साइड ट्रैफिक रोकें: ब्रिज बंद होने की वजह से, डभोई शहर जाने वाले अप्रोच रोड से उल्टी दिशा (रॉन्ग साइड) से आने वाली कोई भी गाड़ी ट्रैफिक जाम या एक्सीडेंट का कारण न बने, इसके लिए सही पुलिस इंतज़ाम करने की रिक्वेस्ट की गई है। एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम को कॉपी: इस बारे में एक ऑफिशियल लिखित जानकारी प्रोविंशियल ऑफिसर (तालुका सेवा सदन, डभोई) के साथ-साथ डभोई पुलिस स्टेशन को मौके पर ट्रैफिक कंट्रोल और ज़रूरी कार्रवाई के लिए भेज दी गई है।

गाड़ी चलाने वालों के लिए खास निर्देश और अपील

रोड्स एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट ने वडोदरा-डभोई रोड से गुजरने वाले सभी गाड़ी चलाने वालों से अपील की है कि वे इन 10 दिनों के दौरान अधिकारियों को पूरा सहयोग दें। ट्रैफिक की दिक्कतों से बचने और सुरक्षा बनाए रखने के लिए, उन्हें अधिकारियों द्वारा बताए गए दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है।

डांग में आपदा के खिलाफ सिस्टम की लड़ाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डांग। गुजरात के इकलौते हिल स्टेशन और आदिवासी इलाके डांग ज़िले में मेघराज ने ज़बरदस्त दस्तक दे दी है। डांग के पहाड़ी इलाकों में हो रही भारी से बहुत भारी बारिश की वजह से कई जगहों पर लैंडस्लाइड और सड़क पर पेड़ और पत्थर गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। जिससे ट्रैफिक में रुकावट आई। हालांकि, इस प्राकृतिक आपदा के बीच रोड और हाउसिंग डिपार्टमेंट ने ज़बरदस्त काम किया है और कुछ ही घंटों में सड़क के सभी जाम हटाकर सड़कें खोल दी हैं। रोड और बिल्डिंग डिपार्टमेंट ने यह पक्का करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया है कि डांग ज़िले में ट्रैफिक बिना रुके चलता रहे और लोग या टूरिस्ट कहीं फंसें नहीं। इमरजेंसी टीम: हालात से निपटने के लिए 10 स्पेशल इमरजेंसी टीमें तैनात की गई हैं। मशीनरी का इस्तेमाल: सड़कों से मलबा, मिट्टी और पत्थर हटाने के लिए 12 JCB और 5 ट्रैक्टर लगातार काम कर रहे हैं। मज़दूरों की मेहनत: 150 से ज़्यादा मज़दूर और टेक्निकल स्टाफ़ दिन-रात मैदान में सड़कों को साफ़ करने में लगे हैं। सिस्टम के समय पर एक्शन लेने से एक बड़ी मुसीबत टल गई। पहाड़ी इलाकों में मिट्टी और बड़े पत्थरों के अचानक लैंडस्लाइड होने से कई मेन और अंदरूनी सड़कें बंद हो गईं। लेकिन रोड और बिल्डिंग डिपार्टमेंट की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और कुछ ही घंटों में सड़क से मलबा हटाकर ट्रैफिक फिर से शुरू कर दिया गया। एडमिनिस्ट्रेशन के इस तेज़ एक्शन की वजह से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और गाड़ी चलाने वालों ने राहत की सांस ली। गाड़ी चलाने वालों और टूरिस्ट से एडमिनिस्ट्रेशन की ऑफिशियल अपील डांग ज़िले में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए, रोड और बिल्डिंग डिपार्टमेंट ने जनता और टूरिस्ट से खास सावधानी बरतने को कहा है: 1. इस बिज़ी मॉनसून सीज़न में पहाड़ी इलाकों में गैर-ज़रूरी या गैर-ज़रूरी ट्रैवल से बचें। 2. घाट रोड पर गाड़ी चलाते समय खास ध्यान रखें और प्रशासन के निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

नवसारी के गंडेवी-अमलसाद में NDRF का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी। जिले के मेघराजा में भारी बारिश के बीच बाढ़ के पानी में फंसे लोगों के लिए NDRF और स्थानीय प्रशासन भगवान का वरदान साबित हुआ है। आसमानी आफत की वजह से जिले के गंडेवी और अमलसाद इलाकों में बाढ़ की स्थिति के कारण कई लोग पानी की चपेट में फंस गए थे। हालांकि, NDRF टीम और प्रशासन की समय पर कार्रवाई की वजह से बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया और करीब 120 लोगों की जान बचाई गई। जैसे ही गंडेवी और अमलसाड पंथक में पानी भरने की स्थिति बनी, NDRF की 06 बटालियन और स्थानीय प्रशासन तुरंत ग्राउंड ज़ीरो पर हरकत में आ गए। NDRF के जवानों ने नावों और मॉडर्न इक्विपमेंट की मदद से तेज़ी से बहते बाढ़ के पानी के बीच बचाव का काम शुरू कर दिया।कुछ ही देर में NDRF की टीम ने बाढ़ के पानी में फंसे कुल 120 नागरिकों को बचाया। इसमें 45 महिलाएं, 35 पुरुष और 40 छोटे बच्चे शामिल हैं। छोटे बच्चों और महिलाओं को सुरक्षित बचाते समय जवानों की इंसानियत और बहादुरी के नज़ारे देखने को मिले।

तापी-व्यारा में खाखी का आतंक

SP के 'ताकतवर' व्हीवटदार बिपिन चौधरी और शराब तस्करों की मिलीभगत का पर्दाफाश

10 साल से बना अड्डा, करोड़ों की काली कमाई और विदेशी तारों पर उठे कड़े सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

तापी। गुजरात में कागजी शराबबंदी और खाखी के भ्रष्ट प्रशासन का सबसे बड़ा और डरावना चेहरा तापी-व्यारा जिले में सामने आया है। महानगर मेट्रो की ग्राउंड रिपोर्ट के मुताबिक, पूरे तापी जिले को शराब तस्करों और भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों ने मनोरंजन का साधन बना लिया है। जिले में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। अंग्रेजी शराब का बेलगाम नेटवर्क, अवैध जुआ क्लब और गांव-गांव में जहर उगलने वाली केमिकल वाली देसी शराब की भट्टियां आज खाखी की छत्र-छाया में फल-फूल रही हैं।तापी जिला अब सिर्फ शराब पीने का सेंटर नहीं रहा, बल्कि सूरत शहर और आसपास के इलाकों में शराब सप्लाई करने का मुख्य 'सप्लाई हब' बन गया है। इस काले धंधे का पूरा खेल कंटेनरों के जरिए चलता है। तापी से सूरत तक शराब की बड़ी खेप को सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी जिले के नामी बूटलेगर संजू दाढ़ी, हेमंत बैटरी, विजय सायन, नितिन और रुस्तम सोनगढ़ के हाथों में है। यह सिंडिकेट इतना बेरहम हो गया है कि गंभीर आरोप लगे हैं कि जब सड़क पर शराब से भरे कंटेनर गुजरते हैं तो पुलिस पेट्रोलिंग ही उन्हें सुरक्षा देती है। इस पूरी करप्ट चेन का मास्टरमाइंड और एडमिनिस्ट्रेटिव हेड कोई और नहीं बल्कि LCB का ASI बिपिन चौधरी सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, तापी जिले में चल रहे हर गैर-कानूनी धंधे से हर महीने करोड़ों रुपये की वसूली होती है। हर

बूटलेगर से हर महीने 60 से 70 लाख रुपये की किस्त वसूली जाती है। इसी वसूली के चलते एक आम ASI लेवल का कर्मचारी आज करोड़ों रुपये का कर्मचारी बन गया है। जिले में चल रही गैर-कानूनी केमिकल वाली देसी शराब की भट्टियां कभी भी बड़ी कार्रवाई को न्योता दे रही हैं। प्रशासन ने पहले भी हुई कार्रवाई से कोई सबक नहीं सीखा है, जिसमें बेगुनाह लोगों की जान चली गई। अगर तापी जिले में केमिकल वाली शराब पीने से कोई बड़ी जान जाती है या बेगुनाह लोगों के परिवार बिखर जाते हैं, तो इसके लिए सीधे तौर पर कौन ज़िम्मेदार है? क्या SP या ये व्हीवटदार मरने वालों के परिवारों की ज़िम्मेदारी लेंगे? सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बिपिन चौधरी पिछले 10 सालों से उसी जिले में और उसी लीडरशिप में सत्ता में बैठे हैं। सरकारी नियमों के मुताबिक समय-समय पर होने वाले ट्रांसफर के नियम इस अधिकारी के लिए क्यों रद्द कर दिए गए हैं? तापी जिले के पुलिस चीफ जशु देसाई के बहुत खास और चहेते माने जाने वाले इस एडमिनिस्ट्रेटर को न तो रेंज ढ्वल का डर है और न ही स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) का।

हाल ही में जो डिटेल्स सामने आई हैं, उनके मुताबिक ASI बिपिन चौधरी 10 दिनों के लिए दुबई की लग्ज़री ट्रिप पर निकले थे। सवाल यह उठता है कि एक सरकारी कर्मचारी को 10 दिनों के लिए विदेश जाने की परमिशन किसके ऑर्डर पर मिली? और इससे भी ज़्यादा सीरियस बात यह है कि क्या यह महंगी दुबई ट्रिप तापी के बूटलेगर्स ने स्पॉन्सर की थी? क्या यह अधिकारी राज्य के मुख्यमंत्री और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के 'ज़ीरो टॉलरेंस' और कानून के राज के दावों को खुलेआम चुनौती दे रहा है?

जब महानगर मेट्रो ने तापी ज़िले के पुलिस चीफ़ जशु देसाई से संपर्क किया और इस पूरे मामले पर सवाल पूछे, तो उन्होंने यह कहकर अपना बचाव किया, 'मुझे कुछ नहीं पता, मैं जांच करवाऊंगा।' इसके बाद उन्होंने फ़ोन उठाना भी बंद कर दिया। LCB PI भी पूरे मामले पर चुप बैठे हैं, जिससे साफ़ पता चलता है कि यह भ्रष्ट सिंडिकेट ऊपर से नीचे तक रेड कार्पेट पर चल रहा है।

'महानगर मेट्रो' इस पूरे घोटाले के खिलाफ आवाज़ उठाता है और राज्य सरकार, गृह विभाग और पुलिस के बड़े अधिकारियों के सामने मज़बूत मांगें रखता है:

1. ACB से कड़ी जांच: ASI बिपिन चौधरी की पिछले 10 सालों की सभी चल-अचल प्रॉपर्टी, बैंक अकाउंट और बेनामी प्रॉपर्टी की एंटी-करप्शन ब्यूरो (ACB) से पूरी जांच करवाई जानी चाहिए। 2. दुबई ट्रिप की जांच: इस बात की बिना किसी भेदभाव के जांच होनी चाहिए कि 10 दिन की दुबई ट्रिप की परमिशन किसने ली और इसके खर्च का सोर्स क्या था।

3. SP और LCB के रोल की जांच: डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ जशु देसाई और LCB PI के कुछ न करने और मामले को दबाने के मामले में रेंज ढ्वल लेवल से एक जांच कमेटी बनाई जानी चाहिए।

4. शराब तस्करों के खिलाफ PASA संजू दाढ़ी, हेमंत बैटरी, विजय सायन, नितिन और रुस्तम सोनगढ़ जैसे शराब तस्करों के खिलाफ PASA के तहत तुरंत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और शराब के नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जाना चाहिए।

सूरत में बाढ़ से भयानक तबाही

कमरूनगर पानी में डूबा, 500 से ज़्यादा गाड़ियां डूबीं, लोगों को बचाने के लिए फायर ब्रिगेड मौके पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। डायमंड और टेक्सटाइल सिटी सूरत मेघराजा की भारी बारिश और ऊपर से आ रहे पानी की वजह से बाढ़ की चपेट में आ गई है। खाड़ी का पानी सूरत शहर के निचले इलाकों में वापस आ गया है, जिससे वॉटरलॉगिंग की डरावनी स्थिति बन गई है। बाढ़ का पानी इतनी तेज़ी से इलाकों में घुसा कि लोगों को अपना सामान या गाड़ियां हटाने का भी समय नहीं मिला। इस वजह से, शहर के कमरूनगर समेत कई इलाकों में पानी भर गया, और आम ज़िंदगी पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गई है। 500 से ज़्यादा गाड़ियां पानी में डूबीं, ड्रोन वीडियो में बड़ा खुलासा

सूरत में आई बाढ़ की तबाही का एक हैरान करने वाला ड्रोन वीडियो सामने आया है, जिसमें तबाही का खौफनाक मंजर दिखाया गया है:

गाड़ियां डूबीं: बाढ़ की वजह से इलाकों की सोसाइटियों और मेन सड़कों पर खड़ी 500 से ज़्यादा फोर-व्हीलर और टू-व्हीलर गाड़ियां पूरी तरह पानी में डूब गई हैं।

ड्रोन फुटेज: एरियल कैमरे से कैप्चर हुई फुटेज में साफ दिख रहा है कि पूरा कमरूनगर और आस-पास का इलाका एक बड़ी झील में बदल गया है। घरों के ग्राउंड फ्लोर पानी में डूब गए हैं।

कमरूनगर में गर्दन तक पानी: फायर ब्रिगेड ने संभाला मोर्चा बाढ़ का पानी घरों में घुसने से लोग अपने घरों में फंस गए।

रेस्क्यू ऑपरेशन: कमरूनगर में गर्दन तक पानी भर जाने से हालात बहुत गंभीर हो गए थे। लोगों का बाहर निकलना नामुमकिन हो गया था, इसलिए सूरत फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। जान बचाने की जंग: फायर डिपार्टमेंट के लोगों ने नावों और लाइफ जैकेट की मदद से पानी में फंसे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सुरक्षित बाहर निकालकर सुरक्षित जगह पर पहुंचाने का काम शुरू कर दिया है।

प्रशासन अलर्ट मोड पर

खाड़ी के पानी के लेवल पर लगातार नज़र रखी जा रही है। प्रशासन की तरफ से बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों तक खाने के पैकेट और पीने

का साफ पानी पहुंचाने की कोशिशें शुरू कर दी गई हैं। मौसम की गंभीर स्थिति और खाड़ी में आई बाढ़ को देखते हुए सूरत नगर निगम और जिला प्रशासन ने लोगों को सख्त हिदायत दी है कि वे बेवजह बाहर न निकलें और सुरक्षित जगहों पर रहें।

प्राइवेट कंपनी की लापरवाही से हादसा टला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। शहर में प्राइवेट कंपनियों की लापरवाही से सुबह-सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। मेहता पार्क के पास बारिश के पानी से भरे एक गहरे गड्ढे में अचानक एक गाय गिर गई। हालांकि, एक जागरूक नागरिक द्वारा WhatsApp पर शेयर की गई फोटो और डभोई नगर पालिका की तुरंत कार्रवाई की वजह से गाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और उसे जान दे दी गई।

प्राइवेट कंपनी के पाप से पैदा हुआ खतरा

डभोई शहर के अलग-अलग इलाकों में प्राइवेट कंपनियों ने काम के लिए बड़े-बड़े गड्ढे खोदे हैं। लेकिन काम के बाद, वे पूरी सावधानी न बरतने के कारण जानलेवा साबित हो रहे हैं।

बारिश के पानी का भ्रम: चूंकि मानसून का मौसम है, इसलिए मेहता पार्क के पास खोदा गया यह गड्ढे बारिश के पानी से भर गया था।

हादसा: पानी भरी जमीन के समतल होने का भ्रम पैदा हो रहा था और गड्ढे की गहराई का अंदाजा नहीं था, इसलिए सुबह-सुबह वहां से गुजर रही एक गाय अचानक उसमें गिर गई और गहरे कीचड़ और पानी में फंस गई।

सोशल मीडिया बना लाइफलाइन

इस घटना में टेक्नोलॉजी और जागरूक नागरिकों का तालमेल देखने को मिला:

गड्ढे में फंसी गाय की फोटो शहर के एक लोकल WhatsApp ग्रुप में शेयर की गई।

अच्छी बात यह रही कि जब यह फोटो एक नगर निगम कर्मचारी के ध्यान में आई, तो उसने तुरंत डभोई नगर निगम के चीफ ऑफिसर जयकिशन तड़वी और प्रोजेक्ट मैनेजर महेशभाई परमार को फोन करके बताया।

नगर निगम का रेस्क्यू ऑपरेशन युद्ध स्तर पर

घटना की गंभीरता को समझते हुए, डभोई नगर निगम प्रशासन कुछ ही मिनटों में हरकत में आ गया।

जल्दी एक्शन: चीफ ऑफिसर और प्रोजेक्ट मैनेजर ने बिना किसी देरी के नगर निगम की रेस्क्यू टीम को ज़रूरी सामान के साथ मौके पर भेज दिया।

1 घंटे में सफल रेस्क्यू: नगर निगम के कर्मचारियों ने युद्ध स्तर पर कड़ी मेहनत की और सिर्फ एक घंटे में गाय को गड्ढे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। अगर अधिकारियों को मौके पर पहुंचने में थोड़ी भी देर हो जाती, तो गाय के मरने की पूरी संभावना थी।

स्थानीय लोगों की तारीफ़ और अधिकारियों की ज़रूरी अपील

डभोई नगर पालिका की इंसानियत और तुरंत कार्रवाई से मेहता पार्क और आस-पास के इलाकों के लोगों ने राहत की सांस ली और अधिकारियों के इस काम के लिए शुक्रिया अदा किया।

डभोई नगर पालिका की जनता से अपील:

नगर पालिका ने लोगों से अपील करते हुए कहा है, 'अगर शहर के किसी और इलाके में ऐसे खुले या खतरनाक गड्ढे मिलें, तो तुरंत नगर पालिका को बताएं।' ताकि अधिकारी जल्दी भर सकें और भविष्य में किसी बड़ी आपदा या जानवरों और इंसानों की जान जाने से बचा सकें।

नवसारी बाढ़ से बचाव: डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्ष सांघवी और यूनियन मिनिस्टर सीआर पाटिल ने डिजास्टर कंट्रोल रूम का दौरा किया

सफाई और हेल्थ से जुड़े काम का रिव्यू किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी । नवसारी जिले में भारी बारिश और बाढ़ के बाद, एडमिनिस्ट्रेशन ने जीवन को जल्दी से बहाल करने और प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए युद्ध स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है। स्थिति का रिव्यू करने और काम में तेजी लाने के लिए, डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्षभाई सांघवी और यूनियन जल शक्ति मिनिस्टर सीआर पाटिल ने नवसारी जिले के डिजास्टर कंट्रोल रूम का दौरा किया। दोनों नेताओं ने बाढ़ के दौरान किए गए काम के साथ-साथ बाढ़ के बाद किए गए राहत और बचाव के काम का भी रिव्यू किया।

कलेक्टर द्वारा राहत और बचाव ऑपरेशन की रिपोर्टिंग।

मीटिंग के दौरान, नवसारी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने बाढ़ की स्थिति में अलग-अलग डिपार्टमेंट्स के साथ कोऑर्डिनेशन में किए गए काम की एक तस्वीर पेश की:

रेस्क्यू और इवैक्यूएशन: बाढ़ के पानी में फंसे नागरिकों का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन और निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने का काम। शेल्टर में सुविधाएं: प्रभावित लोगों के लिए बनाए गए शेल्टर में रहने, खाने, पीने का साफ पानी समेत बेसिक सुविधाएं मौजूद हैं।

हेल्थ सेक्टर में सतर्कता: बाढ़ प्रभावित इलाकों में हेल्थ डिपार्टमेंट की तरफ से फ्री हेल्थ चेक-अप, जरूरी दवाओं का डिस्ट्रीब्यूशन और बीमारी को फैलने से रोकने के लिए लगातार मॉनिटरिंग।

नुकसान का सर्वे और तुरंत मदद देने के निर्देश

पानी कम होने के बाद अब सबसे बड़ी प्राथमिकता प्रभावितों को मदद पहुंचाना है। इस हाई-लेवल मीटिंग में सरकारी गाइडलाइंस के मुताबिक अलग-अलग **मामलों पर गंभीर चर्चा हुई:**

सर्वे का काम: पानी कम होते ही निचले इलाकों में फसलों, घरों, टूटी हुई सरकारी प्रॉपर्टी और निजी नुकसान का सर्वे तुरंत शुरू करने के आदेश दिए गए हैं।

मदद का पेमेंट: राज्य सरकार की पॉलिसी और नियमों के मुताबिक प्रभावित नागरिकों को जल्द से जल्द कैश डोनेशन और आर्थिक राहत मदद मिले, इसका इंतज़ाम किया गया है।

महामारी की रोकथाम और सफाई अभियान पर जोर

बाढ़ का पानी कम होने के बाद महामारी को फैलने से रोकने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन की तरफ से खास एक्शन प्लान तैयार किया गया है। मंत्रियों ने सभी संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे सभी प्रभावित इलाकों में युद्ध स्तर पर सफाई का काम करें, पेस्टीसाइड और पाउडर का छिड़काव करें और आपस में तालमेल बिठाकर काम करें ताकि जल्द से जल्द सामान्य जीवन बहाल हो सके।

संक्षिप्त न्यूज

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का उमरगाम दौरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उमरगाम। भारी बारिश की आपदा के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश पांचाल ने उमरगाम के प्रभावित इलाकों का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ितों से मिलकर राहत सामग्री बांटी और कहा कि सरकार हर नागरिक के साथ खड़ी है। पांचाल ने स्थानीय प्रशासन को तुरंत आर्थिक मदद, स्वास्थ्य सेवाएं और बुनियादी सुविधाएं बहाल करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

अहमदाबाद में भारी बारिश: जनजीवन प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर और ग्रामीण इलाकों में मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। लगातार बारिश के चलते सौराष्ट्र को जोड़ने वाला बेहद अहम बावला-सरखेज हाईवे जलमग्न हो गया, जिसे सुरअहमदाबाद। शहर और ग्रामीण इलाकों में भारी बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। जलभराव के कारण सौराष्ट्र को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण बावला-सरखेज हाईवे पानी भरने से यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। लगातार बारिश की वजह से बावला PMC की दीवार गिर गई (हालाँकि कोई हताहत नहीं हुआ) और गणपतपुरा अंडरपास पूरी तरह डूब गया है।स्थिति को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने फंसी गाड़ियों और लोगों के लिए तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। ट्रैफिक को दूसरे सुरक्षित रास्तों पर डायवर्ट कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बहुत जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलें और बावला-सरखेज रोड की तरफ जाने से बचें।हाज से बंद कर दिया गया है।

दमन में कोलक नदी की बाढ़ से भारी तबाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दमन। यहां भारी बारिश और ऊपरी इलाकों से पानी आने के कारण कोलक नदी में भयानक बाढ़ आ गई है। इससे दमन के एंट्री गेट, पटलिया चेकपोस्ट के पास भारी तबाही हुई है। कई होटलों और कॉम्प्लेक्स के ग्राउंड फ्लोर और बेसमेंट में 10 से 12 फीट तक पानी भर गया है।इस जलभराव के कारण बेसमेंट में खड़ी गाड़ियां, फर्नीचर और कीमती सामान पूरी तरह डूब गए। अचानक बाढ़ का पानी घुसने से पर्यटकों में भी दहशत फैल गई और व्यापारियों को करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और बचाव दल ने राहत कार्य शुरू कर दिया है और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर निकाला जा रहा है

वडोदरा के हरणी रोड पर असामाजिक तत्वों का आतंक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सभ्य शहर वडोदरा में असामाजिक तत्वों के बेलगाम होने के बीच कानून व्यवस्था को हिलाकर रख देने वाली एक भयावह घटना सामने आई है. वडोदरा शहर के हरणी रोड स्थित श्रीजी मार्केट में असामाजिक तत्वों का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। एक व्यापारी के लिए बाजार के बाहर बैठना और उन तत्वों के खिलाफ आवाज उठाना बोझ बन गया है जो सार्वजनिक रूप से मौज-मस्ती करते हैं और नशे में धुत होकर व्यापारियों और राहगीरों को परेशान करते हैं। विवरण के अनुसार कल रात श्रीजी मार्केट के जागरूक व्यापारी धर्मेश परदेशी ने मार्केट के बाहर बैठकर शराब पीकर दूसरे व्यापारियों को परेशान करने वाले असामाजिक तत्वों को रोका। इस बात से आक्रोशित 25 से 30 लोगों की एक बड़ी भीड़ धारदार और घातक हथियारों से लैस होकर अचानक व्यवसायी धर्मेश परदेशी की दुकान पर पहुंच गई. भीड़ ने दुकान में तोड़फोड़ की और धर्मेशभाई पर हमला किया.3 लोग घायल हो गए, स्थानीय लोगों के जुटने पर हमलावर भाग निकले अचानक हुए इस भीषण हमले में कारोबारी धर्मेश परदेसी और दो अन्य लोग घायल होकर लहूलुहान हो गए. हमले के दौरान मची चीख-पुकार के बाद बाजार और आसपास के स्थानीय लोग तुरंत मौके पर जमा हो गए। भीड़ जुटती देख हमलावर मौके से भाग गए। घायलों को तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।पूरी घटना सीसीटीवी में कैद: कुंभरवाड़ा पुलिस ने जांच कीअसामाजिक तत्वों द्वारा किए गए इस जानलेवा हमले की पूरी घटना बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. घटना की जानकारी कुंभारवाड़ा पुलिस को देने पर पुलिस का काफिला मौके पर रवाना हुआ. कुंभरवाड़ा पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज किया और उनकी पहचान उजागर करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी। व्यापारियों पर हुए इस हमले के बाद स्थानीय व्यापारियों में काफी आक्रोश है

खूंखार तेंदुए का आतंक

65 वर्षीय बुजुर्ग महिला को कमरे से घसीटकर जंगल में ले गया और फाड़ खाया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कवांट। छोटा उदेपुर जिले के कवांट तालुका के रायसिंगपुरा गांव से एक बेहद हृदयविदारक और रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। गांव के खांटियाबार फलिया में रहने वाली करीब 65 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला को कोई हिंसक जंगली जानवर कमरे से घसीटकर जंगल की तरफ ले गया और उनके शरीर को क्षत-विक्षत कर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना से पूरे इलाके में शोक के साथ-साथ भारी खौफ का माहौल फैल गया है।

कमरे से जंगल की तरफ घसीट ले गया!

मिल रही जानकारी के अनुसार, गत दिनांक 24/07/2026 को रायसिंगपुरा गांव के खांटियाबार फलिया में रहने वाली 65 वर्षीय रहलीबेन रेवजीभाई नायक अपने घर के पास बने एक कमरे में थीं। उसी दौरान अचानक आए किसी हिंसक जानवर ने उन पर हमला कर दिया। वह जानवर बुजुर्ग महिला को कमरे से घसीटते हुए पास के जंगल की ओर ले गया।

छाती और गले के हिस्से का मांस नोच खाया

जंगल में ले जाकर इस खूंखार जानवर ने बुजुर्ग महिला के चेहरे, छाती और गले के हिस्से पर गंभीर चोटें पहुंचाईं और मांस नोच खाकर उन्हें दर्दनाक मौत दे दी। घटना का पता चलते ही मृतका के पोते रामसिंगभाई बचुरियाभाई नायक ने इस बारे में तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी।

ग्रामीणों में भारी दहशत

इस खौफनाक घटना के बाद रायसिंगपुरा समेत आसपास के पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों के अनुसार, बुजुर्ग महिला को उठाकर अपना शिकार बनाने वाला और कोई नहीं बल्कि एक आदमखोर तेंदुआ ही है। शाम होते ही ग्रामीण अपने घरों में कैद होने को मजबूर हो गए हैं। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि वन विभाग द्वारा तत्काल प्रभाव से इस इलाके में पिंजरा लगाकर इस आदमखोर तेंदुए को पकड़ा जाए, ताकि कोई अन्य निर्दोष ग्रामीण इसका शिकार न बने।

जो कभी पेपर लीक के खिलाफ लाठीचार्ज में घायल हुए थे, आज उन्हीं धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफे तक का सफर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। समय का चक्र भी कैसा अजीब घूमता है! जिस नेता ने अपने युवावस्था के दिनों में युवाओं के हक के लिए और पेपर लीक की धांधली के खिलाफ सड़क पर उतरकर पुलिस की लाठियां खाई थीं, आज वही नेता देश के शिक्षा मंत्री के तौर पर पेपर लीक के मुद्दे पर चारों तरफ से घिरे और आखिरकार इस्तीफे की नौबत तक पहुंच गए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के जीवन का यह मोड़ आज पूरे देश में भारी चर्चा का विषय बन गया है। कल का एक क्रांतिकारी छात्र नेता और आज का शिक्षा मंत्री—इन दोनों के बीच की विडंबना लोकतंत्र की कड़वी सच्चाई को दर्शाती है।

संघर्ष के दिन: जब पेपर लीक के खिलाफ सड़क पर बहाया था खून

धर्मेंद्र प्रधान की राजनीतिक नींव किसी विरासत में नहीं, बल्कि छात्र आंदोलनों की भट्टी में पड़ी थी। 1990 के दशक में ओडिशा में छात्र संगठन से जुड़कर उन्होंने शिक्षा क्षेत्र के भ्रष्टाचार के खिलाफ बुलंद आवाज उठाई थी। उस समय राज्य में विभिन्न भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने के विरोध में उन्होंने युवाओं को इकट्ठा करके बड़ा विरोध प्रदर्शन किया था। छात्रों के भविष्य के लिए लड़ते समय तत्कालीन सरकार की पुलिस द्वारा किए गए निर्मम लाठीचार्ज में धर्मेंद्र प्रधान गंभीर रूप से घायल भी हुए थे। उस समय वे एक ऐसे युवा चेहरे के रूप में उभरे थे, जो सिस्टम के भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़क पर उतरकर लड़ने की ताकत रखते थे।

सत्ता का शिखर और घोटालों का बवंडर

वर्षों के राजनीतिक सफर के बाद धर्मेंद्र प्रधान देश के शिक्षा मंत्रालय के सर्वोच्च पद तक पहुंचे। लेकिन कुदरत का खेल तो देखिए! जिस 'पेपर लीक' और 'परीक्षा में धांधली' के मुद्दे पर लड़कर वे नेता बने थे, आज वही मुद्दा उनके कार्यकाल का सबसे बड़ा दाग बन गया।

NEET और UGC-NET जैसी देश की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सामने आए घोटालों और धांधलियों ने देश के लाखों छात्रों का भविष्य और उनकी वर्षों की मेहनत दांव पर लगा दी। जिन युवाओं के लिए एक समय वे खुद लाठियां खाते थे, आज वही युवा उनके मंत्रालय के खिलाफ सड़क पर उतर आए। विपक्ष और छात्र संगठनों के भारी आक्रोश और नैतिक दबाव के सामने शिक्षा मंत्रालय घिर गया।

आंदोलनकारी से इस्तीफे तक का सफर

जो व्यक्ति खुद आंदोलन की भट्टी में तपकर बाहर आया हो, उससे देश के युवाओं की उम्मीदें हमेशा ज्यादा होती हैं। लेकिन सत्ता की कुर्सी पर बैठने के बाद 'सिस्टम' में सुधार करने में विफल रहना या जिम्मेदारी से बचना जनता को कभी स्वीकार्य नहीं होता। पेपर लीक के विरोध में खून बहाने वाले नेता से शुरू हुआ सफर आज अपनी ही मशीनरी की विफलता के कारण इस्तीफे तक पहुंच गया। इस घटना ने साबित कर दिया कि सत्ता पर बैठकर निर्णय लेना और सड़क पर उतरकर विरोध करना—इन दोनों के बीच बहुत बड़ा अंतर होता है।

पावीजेतपुर के रेलवे अंडरपास का नवनिर्मित आरसीसी रास्ता मात्र छह महीने में ही टूटा: प्रशासन की पोल खुली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। जिले के पावीजेतपुर से गुजरने वाले नेशनल हाईवे नंबर 56 पर स्थित रेलवे अंडरपास का रास्ता इन दिनों भारी चर्चा का विषय बन गया है। मात्र छह महीने पहले ही लाखों रुपये की लागत से नया बनाया गया आरसीसी रास्ता अब टूट गया है और उसमें बड़े-बड़े गड्ढें पड़ गए हैं। प्रशासन के घटिया और कमजोर कामकाज के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

यातायात सुगम बनाने का दावा निकला खोखला

छोटा उदेपुर को जोड़ने वाले नेशनल हाईवे नंबर 56 पर पावीजेतपुर रेलवे अंडरपास के पास कुछ समय पहले ही यातायात को आसान बनाने के लिए नई आरसीसी लेयर बिछाई गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि छह महीने का समय भी नहीं बीता और यह नया रास्ता उखड़ गया, जिसके चलते इसमें गहरे गड्ढें पड़ गए हैं।

मुख्यमंत्री के दौरे पर हुई थी लीपापोती

स्थानीय लोगों और वाहन चालकों से मिली जानकारी के अनुसार, हाल ही में जब मुख्यमंत्री का दौरा हुआ था, तब उनके आगमन से पहले केवल दिखावे के लिए इन गड्ढों को भर दिया गया था। लेकिन प्रशासन की यह कार्रवाई सिर्फ सतही (ऊपरी) साबित हुई और कुछ ही दिनों में रास्ता फिर से पहले जैसी बदहाल स्थिति में आ गया।

हादसों का बना रहता है डर, जिम्मेदारी किसकी?

इस मुख्य मार्ग से हर रोज हजारों की संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। रास्ते पर पड़े इन खतरनाक गड्डो के कारण वाहनों को भारी नुकसान हो रहा है, साथ ही हादसों का डर भी लगातार बना रहता है। जनता एक तरफ जर्जर सड़कों का संताप झेल रही है, तो वहीं यह सवाल खड़ा होता है कि मुख्य मार्ग पर अगर इस तरह की घटिया गुणवत्ता का काम होता है, तो इसकी जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा?

प्रशासन के कान पर नहीं रेंग रही जूं

लोगों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है कि करोड़ों रुपये के विकास का दावा करने वाली सरकार और प्रशासनिक तंत्र की लापरवाही का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है (पेट का पानी नहीं हिल रहा)। अब देखना यह है कि उच्च अधिकारी इस मामले में कोई ठोस जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हैं या नहीं, या फिर जनता को आगे भी इसी तरह परेशानी झेलने को मजबूर होना पड़ेगा।

आखिरकर छात्र आंदोलन से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना ही पड़ा

हालांकि भाजपा उनके पक्ष में बिल्कुल भी नहीं था लेकिन कॉकरोचों ने देश में हंगामा खड़ा कर ही दिया था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। देश में कई बार छोटे-मोटे आंदोलन व्यापक स्तर पर यहां तक वैश्विक स्तर पर भी प्रभाव डालता है इसके पहले अन्ना हजारे देश के प्रसिद्ध समाजसेवी ने छात्रों के समर्थन में खुल के सामने आया था उनके एक आंदोलन से एक अंजाना सा दिल्ली का मुख्यमंत्री बन गया था इसी तरीके से कल तक बिल्कुल अंजान सा कांकरेच जनता पार्टी आज देश की प्रमुख एक तरीके से विपक्षी पार्टी बन गई है इसके दावे हालांकि हमने पूर्व में कर दिया था कि जिस तरीके से कॉकरोच जनता पार्टी के साथ लोग जुड़े हैं और लगातार अन्य संगठनों से इस्तीफा दे रहे हैं निश्चित रूप से आने वाले समय में उनकी शक्ति बढ़ाने वाले हैं और ठीक वैसे हुआ मामला था नीट परीक्षा लीक का है एनटीए ने भर्ती के लिए में यूपीएससी के जरिए विज्ञापन जारी किया की प्रतिभा सेतु पोर्टल के नए लोगों की भर्ती किया जाना था इसमें पेपर लीक हो गया और इस तरीके से नीट पेपर लीक मामले पर आंदोलनकारयो का और सरकार के बीच तनातनी बढ़ते गई लगातार सीजेपी कॉकरोच जनता पार्टी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की मांग कर रहे थे हालांकि सरकार इस्तीफा के पक्ष में बिल्कुल भी नहीं था उनका मानना था कि फोकस की राजनीति के बजाय देश की सिस्टम को और पारदर्शिता बनाया जाए हालांकि आज केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे ने भारतीय जनता पार्टी को बैकफुट पर लाकर खड़ा कर दिया है यह 12 साल में पहली बार है कि किसी आंदोलन को लेकर भारतीय जनता पार्टी को अपने केंद्रीय मंत्री से इस्तीफा दिलाना पड़ा हालांकि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा नहीं देने की स्थिति यह आंदोलन और भी आगे चलता है लेकिन इसके बावजूद भी कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा है कि जब तक उनकी दो और मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा तब तक यह आंदोलन चलता ही रहेगा पहले मांग है कि पेपर लीक के कारण आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिवारों को एक-एक करोड रुपए का मुआवजा दिया जाए और दिल्ली में धरना के दौरान प्रदर्शनकारीयो के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग निश्चित रूप से सरकार आंदोलन आगे चले ऐसा नहीं चाहती और यह दोनों ही मांगे आने वाले समय में पूर्ण कर लिया जाएगा लेकिन सवाल बहुत गंभीर है जिस तरीके से पेपर लीक मामले को कॉकरोच जनता पार्टी ने आयोजित किया वह सोचने वाली बात है

नेताजी सेवा करने गए और खुद ही 'बचा' लिए गए! राधनपुर एमएलए लविंगजी ठाकोर कीचड़ में फंस गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राधनपुर/संतालपुर: मौसम विभाग के अनुमान के बीच, उत्तरी गुजरात में भारी बारिश ने इलाके में वॉटर-बम जैसी स्थिति पैदा कर दी है। उस समय, यह दौरा ही राधनपुर एमएलए लविंगजी ठाकोर के लिए मुसीबत बन गया, जो लोगों का हाल जानने और हालात का जायज़ा लेने संतालपुर तालुका के बारिश से प्रभावित इलाकों में गए थे। बारिश के पानी और चिपचिपी मिट्टी वाली सड़क से गुजरते समय एमएलए लविंगजी ठाकोर कीचड़ में इस कदर फंस गए कि एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सके। नेताजी के कीचड़ में फंसते ही वहां अफरा-तफरी मच गई।

लोगों ने उन्हें उठाकर कीचड़ से निकाला!

एमएलए खुद बाहर नहीं निकल सके, इसलिए आस-पास मौजूद गांववालों और समर्थकों को तुरंत उनकी मदद के लिए आना पड़ा। स्थानीय लोगों ने एमएलए को दोनों तरफ से उठाकर बमुश्किल कीचड़ और कीचड़ से बाहर निकाला। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

विकास के दावे कीचड़ में फंसे

स्थानीय लोग उसी सड़क से गुजरने को मजबूर हैं जिस पर एमएलए को लोगों ने उठाकर बाहर निकाला था। इस घटना के बाद इलाके के लोगों में काफी गुस्सा है।

जनता के सवाल: अगर प्रतिनिधि ही बारिश के घंटों में कीचड़ में फंस जाएंगे, तो आम नागरिकों, स्कूल जाने वाले बच्चों और मरीजों का क्या हाल होगा?

मानसून से पहले का काम फेल: ऐसी स्थिति है कि सरकारी क्षेत्र द्वारा किए गए सड़क मरम्मत और मानसून से पहले के काम सिर्फ कागजों पर ही रह गए हैं। नेताजी तो कीचड़ से सुरक्षित बाहर निकल आए, लेकिन इस घटना ने संतालपुर और राधनपुर परगनों की खस्ताहाल सड़कों और प्रशासन की पोल खोल दी है।

आनंद ज़िले और ऊपरी इलाकों में भारी बारिश की वजह से, पंचायत डिपार्टमेंट के तहत तारापुर और खंभात तालुका की 9 सड़कें ट्रैफिक के लिए बंद हैं

रोड्स एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट पंचायत को तुरंत दूसरे रास्ते बनाने चाहिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। राज्य में चल रहे मॉनसून के दौरान भारी बारिश की वजह से, ऊपरी इलाकों से आ रहे पानी के बढ़ते बहाव ने आनंद ज़िले की कुछ सड़कों पर ट्रैफिक पर असर डाला है। रोड्स एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट (पंचायत) के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के मुताबिक, 25 जुलाई को दोपहर 1:00 बजे तक, आनंद ज़िले में रोड्स एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट पंचायत के तहत कुल 9 सड़कें ट्रैफिक के लिए बंद कर दी गई हैं। इसमें तारापुर तालुका की 7 सड़कें और खंभात तालुका की 2 सड़कें शामिल हैं। ज़्यादातर बंद सड़कें ऊपरी इलाकों से आ रहे बारिश के पानी के बढ़ते बहाव और ओवरटॉपिंग की वजह से प्रभावित हुई हैं। इस वजह से सुरक्षा कारणों से तारापुर-रजवापुरा रोड, मिलरामपुरा इलाके की कई सड़कों, जिचका-खानपुर रोड और मोराज-चिखलिया रोड समेत कई सड़कों पर ट्रैफिक रोक दिया गया है।

रोड एंड हाउसिंग डिपार्टमेंट ने तुरंत एक टीम भेजी है और प्रभावित इलाकों में जहां भी हो सके, दूसरे रास्ते देकर सड़कों की हालत पर लगातार नज़र रख रहा है। इनमें से कुछ जगहों पर पानी का बहाव कम होने के बाद सड़कों को फिर से खोलने का काम किया जाएगा, जिससे 28 जुलाई तक इन सड़कों पर हालात सामान्य होने की उम्मीद है। जिला प्रशासन और रोड एंड हाउसिंग डिपार्टमेंट ने लोगों से अपील की है कि वे बंद घोषित सड़कों पर न चलें और सिर्फ़ तय दूसरे रास्तों का ही इस्तेमाल करें और बारिश के हालात को ध्यान में रखते हुए सावधानी से गाड़ी चलाएं।

दैनिक राशिफल

26 जुलाई 2026, रविवार

26 जुलाई 2026 को चंद्रमा धनु राशि में गोचर कर रहा है तथा कई शुभ ग्रह योगों का प्रभाव विभिन्न राशियों पर दिखाई देगा। यह दिन नए अवसर, धन लाभ और पारिवारिक सुख लेकर आ सकता है।

मेष : आत्मविश्वास बढ़ेगा। नौकरी और व्यापार में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। शुभ रंग: लाल।

वृषभ : आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुका हुआ धन मिलने के योग हैं। सेहत का ध्यान रखें।

मिथुन : नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बनेंगे।

कर्क : धन लाभ के प्रबल संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा। परिवार में खुशियां आएंगी।

सिंह : पैसों से जुड़े फैसले सोच-समझकर लें। अनावश्यक खर्च से बचें। नए अवसर मिल सकते हैं।

कन्या : करियर में प्रगति होगी। तनाव कम होगा। घर में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला : नए संपर्क लाभ देंगे। साझेदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

वृश्चिक : कार्यों में थोड़ी बाधा आ सकती है, लेकिन धैर्य से सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

धनु : भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मकर : मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। निवेश सोच-समझकर करें। परिवार के साथ समय बिताएं।

कुंभ : नए अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में उन्नति के संकेत हैं। अनावश्यक विवाद से बचें।

मीन : व्यापार और संपत्ति संबंधी मामलों में लाभ के योग हैं। परिवार में शुभ समाचार मिल सकता है।

बिट्टू की एंट्री से बदली पंजाब की चुनावी बिसात, नया समीकरण गढ़ने में भाजपा कामयाब

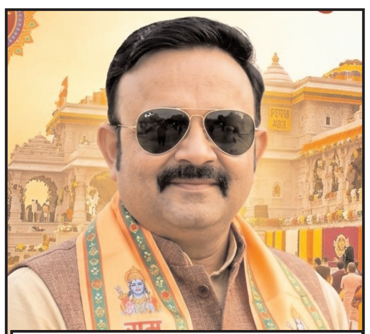

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> दरअसल, रवनीत सिंह बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है।

केंद्रीय मंत्री पद से रवनीत सिंह बिट्टू का इस्तीफा पंजाब की राजनीति में भाजपा के सबसे बड़े चुनावी दांव के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि बिट्टू विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं और पार्टी के चुनाव अभियान का प्रमुख चेहरा भी बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो चुका था। इसके बाद उन्होंने रेल तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया। बिट्टू ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें देश और विशेष रूप से पंजाब की सेवा करने का अवसर मिला तथा उनका सार्वजनिक जीवन राष्ट्रवाद, सेवा और विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे भी जारी रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र बिट्टू लंबे समय तक कांग्रेस में रहे। वर्ष 2009 में वह आनंदपुर साहिब से सांसद बने और बाद में दो बार लुधियाना का प्रतिनिधित्व किया। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थामा, लेकिन लुधियाना से कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ चुनाव हार गए। इसके बाद उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

पंजाब की राजनीति में बिट्टू की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वह पिछले कुछ समय से पंजाब में भाजपा के संगठन और चुनावी तैयारी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि भाजपा का लक्ष्य पंजाब में ₹डबल इंजन सरकार₹ बनाना है और प्रधानमंत्री मोदी के विकास के विजन को हर विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचाना है।

दरअसल, बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। पंजाब में लगभग 58 प्रतिशत आबादी सिखों की है, जबकि करीब 39 प्रतिशत हिंदू हैं। इसके अलावा राज्य में लगभग 32 प्रतिशत दलित और लगभग 16 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग है। भाजपा की कोशिश इन चारों सामाजिक वर्गों में समानांतर स्वीकार्यता बढ़ाने की है।

भाजपा की इसी नई रणनीति की झलक हाल में आई 'सतलुज' फिल्म को लेकर हुए विवाद में भी देखने को मिली थी। रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म का खुलकर विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह ऐसे संवेदनशील विषय को उभारने का प्रयास है, जिससे पंजाब का माहौल दोबारा तनावपूर्ण हो सकता है। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली कोशिश बताते हुए फिल्म पर सवाल उठाए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिट्टू का यह रुख भाजपा की बदली हुई चुनावी रणनीति का संकेत था। पहले जहां पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर अपेक्षाकृत आक्रामक भाषा का प्रयोग करती थी, वहीं अब वह सिख समुदाय की धार्मिक और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी राजनीतिक अभिव्यक्ति को अधिक संतुलित और संयमित बना रही है। माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में सिख मतदाताओं के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए ऐसे मुद्दों पर सावधानीपूर्वक राजनीतिक संदेश देना चाहती है, ताकि हिंदू, सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग, इन चारों प्रमुख सामाजिक समूहों में समानांतर स्वीकार्यता विकसित की जा सके।

राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा ने स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनने की दिशा में लगातार काम किया है। इसका असर चुनावी आंकड़ों में भी दिखा, जहां 2022 विधानसभा चुनाव में लगभग 6.6 प्रतिशत मत पाने वाली भाजपा का वोट प्रतिशत 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर लगभग 19 प्रतिशत तक पहुंच गया। यही कारण है कि पार्टी अब पंजाब में अकेले दम पर सत्ता हासिल करने का सपना देख रही है।

हालांकि शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा के रिश्तों को लेकर राजनीतिक अटकलें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। इसका ताजा उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान देखने को मिला था। जालंधर की सभा में प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और 'अकाली दल' तीनों पर निशाना साधते हुए कहा कि अकाली दल भी आपसी स्वार्थों के कारण पंजाब की प्रभावी सेवा नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री ने किसी विशेष अकाली गुट का नाम नहीं लिया, लेकिन शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बाद में दावा किया कि यह टिप्पणी उनकी पार्टी पर नहीं, बल्कि अन्य अकाली धड़ों के लिए थी। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी, क्योंकि भाजपा और अकाली दल का लगभग 25 वर्षों पुराना गठबंधन 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर टूटने के बाद भी दोनों दलों के हर सार्वजनिक बयान को संभावित राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जाता है। हालांकि भाजपा नेतृत्व फिलहाल गठबंधन पुनर्जीवित करने की किसी संभावना से इंकार कर रहा है और अपने संगठन को स्वतंत्र रूप से मजबूत करने की बात कह रहा है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब की राजनीति में भाजपा और अकाली दल के संबंध इतने महत्वपूर्ण रहे हैं कि दोनों दलों के बीच होने वाला हर संवाद भविष्य की संभावनाओं के नजरिए से परखा जाता है।

साथ ही भाजपा ने अपने राजनीतिक संदेश और भाषा में भी उल्लेखनीय बदलाव किया है। कभी ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर बेहद आक्रामक रुख अपनाने वाली पार्टी अब सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक शिकायतों को अधिक संवेदनशीलता से संबोधित करती दिखाई दे रही है। पार्टी लगातार कांग्रेस को ऑपरेशन ब्लू स्टार, पंजाब में आतंकवाद के दौर और 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए जिम्मेदार ठहराती है, जबकि स्वयं को सिख समाज की भावनाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है।

देखा जाये तो भाजपा की इस बदली हुई राजनीतिक रणनीति की पृष्ठभूमि को समझने के लिए उसके पुराने रुख पर भी नजर डालना जरूरी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी आत्मकथा 'माय कंट्री, माय लाइफ' में पंजाब में उग्रवाद के दौर के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक हितों के लिए उग्रवाद को बढ़ावा दिया और हालात इतने बिगड़ने दिए कि अंततः ऑपरेशन ब्लू स्टार की नौबत आ गई। आडवाणी ने यह भी लिखा था कि भाजपा और अन्य दलों के देशव्यापी आंदोलनों के दबाव में तत्कालीन केंद्र सरकार को स्वर्ण मंदिर परिसर से उग्रवादियों को हटाने के लिए सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी थी। हालांकि अब पंजाब में चुनावी विस्तार की कोशिशों के बीच भाजपा की सार्वजनिक भाषा पहले की तुलना में कहीं अधिक संतुलित और संवेदनशील दिखाई देती है। पार्टी अब ऑपरेशन ब्लू स्टार को 'राष्ट्रीय त्रासदी' बताते हुए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराती है, लेकिन साथ ही सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक पीड़ा को भी प्रमुखता से स्वीकार करने का प्रयास कर रही है।

इसी बदलाव के तहत भाजपा ने हाल के वर्षों में कई प्रतीकात्मक और राजनीतिक कदम उठाए हैं। वीर बाल दिवस की घोषणा, करतारपुर साहिब गलियारे का उद्घाटन, अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप भारत लाना, 1984 दंगों के मामलों की जांच में तेजी, हवाई अड्डों पर कृपाण ले जाने की अनुमति, स्वर्ण मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लगातार दौरे तथा लंबे समय से जेल में बंद कुछ सिख कैदियों को मानवीय आधार पर राहत जैसे फैसलों को इसी व्यापक सिख पहुंच अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा ने यह भी संकेत दिया है कि सत्ता में आने पर धर्मांतरण विरोधी कानून लाया जा सकता है।

हालांकि भाजपा इस पूरे अभियान के दौरान एक संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है। पार्टी स्पष्ट करती है कि उसका आतंकवाद और खालिस्तानी हिंसा के प्रति रुख नहीं बदला है। पंजाब भाजपा के नेताओं का कहना है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार को राष्ट्रीय त्रासदी मानने का अर्थ आतंकवाद का समर्थन नहीं है, बल्कि उस समय की परिस्थितियों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराना है।

फिर भी भाजपा की इस नई राजनीतिक भाषा को लेकर संदेह भी कम नहीं है। कई राजनीतिक विश्लेषकों और सिख बुद्धिजीवियों का मानना है कि पार्टी का यह बदलाव मुख्य रूप से चुनावी गणित से प्रेरित है। उनका कहना है कि केवल हिंदू मतों के सहारे पंजाब में सरकार बनाना संभव नहीं है, इसलिए भाजपा सिख मतदाताओं के बीच स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए अपने राजनीतिक संदेश को नया स्वरूप दे रही है।

बहरहाल, अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा की सामाजिक समीकरणों पर आधारित नई रणनीति और सिख समाज तक पहुंच बनाने की कोशिश पंजाब के मतदाताओं को प्रभावित कर पाएगी या फिर राज्य की पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति ही चुनाव परिणाम तय करेगी। अगले विधानसभा चुनाव इस सवाल का सबसे बड़ा जवाब साबित होंगे।

संपादकीय

छोटे परिवार, बड़े संकट

देश के बहुचर्चित ह्यहनीमून मर्डरह्ल केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने आधुनिक जीवनशैली से पारिवारिक विघटन पर जो गंभीर टिप्पणी की, मानो उसने भारतीय समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया। सोनम रघुवंशी मामले में मेघालय सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की बेंच ने गंभीर टिप्पणी की कि आज पति-पत्नी के रिश्तों में भरोसा कम हो रहा है। पहले संयुक्त परिवार रिश्तों को संभालते थे। संयुक्त परिवार इंसान को निराशा सहना और एडजस्ट करना सिखाते थे। लेकिन आज छोटे परिवारों की व्यवस्था के कारण पुरुषों व महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ रहा है। लोग छोटी-छोटी बातों में चिढ़ने लगते हैं। गैजेट्स की लत ने इस संकट को और बढ़ाया है। जस्टिस सुंदरेश ने तो यहां तक कहा कि आज बच्चा किसी बात पर जरा रो दे, माता-पिता उसे मोबाइल थमा देते हैं। निस्संदेह, भावनाओं का विकल्प कभी गैजेट्स नहीं हो सकते। धीरे-धीरे बच्चों को इस मोबाइल की लत लग जाती है। उनकी एकाग्रता भंग होने लगती है। भले ही अदालत के समक्ष एक संगीन अपराध का मामला था, लेकिन उसने उस गंभीर संकट के मर्म पर चोट की है, जिससे आए दिन परिवार बिखराव की दहलीज पर खड़े नजर आते हैं। विडंबना देखिए कि जिस भारतीय समाज में ह्यतलाकह्ल के लिये कोई शब्द ही नहीं था, वहां अदालतों में रिश्तों को तोड़ने वालों की भीड़ लगी है। यहां तक कि एक बार अदालत को कहना पड़ा कि पारिवारिक झगड़ों के कारण महत्वपूर्ण कानूनी मामलों पर दबाव बढ़ रहा है। एक समय था कि पश्चिमी जगत में भारतीय परिवार संस्था की सार्थकता व समृद्ध परंपराओं की दुहाई दी जाती थी। लेकिन आज उसी भारत ने पश्चिमी समाज का अंधानुकरण करके एकल परिवार को जीवन का लक्ष्य बना लिया है। जिसके चलते लाखों परिवार संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे हैं। जिससे पारिवारिक संस्था संकटों से जूझ रही है। हाल के दिनों में विवाह से ठीक पहले और विवाह के ठीक बाद के, कई वीभत्स हत्याकांड सामने आए हैं, जिन्होंने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

जल संकट का असंतुलित प्रबंधनः अस्तित्व पर मंडराता खतरा

ललित गर्ग

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है। इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है। भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े-बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया।

जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्त्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। भारत में कभी तालाब, बावड़ियां, जोहड़, कुंड और पारंपरिक जल संरचनाएं गांवों की पहचान होती थीं। वे वर्षा के जल को रोककर भूजल को समृद्ध बनाती थीं। आधुनिक विकास की दौड़ में इन जल स्त्रोतों को या तो नष्ट कर दिया गया या अतिक्रमण का शिकार बना दिया गया। यदि इन पारंपरिक जल प्रणालियों का पुनर्जीवन किया जाए तो जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। जल संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। घरों में पानी की अनावश्यक बबार्दी रोकना, वर्षाजल संचयन अपनाना, रिसाव ठीक कराना, कम पानी वाले उपकरणों का उपयोग करना और बच्चों में जल संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है।

27वें कारगिल विजय दिवसःहिमालय की चोटियों पर लिखा गया भारत की विजय का स्वर्णिम अध्याय

योगेश कुमार गोयल

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी...

देश आज कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को ह्यकारगिल विजय दिवसह्ल के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ह्यऑपरेशन विजयह्ल के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ह्यऑपरेशन विजयह्ल की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ह्यऑपरेशन विजयह्ल की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, ह्ये दिल मांगे मोरह्ल तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

'धर्मेंद्र प्रधान का तबादला नहीं, बर्खास्तगी चाहिए', राहुल गांधी ने मोदी सरकार को दिया अल्टीमेटम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली । दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है. शनिवार दोपहर 3:30 बजे कॉकरोच और सरकार के प्रतिनिधिमंडल मुलाक़ात करने वाले हैं. इस बीच 10 जनपथ से कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने छात्रों के आंदोलन को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि छात्रों की तीन मांगें हैं और ये मांगें किसी भी सूरत में नहीं टाली जा सकतीं. पहली मांग शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाने की है. दूसरी मांग है कि छात्रों पर लाठीचार्ज करने वालों को सजा मिले. तीसरी मांग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों से माफी मांगें.राहुल गांधी ने कहा कि यह मांगें उन्होंने खुद नहीं बनाई हैं, बल्कि देश भर के छात्र यह मांग कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि खबर मिल रही है कि सरकार धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्रालय से हटाकर किसी दूसरे मंत्रालय में भेजने पर विचार कर रही है. राहुल गांधी ने एक घायल छात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उसे गंभीर चोट लगी है. उन्होंने यह भी बताया कि एक दिन पहले वह एक ऐसे छात्र से मिले थे, जिसकी आंख में छर्रा लगा है और हो सकता है कि वह आगे कभी देख न पाए. उन्होंने कहा कि हजारों छात्रों को लाठियों से पीटा गया, कई के सिर फूटे और शरीर में छर्रे लगे. उनका कहना है कि जिन लोगों ने यह कार्रवाई की और जिन्होंने इसे आयोजित किया, उन सभी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और सजा दी जानी चाहिए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि मोदी वीडियो बनाकर सुझावों की बात कर रहे हैं, जबकि छात्रों की मांग सुझावों की नहीं बल्कि सीधे कार्रवाई की है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को यह मानना चाहिए कि छात्रों को पीटा गया, मारा गया और उनका अपमान किया गया, और इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए.

खाद्य विभाग का बड़ा एक्शनः बिना लाइसेंस चल रहे मिल्क प्लांट पर ताला, 4000 लीटर दूध मिला,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नीमच। जिले में मिलावटी और सिंथेटिक दूध की बिक्री रोकने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने विशेष जांच अभियान शुरू किया। इस तहत टीम ने मनासा, रामपुरा और नीमच तहसील क्षेत्र की चार बड़ी दूध डेयरियों और चिलिंग प्लांटों (बीएमसी) पर अचानक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान रामपुरा के दुधलाई में बिना लाइसेंस चल रहे एक मिल्क प्लांट पर काम बंद करा दिया गया है। टीम ने अलग-अलग स्थानों से दूध, मावा, पनीर और अन्य डेयरी उत्पादों के कुल 10 सैंपल लिए हैं, जिन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया।खाद्य सुरक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, रामपुरा तहसील के दुधलाई गांव स्थित श्री सांवरिया मिल्क प्लांट पर जांच के दौरान 5 हजार लीटर क्षमता वाले बीएमसी टैंक में करीब 4000 लीटर दूध मिला। जब टीम ने संचालक कमलेश कुमार जाट से खाद्य लाइसेंस मांगा, तो वे वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। बिना लाइसेंस कारोबार करने पर टीम ने प्लांट में दूध के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर तुरंत रोक लगा दी। साथ ही संचालक को धारा 32 के तहत नोटिस दिया गया है।मनासा तहसील के ग्राम राजपुरा स्थित नवीन दूध डेयरी पर 1000 लीटर दूध मिला। चलित प्रयोगशाला से शुरुआती जांच में मिलावट का संदेह होने पर दूध का सैंपल लिया गया। संचालक नवीनसिंह मेडिकल फिटनेस और ट्रेनिंग सर्टिफिकेट नहीं दिखा पाए, जिस पर उन्हें नोटिस दिया गया। वहीं गांव बरडिया बनड़ा स्थित श्री कृष्णा दूध डेयरी पर जांच के दौरान 1100 लीटर दूध के अलावा मावा, पनीर, दही, घी, लस्सी और छाछ का स्टॉक मिला। टीम ने यहां से सभी सात उत्पादों के सैंपल लिए। संचालक प्रहलाद धनगर को दस्तावेज नहीं होने पर नोटिस थमाया गया।

CJP अध्यक्ष अभिजीत दीपके की बिगड़ी तबीयत, हुआ टाइफाइड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन जारी है. पिछले 5 दिनों से जारी इस विरोध में युवाओं का सरकार के खिलाफ जमकर गुस्सा देखा जा रहा है. अभिजीत दीपके इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं. इसी बीच एक वीडियो जारी कर उन्होंने बताया कि उन्हें टाइफाइड हो गया है.कॉकरोज पार्टी का दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन जारी है. पिछले 5 दिनों से जारी इस विरोध में युवाओं का सरकार के खिलाफ जमकर गुस्सा देखा जा रहा है. सीजेपी अध्यक्ष अभिजीत दीपके इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं. इसी बीच एक वीडियो जारी कर उन्होंने बताया कि उन्हें टाइफाइड हो गया है.दीपके ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब थी, जिसके बाद कराई गई ब्लड जांच में टाइफाइड की पुष्टि हुई. फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है. दीपके ने अपने प्रशंसकों से चिंता न करने की अपील की है. वीडियो में उन्होंने देशभर में प्रदर्शन कर रहे युवाओं का आभार जताया.उन्होंने कहा कि जिस तरह से हम शांति पूर्वक आंदोलन कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि जिस तरह से हम शांति पूर्वक आंदोलन कर रहे हैं,

चोरी के बाद राम मंदिर का शुद्धिकरण पूरा, वैदिक मंत्रोच्चार और हवन के साथ हुआ अनुष्ठान संपन्न

राम मंदिर में भक्तों के चढ़ावे की चोरी के आरोपों के बाद 15 जुलाई से शुरू हुआ 10 दिन का प्रायश्चित अनुष्ठान शुक्रवार को पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

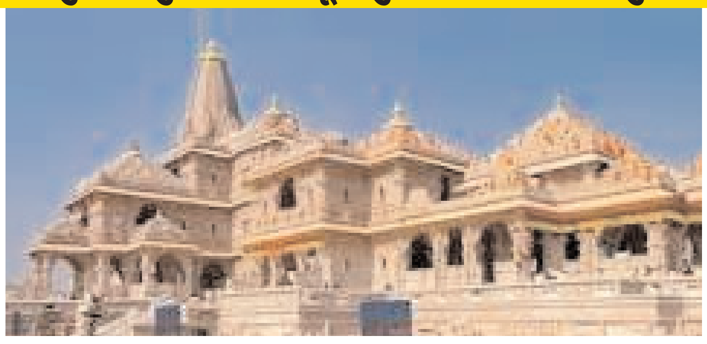

अयोध्या।अयोध्या के राम मंदिर में भक्तों के चढ़ावे की चोरी के आरोपों के बाद 15 जुलाई से शुरू हुआ 10 दिन का प्रायश्चित अनुष्ठान शुक्रवार को पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने यह आयोजन मंदिर की पवित्रता बहाल करने के लिए कराया. आखिरी दिन यज्ञशाला में हवन और विशेष पूजा हुई जिसमें ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास और कृष्ण मोहन ने यजमान के तौर पर भाग लिया.उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित राम मंदिर में भक्तों के चढ़ावे की चोरी के आरोपों के बाद शुरू हुआ 10 दिन का प्रायश्चित और शुद्धिकरण अनुष्ठान शुक्रवार शाम पूर्णाहुति के साथ पूरा हो गया. मंदिर के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने इसकी जानकारी दी. यह अनुष्ठान 15 जुलाई से शुरू हुआ था और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इसे आयोजित किया था. ट्रस्ट के पदाधिकारियों के मुताबिक, इसका मकसद मंदिर परिसर की पवित्रता को धार्मिक विधि विधान से वापस लाना और चढ़ावा चोरी की घटना के लिए क्षमा मांगना था.महंत दिनेंद्र दास ने शनिवार को बताया कि अनुष्ठान के आखिरी दिन मंदिर की यज्ञशाला में हवन और विशेष पूजा की गई. यह पूरा कार्यक्रम वैदिक विद्वानों की निगरानी में हुआ. इस मौके पर ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास और ट्रस्टी कृष्ण मोहन ने यजमान के तौर पर हिस्सा लिया और आहुतियां दीं. इस दौरान एक सामुदायिक भोज भी रखा गया जिसमें स्थानीय ब्राह्मणों को भोजन कराया गया.दास के अनुसार इस 10 दिन के अनुष्ठान में अयोध्या और अन्य जगहों से करीब 70 वैदिक आचार्यों ने हिस्सा लिया. इन आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार, हवन, रुद्राभिषेक और रामार्चा पूजा की. वहीं राम लला के मुख्य पुजारी ने पूरे समय विष्णु सहस्रनाम का पाठ किया.उन्होंने बताया कि यह अनुष्ठान ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि के निर्देश पर कराया गया. उन्होंने कहा कि चोरी या पूजा में किसी गड़बड़ी जैसी घटनाओं के बाद मंदिर की पवित्रता वापस लाने के लिए धार्मिक परंपरा के मुताबिक ही यह अनुष्ठान किया जाता है.यह पूरा आयोजन राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर चल रहे विवाद के बीच हुआ है. इस मामले में सरकार के आदेश पर एसआईटी जांच बैठाई गई थी और आपराधिक कार्रवाई भी शुरू हुई थी. इस मामले में कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और

रीवा में मूसलाधार बारिश के बाद ढहा आशियाना, घर का सारा सामान मलबे में दबा; मुआवजे की गुहार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। जिले की त्यौथर तहसील के अमाव गांव में लगातार दो दिनों की मूसलाधार बारिश के कारण राजभान तिवारी का मकान भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि परिवार के सदस्य समय रहते बाहर निकल आए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

रीवा में मूसलाधार बारिश के बाद ढहा आशियाना

मध्य प्रदेश के रीवा जिले में पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश अब लोगों के लिए आफत बनती जा रही है। बारिश के इस कहर ने त्यौंथर तहसील के अमाव गांव में एक परिवार का आशियाना उजाड़ दिया। लगातार हो रही भारी बारिश के चलते राजभान तिवारी का कच्चा-पक्का मकान अचानक भरभराकर ढह गया। गनीमत यह रही कि हादसे से ठीक पहले परिवार के सदस्य सूझबूझ दिखाते हुए घर से बाहर निकल आए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और किसी की जान नहीं गई।

हालांकि, इस दर्दनाक हादसे में मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और घर के अंदर रखा सारा घरेलू सामान, राशन और जरूरत की चीजें मलबे के नीचे दब गई हैं। मकान गिरने के बाद अब इस परिवार के सामने सबसे बड़ा संकट सिर छिपाने की जगह का बन गया है। लगातार हो रही बारिश के बीच बेघर हुए इस परिवार के पास अब रहने के लिए कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है, जिससे उन्हें खुले आसमान के नीचे या रिश्तेदारों के यहां शरण लेने को मजबूर होना पड़ रहा है।

प्रशासन से मुआवजे और तत्काल मदद की गुहार

घटना के बाद पीड़ित राजभान तिवारी और स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल नुकसान का सर्वे कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के कारण कई अन्य कच्चे मकानों को भी आंशिक नुकसान पहुंचा है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है।पीड़ित परिवार ने शासन-प्रशासन से नियमानुसार आर्थिक सहायता और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत त्वरित मकान दिलाने की मांग की है।

स्थानीय लोगों ने अपील की है कि बारिश के इस मौसम में प्रशासन सर्वे टीम भेजकर सभी प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत और तिरपाल आदि की व्यवस्था उपलब्ध कराए रीवा अंचल में लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर कमजोर मकानों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, पीड़ित परिवार टकटकी लगाए प्रशासन की ओर देख रहा है कि उन्हें कब तक उचित मुआवजा और राहत राशि मिल पाती है ताकि वे इस मुसीबत के दौर से उबर सकें।

नौकरी जॉइन कराने के बदले शारीरिक संबंध की मांग का आरोप, वैदिक पुत्री पाठशाला के प्रबंधक पर केस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। नौकरी जॉइन कराने के बदले शारीरिक संबंध की मांग का आरोप, वैदिक पुत्री पाठशाला के प्रबंधक पर केस के वैदिक पुत्री पाठशाला कन्या इंटर कॉलेज में नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान महिला वोकेशनल ट्रेनर ने कॉलेज प्रबंधक पर नौकरी जॉइन कराने के बदले शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालने और अश्लील बातचीत करने का आरोप लगाया है।उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में नई मंडी क्षेत्र स्थित वैदिक पुत्री पाठशाला कन्या इंटर कॉलेज में नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान एक महिला वोकेशनल ट्रेनर ने कॉलेज के प्रबंधक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि नौकरी जॉइन कराने के बदले उनसे शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला गया और अशोभनीय बातचीत की गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कॉलेज के 75 वर्षीय प्रबंधक अरविंद गर्ग को गिरफ्तार किया, हालांकि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें थाने से ही जमानत पर रिहा कर दिया गया। मामले में कॉलेज की प्रधानाचार्य को भी नामजद किया गया है।

संविदा पर हुआ था चयन

पीड़िता के अनुसार उनका हाल ही में संविदा के आधार पर वोकेशनल ट्रेनर के पद पर चयन हुआ था। जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) कार्यालय से उन्हें नियुक्ति पत्र भी जारी हो चुका था। 21 जुलाई को वह सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ कॉलेज पहुंचीं, लेकिन कार्यालय कर्मी ने प्रधानाचार्य के अनुपस्थित होने की बात कहकर उन्हें अगले दिन आने को कहा।

जॉइनिंग के बदले आपत्तिजनक प्रस्ताव का आरोपमहिला का आरोप है कि अगले दिन कॉलेज पहुंचने पर उनकी मुलाकात प्रबंधक अरविंद गर्ग से हुई। उन्होंने दस्तावेजों में कमियां बताते हुए नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कराने के बदले शारीरिक संबंध बनाने की शर्त रखी। महिला ने इसका विरोध किया और घर लौटकर पूरी घटना अपने पति को बताई।

मोबाइल में रिकॉर्ड की बातचीत

महिला का कहना है कि पति की सलाह पर वह अगले दिन फिर कॉलेज पहुंचीं। इस बार उन्होंने मोबाइल फोन पर बातचीत रिकॉर्ड करने की तैयारी कर रखी थी। आरोप है कि प्रबंधक ने दोबारा अशोभनीय और आपत्तिजनक बातें करते हुए वही प्रस्ताव दोहराया। इसके बाद महिला सीधे नई मंडी कोतवाली पहुंचीं और लिखित शिकायत दर्ज कराई। मानसिक रूप से आहत हुईं।

नोएडा में तेज रफ्तार का कहर, skoda कार ने मारी जोरदार टक्कर, चपेट में आए राहगीर की मौके पर गई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

.**नोएडा** के सेक्टर 113 स्थित पर्थला चौक पर तेज रफ्तार स्कोडा कार सवाल युवकों ने राहगीर को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद युवक भाग निकले। देश की राजधानी दिल?ली से सटे नोएडा में फिर एक बार तेज रफ्तार लग्जरी कार ने सड़कों पर तबाही मचाई। सेक्टर-113 के व्यस्त पर्थला चौक पर हुई इस भयंकर सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार में मौजूद चारों युवक वाहन छोड़कर मौके से भाग गए।प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक, चारों युवक शराब के नशे में थे। घटना मध्यरात्रि करीब डेढ़ बजे के आसपास की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज रफ्तार स्कोडा कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और सड़क पार कर रहे एक राहगीर को भयंकर ढंग से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह व्यक्ति मौके पर ही घायल अवस्था में जान गंवा बैठा।

कार छोड़कर भाग निकले युवक

घटना के बाद आस-पास हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। हादसे के तुरंत बाद कार में मौजूद युवक वहां वाहन छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोग आरोप लगा रहे हैं कि चालक समेत सभी युवक मदिरा के नशे में थे। सूचना मिलने पर थाना सेक्टर-113 की पुलिस जल्द ही घटना स्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में ले लिया।

सीसीटीवी फुटेज से पुलिस कर रही तलाश

पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही हादसे में शामिल लग्जरी स्कोडा कार जब्त कर ली गई है। फरार चालक व अन्य आरोपियों की पहचान के लिए आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा और उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क सुरक्षा पर खड़े हुए सव

पिछले कुछ महीनों में जनपद गौतमबुद्ध नगर में तेज रफ्तार, जानलेवा स्टंटबाजी और नशे में वाहन चलाने की घटनाएं लगातार बढ़ती दिख रही हैं। कई गंभीर हादसों के बावजूद इन पर पूरी तरह रोक नहीं लग पा रही है। इस ताजा घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 24/25 जुलाई की रात्रि में थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के अंतर्गत आदित्य कुमार निवासी हिंडन बिहार, बरौला सेक्टर-49 नोएडा अपनी मोटर साइकिल से डूब क्षेत्र सेक्टर-123 जा रहे थे। इसी दौरान एक गाड़ी से दुर्घटना हो गई। तत्काल स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंच कर घायल व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों द्वारा उसको मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना वाले वाहन को कब्जे में लेते हुये वाहन चालक को हिरासत में लिया गया है। मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रात के 3 बजे... यात्री सो रहे थे, बस में भरने लगा धुआं! कुछ मिनट में डबल डेकर बस आग का गोला बन गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हापुड़। जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर हुई, जहां दिल्ली से सिद्धार्थनगर जा रही एक एसी स्लीपर डबल डेकर बस में देर रात भीषण आग लग गई. गनीमत रही कि बस में सवार सभी 15 यात्री समय रहते बाहर निकल आए. घटना बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र में तड़के करीब 3 बजे की है. बस गंगा एक्सप्रेसवे पर बढ़ रही थी. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, चलते-चलते बस के एसी सिस्टम में शॉर्ट सर्किट हुआ. इसके बाद धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया. यात्री तुरंत बस से बाहर निकलने लगे. कुछ ही मिनटों में सभी यात्री सुरक्षित बाहर आ गए. अगर थोड़ी भी देर होती, तो यह हादसा कहीं ज्यादा भयावह साबित हो सकता था.

पुलिस और फायर ब्रिगेड ने संभाला मोर्चा सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई. काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक डबल डेकर बस लगभग पूरी तरह जल चुकी थी. पुलिस ने बस चालक शिव कुमार निवासी बस्ती और यात्रियों के बयान दर्ज किए हैं. फिलहाल मामले की जांच की जा रही है.अभी शुरुआती वजह एसी में शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है. लेकिन पुलिस का कहना है कि तकनीकी जांच के बाद ही आग लगने की असली वजह स्पष्ट होगी. यानी फिलहाल शॉर्ट सर्किट की आशंका है, अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही सामने आएगा. पिछले कुछ समय में चलती बसों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं.

लखनऊ में भी प्रोटेस्ट... शिक्षक अभ्यर्थियों ने मायावती का आवास घेरा... बोले-सरकार सुन नहीं रही, न्याय दिलाओ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। आज फिर अभ्यर्थियों और प्रदर्शनकारियों के नारों से गूंज रही है. वजह है भर्ती परीक्षाओं में देरी, पेपर लीक के आरोप और लंबे समय से लंबित मांगें. आज शनिवार को राजधानी में दो बड़े प्रदर्शन हो रहे हैं. एक तरफ मायावती के आवास घेराव किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ चंद्रशेखर आजाद की पार्टी प्रदर्शन कर रही है.लखनऊ में आज दो बड़े प्रदर्शन हो रहे हैं. एक प्रदर्शन 69 हजार शिक्षक भर्ती से जुड़े अभ्यर्थियों का है, जो बसपा प्रमुख मायावती के आवास का घेराव कर रहे हैं. उनका कहना है कि वे सरकार के दरवाजे पर जाकर थक चुके हैं. अब मेरी गुहार मायावती से है कि वे पिछड़े-दलितों को न्याय दिलाएं. वहीं दूसरी ओर नीट पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर आजाद समाज पार्टी भी प्रदर्शन कर रही है.लखनऊ की सड़कों पर दो अलग-अलग मुद्दे हैं, लेकिन दोनों का केंद्र एक ही है- रोजगार, भर्ती और युवाओं का भविष्य... यूपी की 69 हजार शिक्षक भर्ती पिछले कई सालों से विवादों और कानूनी लड़ाई के बीच फंसी हुई है. इस भर्ती से जुड़े अभ्यर्थी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं. अब अभ्यर्थी बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के आवास का घेराव कर रहे हैं. अभ्यर्थियों का कहना है कि वे सरकार से लगातार गुहार लगाकर थक चुके हैं, उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है. इसीलिए अब मायावती के घर के बाहर आए हैं, उनके गुहार है कि वे दलितों-पिछड़ों को न्याय दिलाएं. इस प्रदर्शन के दौरान कई महिला-पुरुष अभ्यर्थी शामिल थे. कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस टांगकर मायावती के आवास के बाहर से ले गई.

प्रदर्शन को लेकर मायावती ने क्या कहा?

वहीं इस मामले को लेकर Bsp चीफ मायावती ने NEET-UG सहित विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक और उससे जुड़े घटनाक्रम पर चिंता जताई. उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं और युवाओं के आंदोलन को लोगों की व्यापक सहानुभूति मिल रही है. मायावती ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीति तेज हो गई है. लेकिन पेपर लीक रोकने के लिए प्रभावी और ठोस उपाय पर्याप्त नहीं

मरीज का पेट साफ करने के लिए मंगाया ?20 वाला पैक्ड वॉटर; डॉक्टर को नोटिस जारी... MP के अस्पताल में गजब कारनामा

डिंडोरी। 18 साल के युवक के इलाज के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई. पेट की सफाई के लिए मरीज के परिजनों से बाजार से 'पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर' मंगवाया गया और फिर उसका इस्तेमाल किया गया. वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है.डिंडोरी जिले के सरकारी अस्पताल में एक डॉक्टर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है. उन पर आरोप है कि उन्होंने चूहे मारने की जहर खाने वाले एक युवक के इलाज के दौरान 'स्टमक पंपिंग' यानी पेट साफ करने की प्रक्रिया के लिए पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर का इस्तेमाल किया.गैस्ट्रिक लैवेज, जिसे आम तौर पर 'स्टमक पंपिंग' कहा जाता है, इमरजेंसी के समय किया जाता है. इसमें गले के जरिए पेट में एक ट्यूब डाली जाती है और स्टराइल वॉटर या सलाइन से पेट को साफ किया जाता है.चीफ मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि डॉक्टर को शो-कॉज़ नोटिस जारी किया गया है, लेकिन उन्होंने उन रिपोर्टों का खंडन किया जिनमें कहा गया था कि मरीज को पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर नसों के जरिए (इंट्रावेनस) दिया गया था. डॉ. पांडे ने बताया कि जूनियर डॉक्टर ने मरीज के परिवार से पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर की एक बोतल लाने को कहा. हालांकि अस्पताल में गैस्ट्रिक लैवेज के लिए इस्तेमाल होने वाले पानी की अपनी सुविधा है, और फिर 'राइल ट्यूब' के जरिए उसे मरीज को दिया. मरीज सत्यम यादव (18) को बुधवार दोपहर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था. आरोप है कि उसने चूहे मारने की जहर खा ली थी.सूत्रों के मुताबिक, डॉक्टर ने एक नर्स से प्रक्रिया के दौरान पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर की बोतल इस्तेमाल करने को कहा था. जब नर्स ने आपत्ति जताई, तो उन्होंने खुद ही यह प्रक्रिया पूरी की.सूत्रों के मुताबिक, डॉक्टर ने एक नर्स से प्रक्रिया के दौरान पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर की बोतल इस्तेमाल करने को कहा था. जब नर्स ने आपत्ति जताई, तो उन्होंने खुद ही यह प्रक्रिया पूरी की

युवा शक्ति सत्ता का सिंहासन हिला रही हैः धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश की राजनीति में ऐतिहासिक भूकंप है!

'शेर के बच्चों' की नई पीढ़ी ने वो हिम्मत और बहादुरी दिखाई जो खुद को जुझारू बताने वाला विपक्ष नहीं दिखा सका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू हुई विरोध की चिंगारी पूरे देश में ऐसे संघर्ष का रूप ले लेगी, शायद सत्ता के नशे में चूर हुक्मरानों ने भी नहीं सोचा होगा। देश के एजुकेशन सिस्टम में फैली अव्यवस्था, गड़बड़ियों और युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खेल के खिलाफ जनता के गुस्से के आगे आखिरकार केंद्र सरकार को घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा है। जैसे ही एजुकेशन मिनिस्टर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर जंगल में आग की तरह फैली, पूरे देश के पॉलिटिकल गलियारों में सन्नाटा छा गया है। यह सिर्फ एक मिनिस्टर का इस्तीफा नहीं है, बल्कि भारत के इतिहास में आज़ाद युवा शक्ति द्वारा लिखा गया एक नया सुनहरा चैप्टर है। बेबस और लाचार विपक्षी नेताओं के खिलाफ युवाओं की हुंकारपिछले कुछ सालों से देश में विपक्ष सिर्फ प्रेस कॉन्फ्रेंस, ट्वीट और बयानबाजी तक ही सीमित था। देश की किसी भी विपक्षी पार्टी या नेता में इतनी ताकत या हिम्मत नहीं थी कि वह सड़कों पर उतरकर अधिकारियों की नीतियों के खिलाफ मजबूती से लड़ सके।

विपक्ष गायब, छात्र पूरी तरह सेः जब विपक्षी नेता,ष्ट कमरों में बैठकर रोटियां सेंक रहे थे, तब इस देश के गर्वित, निडर और जागरूक युवाओं ने देश की कमान अपने हाथों में ले ली।सिस्टम के खिलाफ सीधी लड़ाईः इस नई पीढ़ी ने बिना किसी राजनीतिक पार्टी के झंडे के सत्ताधारी पार्टी के घमंड और मनमाने फैसलों के खिलाफ सीधी लड़ाई लड़ी और साबित कर दिया कि लोकतंत्र में असली ताकत जनता और युवाओं में है।

दिल्ली से मुंबई और कोलकाता तकः पूरे देश में गुस्सा फैला

दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू हुआ आंदोलन सिर्फ एक विरोध प्रदर्शन नहीं रहा। कल जब मुंबई, पुणे, कोलकाता और लखनऊ जैसे बड़े शहरों में हजारों छात्र और युवा सड़कों पर उतरे, तो सरकार की नींव हिल गई। पुलिस लाठीचार्ज, वाटर कैनन या सरकारी दबाव से बिना किसी डर के युवाओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध किया।युवाओं की बस एक ही ज़ोरदार मांग थी - 'एजुकेशन सिस्टम को बर्बाद करने वाले एजुकेशन मिनिस्टर का इस्तीफा दो।' 'देश भर में फैली इस अटूट एकता को देखकर केंद्र सरकार समझ गई कि अगर यह आंदोलन और लंबा खिंचा तो पूरे देश में सत्ता संभालना मुश्किल हो जाएगा।नई पीढ़ी की यह जीत भविष्य के लिए क्रांति का संदेश है।धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इस बात का सबूत है कि जब देश की नई पीढ़ी अपने हक और सच के लिए एकजुट होती है, तो क्रूर या ताकतवर सत्ता को भी झुकना पड़ता है।इस बहादुरी ने साबित कर दिया है कि देश का भविष्य किसी मतलबी नेताओं के भरोसे नहीं है, बल्कि देश के इन 'शेर बच्चों' के हाथों में पूरी तरह सुरक्षित है।आज इन युवाओं ने पूरे देश को दिखा दिया है कि अन्याय के खिलाफ चुप रहने के बजाय लड़ना ही सच्ची देशभक्ति है। 'पाको गुजरात न्यूज़' देश के हर बहादुर युवा और छात्र की बहादुरी को सलाम करता है जिन्होंने यह ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी और सत्ता को घुटनों पर ला

CJP प्रोटेस्ट को मुंबई में बड़ा समर्थन, राज ठाकरे ने तिरंगा मार्च से पहले किया बड़ा ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई । दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में हुए लाठीचार्ज और पुलिस से झड़प के बाद छात्रों का आंदोलन देशव्यापी हो गया है। जंतर-मंतर पर तद्दठ्ठ' का जमावड़ा है तो वहीं दूसरी आर्थिक राजधानी मुंबई में दादर-शिवाजी पार्क का एरिया जंतर मंतर-2 बन गया है। शुक्रवार को तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में युवा यहां पहुंचे। सीजेपी प्रोटेस्ट के समर्थन में जुटे युवाओं के हाथों में स्लोगन और पोस्टर थे। जो पीएम मोदी पर केंद्रित थे। इनमें एक पोस्टर ने सभी का ध्यान खींचा इसमें लिखा था कि हमें न्यायवाला चाहिए, चाय वाला नहीं, लेकिन राज ठाकरे ने तिरंगा मार्च से 26 जुलाई को शिवसेना और मनसे की ओर से आयोजित संयुक्त मार्च गैर-राजनीतिक होगा। इसमें किसी भी पार्टी का झंडा नहीं होगा और नारे सिर्फ़ सरकार की कार्रवाई की निंदा करने और छात्रों के समर्थन में ही लगाए जाएंगे।प्रोटेस्ट में पहुंचे उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने अभिजीत दिपके से फोन पर चर्चा की। इस मौके पर राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे भी मौजूद रहे। दिल्ली के बाद मुंबई में सीजेपी के समर्थन में हुए प्रदर्शन ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। ऐसे में जब रविवार यानी 26 जुलाई को दोनों ठाकरे ब्रदर्स (राज ठाकरे-उद्धव ठाकरे) ने एक साथ मैदान में उतरने का ऐलान किया है तब मुंबई पुलिस ने वीआईपी की सुरक्षा बढ़ा दी है।यह एक तिरंगा मार्च है। यह पूरी तरह से गैर-राजनीतिक है। इसमें किसी पार्टी का झंडा नहीं होगा और न ही किसी पार्टी के नेताओं के समर्थन में नारे लगेंगे।` जंतर-मंतर जैसा ही नजारा देखने को मिला। आंदोलन में शामिल छात्र सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे थे। इस बड़े आंदोलन में शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे, सांसद संजय राऊत और शर्मिला ठाकरे के साथ महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी भी छात्रों का हौसला बढ़ाने पहुंचे। अमित ठाकरे ने कहा कि युवाओं की ताकत से यह सरकार बैकफुट पर आ गई है। सीनियर 'ठाकरे ब्रदर्स' के साथ आई कांग्रेसकॉकरोच जनता पार्टी के छात्र आंदोलन के समर्थन में ठाकरे ब्रदर्स (उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे) कल यानी रविवार, 26 जुलाई 2026 को सुबह 10:00 बजे से मुंबई की सड़कों पर उतरेंगे। दोनों नेताओं ने ह्वश्वश्वञ्ज पेपर लीक विवाद और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए

सुरक्षा के नाम पर जनता की आफत, 18 मेट्रो स्टेशन बंद होने से छोटी कमाई वाले कर्मचारियों और दुकानदारों की बढ़ी टेंशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (ष्टपत्रिकाराजस्थान पत्रिका) का प्रदर्शन जारी है। प्रोस्टेट में भारी संख्या में छात्र और नौजवान पहुंच रहे हैं। ऐसे माहौल में सुरक्षा एजेंसियों के निर्देश पर आज लगातार चौथे दिन दर्जनभर से ज्यादा मेट्रो स्टेशन बंद कर रखे हैं। मेट्रो सर्विस बाधित होने का असर दिल्ली के रिटेल और होलसेल बाजारों पर दिखाई दे रहा है। ग्राहकों ने तो बाजारों में जाना लगभग बंद कर दिया है।वहीं व्यापारी-कर्मचारी भी शॉप और गोदाम नहीं पहुंच पा रहे हैं। कनॉट प्लेस और सदर बाजार आने-जाने वालों को बड़ी तकलीफ हो रही है। दिल्ली मेट्रो के अनुसार, रोजाना सुबह 7:30 बजे से अगले आदेश तक मेट्रो स्टेशन पर एंट्री और एग्जिट बंद है। आज भी दिल्ली में 18 मेट्रो स्टेशन पर एंट्री-एग्जिट बंद है। राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट पर इंटरचेंज की सुविधा उपलब्ध रहेगीसाथ ही नई दिल्ली से यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 तक जाने वाली एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन का परिचालन भी प्रभावित है। यहां भी सिर्फ धौलाकुआं से यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 तक ही सर्विस जारी है। नई दिल्ली और शिवाजी स्टेडियम पर यात्रियों को एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की सुविधा नहीं मिलेगी। मेट्रो परिचालन नियंत्रित होने से सवारिया असुविधाएं झेल रही हैंह्वश्वश्वञ्ज परीक्षा लीक और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर यूथ जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे हैं। रोजाना हजारों की संख्या में समर्थक दिल्ली पहुंचैं।

मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने बिना नाम लिए अमित शाह पर बोला हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई ।नीट पेपर लीक के खिलाफ दिल्ली से मुंबई तक शुरू युवाओं के आंदोलन के जरिए विपक्षी पार्टियां सरकार को निशाना बना रही हैं। महाराष्ट्र निर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने दिल्ली में स्टूडेंट्स पर लाठीचार्ज के लिए अप्रत्यक्ष तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जवाबदेही लेने को कहा है। सोशल मीडिया के जरिए सवालःराज ठाकरे ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यदि विद्यार्थियों को पीटने वाले शिक्षक दंडित हो सकते हैं तो प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर लाठी चलाने वाले पुलिसकर्मियों और इसका आदेश देने वालों की जवाबदेही क्यों नहीं तय होती ? मुंबई में भी बड़े पैमाने पर युवा प्रदर्शन कर रहे हैं, इसमें राज ठाकरे से लेकर अमित और आदित्य ठाकरे भाग ले रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और दुनिया के देशों का हवालाःराज ठाकरे ने अपने पोस्ट में कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर जिन्हें एमनेस्टी इंटरनेशनल भी मान्यता देता है, स्पष्ट कहते हैं कि जब भी बल प्रयोग किया जाए वह संविधान और कानून के दायरे में आवश्यक तथा परिस्थितियों के अनुपात में होना चाहिए। साथ ही उसके लिए जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। नॉर्वे, जर्मनी, स्वीडन, फिनलैंड, डेनमार्क और न्यूजीलैंड जैसे देशों में पुलिस द्वारा बल प्रयोग की हर घटना की गंभीर जांच होती है। जांच केवल बल प्रयोग करने वाले पुलिसकर्मियों की नहीं, बल्कि आदेश देने वाले अधिकारियों की भूमिका की भी होती है। भारत में भी ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए।- किसके आदेश पर हुई लाठीचार्ज :राज ठाकरे ने कहा कि दिल्ली में पुलिस ने छात्रों पर अंधाधुंध लाठीचार्ज किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कुछ परिस्थितियों में सीमित बल प्रयोग को समझा जा सकता है, लेकिन यहां जिस तरह की हिंसा दिखाई दे रही है, वह प्रतिशोध जैसी प्रतीत हुई। सामने आए वीडियो में केवल प्रदर्शनकारी छात्र ही नहीं, बल्कि वहां मौजूद आम लोग भी बेरहमी से पीटे जाते और रौंदे जाते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ऐसी कार्रवाई बिना ऊपर से मिले स्पष्ट आदेश के नहीं कर सकती।क्या आदेश देने वाले संविधान से ऊपरःऐसे में सवाल उठता है कि उन्हें पीटने का औचित्य क्या था? और पुलिस को ऐसा करने का अधिकार किसने दिया? जिस तरह शिक्षकों को छात्रों को पीटने की अनुमति नहीं है, उसी तरह पुलिस को भी नहीं होनी चाहिए। फिर ऐसा क्यों हुआ ? चाहे महाराष्ट्र पुलिस हो या देश की कोई अन्य पुलिस, कई बार पुलिसकर्मियों के पास आदेशों का पालन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता। इसलिए पूरी जिम्मेदारी केवल उन पर नहीं डाली जा सकती। असली सवाल यह है कि इतनी बेरहमी से छात्रों को पीटने के आदेश देने का अधिकार किसने दिया?

पेपर लीक का मास्टरमाइंड बिजेंद्र गुप्ता बिहार से गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई । दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और छात्रों के देशव्यापी गुस्से के बीच पेपर लीक के मास्टरमाइंड को महाराष्ट्र पुलिस ने बिहार से अरेस्ट किया है। महाराष्ट्र पुलिस ने ञ्जश्वञ्ज पेपर लीक के कथित मास्टरमाइंड बिजेंद्र गुप्ता को पकड़ लिया है। बिजेंद्र गुप्ता महीनों तक फरार रहने के बाद महाराष् पुलिस के हाथ आया है। पीएम मोदी के कड़ी कार्रवाई के बीच इसे महाराष्ट्र पुलिस के लिए बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। ञ्जश्वञ्ज पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी बिजेंद्र गुप्ता को शनिवार सुबह ठाणे पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार कर लिया।

पत्नी को पुलिस पहले कर चुकी अरेस्ट

पुलिस के अनुसार गुप्ता महाराष्ट्र TET पेपर लीक मामले में वांछित था। इस मामले में स्ढ्ढञ्ज ने पहले उसकी पत्नी सुमन गुप्ता को गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप था कि वह रैकेट से हुई कमाई का प्रबंधन करती थी और गिरफ्तारी से बचने में उसकी मदद करती थी। पुलिस ने गुप्ता के खिलाफ लुक-आउट सर्कुलर भी जारी किया था, जो उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में परीक्षा पेपर लीक मामलों में भी आरोपी है। वह ओडिशा मामले में जमानत पर बाहर था। इस सप्ताह की शुरुआत में, महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 पेपर लीक की जांच कर रही विशेष जांच टीम ने दावा किया कि कथित मास्टरमाइंड गुप्ता ने आगरा स्थित एक प्रिंटिंग प्रेस के दो कर्मचारियों को जमीन का एक-एक प्लॉट देने का वादा करके परीक्षा के पेपर लीक करने के लिए राजी किया था।

कैसे लीक हुआ था पेपर?

जांचकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि गुप्ता ने उन दोनों लोगों को प्रश्न पत्रों की प्रतियां बाहर निकालने से पहले 'शराब पार्टी' के लिए 8,000-8,000 रुपये दिए थे। पुलिस के अनुसार, बाबूलाल कुशवाहा और नरेश कुमार ने प्रिंटिंग प्रेस में सुरक्षा खामियों का फायदा उठाकर TET प्रश्न पत्रों के सभी चार सेट चुरा लिए, इससे पहले कि उन्हें महाराष्ट्र भेजा जाता। इसके बाद कथित तौर पर पेपर गुप्ता को उसके नेटवर्क के माध्यम से सौंप दिए गए।

28 जून को हुआ था पेपर लीक

जांच में यह भी पता चला है कि गुप्ता ने गिरफ्तार आरोपी कपिल दहिया के माध्यम से लीक हुए पेपर पुणे के एक व्यक्ति को बेचने का सौदा किया था। वह अभी भी फरार है। पुलिस ने कहा कि संदिग्ध लगभग 50 शिक्षक उम्मीदवारों के संपर्क में था

AC कोच में यात्रियों को बनाता था निशाना, 39 मामलों का आरोपी चोर 26.31 लाख के जेवर के साथ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवी मुंबई । नवी मुंबई के पनवेल रेलवे स्टेशन पर CCTV निगरानी के दौरान रेलवे पुलिस ने एक ऐसे शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जिसके खिलाफ पहले से 39 मामले दर्ज हैं. आरोपी,ष्ट कोच में सफर करने वाले यात्रियों के बैग चुराकर फरार हो जाता था. उसके पास से 26.31 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर बरामद हुए हैं.रेलवे पुलिस ने ट्रेनों में लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है. आरोपी के पास से 26.31 लाख रुपये कीमत के सोने और चांदी के जेवर बरामद किए गए हैं. पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ,ष्ट कोच में सफर करने वाले यात्रियों को निशाना बनाकर उनके बैग चोरी करता था.गिरफ्तार आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी 41 वर्षीय रघु सुमन खोसला के रूप में हुई है. उसे नवी मुंबई के पनवेल रेलवे स्टेशन पर नियमित ष्टष्टञ्जङ्क निगरानी और एंटी-सबोटाज चेकिंग के दौरान हिरासत में लिया गया.

रेलवे पुलिस के मुताबिक, 17 जुलाई को आरोपी मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस के,ष्ट कोच से उतरने के बाद संदिग्ध तरीके से घूमता हुआ दिखाई दिया. उसकी गतिविधियों पर शक होने के बाद पुलिस ने उसे रोककर बैग की तलाशी ली, जिसमें बड़ी मात्रा में सोने और चांदी के आभूषण मिले.

बैग की तलाशी में खुला राज, जवाब नहीं दे पाया आरोपी

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब आरोपी से बरामद जेवरों के बारे में पूछताछ की गई तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका. इसके बाद उसे तत्काल हिरासत में लेकर विस्तृत पूछताछ शुरू की गई.जांच के दौरान सामने आया कि बरामद जेवर 17 जुलाई को नेत्रावती एक्सप्रेस में हुई चोरी से जुड़े हैं. इस घटना में केरल जा रही एक महिला यात्री का हैंडबैग चोरी हो गया था, जिसमें सोने-चांदी के जेवरों के अलावा एक iPhone भी रखा हुआ था. चोरी की यह वारदात कर्नाटक के कारवार स्टेशन के पास हुई थी. इस मामले में गोवा के मडगांव स्थित कोंकण रेलवे पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था. पुलिस अब बरामद सामान को उसी मामले से जोड़कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है.

39 मामलों का हिस्ट्रीशीटर निकला आरोपी

रेलवे पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि रघु सुमन खोसला कोई सामान्य चोर नहीं, बल्कि एक आदतन अपराधी है. उसके खिलाफ मुंबई रेलवे नेटवर्क के अलावा देश के विभिन्न राज्यों में चोरी और अन्य अपराधों के कुल 39 मामले दर्ज हैं.पुलिस के अनुसार, आरोपी खास तौर पर एक्सप्रेस ट्रेनों के AC कोच में यात्रा करता था और मौका मिलते ही यात्रियों के बैग लेकर फरार हो जाता था. लंबे समय से उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी.CCTV फुटेज और लगातार निगरानी की मदद से आखिरकार रेलवे पुलिस उसे पकड़ने में सफल रही.

अबू सलेम की जुर्माना भरने पर ही होगी रिहाई, नहीं तो 18 साल और जेल में रहना होगा, CBI ने टाडा कोर्ट का बताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

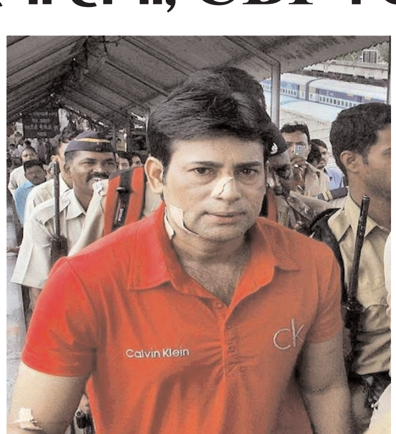

मुंबई। मुंबई धमाकों के दोषी अबू सलेम को अगर जेल से रिहाई चाहिए तो उसे 16.51 लाख रुपये का जुर्माना भरना होगा। अगर पूर्व डॉन ऐसा नहीं करता है तो उसे अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी। सीबीआई ने शुक्रवार को टेररिस्ट एंड डिसरप्टिव एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) यानी TAD कोर्ट को यह जानकारी दी। यह जुर्माना सलेम पर 1993 के मुंबई सीरियल धमाकों के मामले और शहर के बिल्डर प्रदीप जैन की हत्या के सिलसिले में लगाया गया था। इस महीने की शुरुआत में जेल अधिकारियों ने कोर्ट को बताया था कि सलेम को जुर्माना भरना है और अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उसे 18 साल और छह महीने की अतिरिक्त जेल की सज़ा काटनी होगी। सीबीआई की ओर से पेश हुए स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर दीपक साल्वी ने कोर्ट को बताया कि अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई 25 साल की सज़ा पूरी होने से पहले जुर्माना जमा करना होगा। यह जुर्माना 1993 के सीरियल धमाकों के मामले और शहर के एक बिल्डर की हत्या के सिलसिले में लगाया गया था। सीबीआई के अनुसार यह रकम 12 अक्टूबर 2030 को या उससे पहले जमा की जानी चाहिए। साल्वी ने सलेम को कोर्ट रजिस्ट्री में जुर्माना जमा करने का निर्देश देने की भी मांग की। सलेम ने पिछले महीने स्पेशल कोर्ट में अर्जी देकर अपनी सजा के आदेशों के तहत देय रकम के बारे में स्पष्टता मांगी थी और जेल अधिकारियों व प्रॉसिक्यूशन को निर्देश देने का अनुरोध किया था। दाऊद इब्राहिम के गैंग का पूर्व सदस्य अबू सलेम 1993 के धमाकों और 1995 में जैन की हत्या के सिलसिले में नवंबर 2005 में पुर्तगाल से भारत लाया गया था। सितंबर 2017 में, उसे सीरियल धमाकों में भूमिका के लिए टाडा एक्ट के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। अबू सलेम का नाम बॉलीवुड अभिनेत्री मोनिका बेदी से भी जुड़ा रहा चुका है। दोनों के बीच प्यार की शुरुआत 1998 में हुई थी। दोनों दुबई में एक स्टेज शो के दौरान हुई थी। सलेम ने शुरुआत में पहचान छिपाकर मोनिका से फोन पर बातचीत शुरू की थी और उसे एक बिजनेसमैन बताया था। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। पुर्तगाल में गिरफ्तारी कानून से बचने के लिए दोनों ने फर्जी दस्तावेजों और नामों (सलेम ने आर्सलन अली और मोनिका ने फौजिया उस्मान नाम का इस्तेमाल किया। सितंबर 2002 में पुर्तगाल के लिस्बन शहर में फर्जी पासपोर्ट मामले के कारण दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा...

PM मोदी को भेजी चिट्ठी, जंतर-मंतर पर 'कॉकरोचों' के संग्राम के बाद बड़ा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। NEET-UG विवाद और देशभर में जारी छात्र आंदोलन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा भेज दिया है. सोशल मीडिया पर साझा पत्र में उन्होंने कहा कि छात्रों का भविष्य किसी भी विवाद से ऊपर है. उन्होंने परीक्षा सुधार, CBI जांच और CBT व्यवस्था का जिक्र करते हुए पद छोड़ने की वजह बताई.शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है. NEET-UG परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर देशभर में जारी विवाद और जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच उन्होंने यह फैसला लिया. धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर एक इसका ऐलान किया और इस्तीफा देने की वजह भी बताई.अपने चिट्ठी में उन्होंने लिखा कि पिछले चार दशक से अधिक समय से वह छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहे हैं. उनका हमेशा से मानना रहा है कि मजबूत, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही किसी भी राष्ट्र के विकास की आधारशिला होती है.धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, '3 मई 2026 को आयोजित ह्वश्वश्वञ्ज-त्न परीक्षा में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आते ही सरकार ने तुरंत कार्रवाई की. मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई, परीक्षा रद्द कर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया और अगले साल से ह्वश्वश्वञ्ज को पूरी तरह कंप्यूटर आधारित (CBT) मोड में आयोजित करने की घोषणा की गई धर्मेंद्र प्रधान ने लिखा कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा निष्पक्ष और सुचारु रूप से कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता थी. इसके लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, छात्रों और अभिभावकों के सहयोग से 21 जून 2026 को दोबारा परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई. 16 जुलाई को घोषित परिणामों में गरीब और वंचित परिवारों के कई प्रतिभाशाली छात्रों को सफलता मिली, लेकिन कुछ जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों ने छात्रों को गुमराह करने की कोशिश की, जिससे उन्हें गहरा दुख पहुंचा.अपने इस्तीफे पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले 10 दिनों की घटनाओं ने उन्हें बेहद व्यथित किया है. उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उनके व्यक्तिगत सम्मान का विषय नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य का सवाल है. उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि छात्रों का भविष्य कानूनी विवादों और राजनीतिक टकराव में उलझे या उनका ध्यान पढ़ाई से भटके. इसी भावना के साथ उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया.

लोदी कॉलोनी थाने में आधी रात बवाल, पुलिस अधिकारी 'लाइनहाजिर'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली । लोदी कॉलोनी थाने में आधी रात वकीलों और पुलिस के बीच हुआ टकराव शुक्रवार को अहम मोड़ पर पहुंच गया। इस विवाद में शामिल पुलिस अधिकारी को 'लाइनहाजिर' कर दिया गया, जबकि साउथ डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने विभागीय जांच शुरू कर दी है। साथ ही थाना प्रभारी (SHO) और संबंधित अधिकारी ने वकीलों से बिना शर्त माफी मांगकर मामले को शांत करने की कोशिश की।क्या था पूरा मामलाआपको बता दें कि यह विवाद 23 जुलाई की रात 2 से 3 बजे के बीच उस समय शुरू हुआ, जब कई वकील हालिया CJP विरोध प्रदर्शन के बाद हिरासत में लिए गए छात्रों के बारे में जानकारी लेने लोदी कॉलोनी थाने पहुंचे। वकीलों का आरोप है कि पुलिस ने पहले हिरासत में लिए गए छात्रों के थाने में मौजूद होने से इनकार किया। हालांकि बाद में में उन्हें पता चला कि छात्र थाने के अंदर ही हैं। इसके बाद दोनों पक्षों में बहस शुरू हो गई।वकीलों ने लगाए पुलिस पर क्या आरोपवकीलों का आरोप है कि बहस के दौरान पुलिसकर्मियों ने उन्हें थाने से बाहर निकालने का प्रयास किया, जिससे धक्का-मुक्की और हाथापाई की स्थिति बन गई। इस पूरे घटनाक्रम का विडियो भी रिकॉर्ड किया गया। इसी दौरान सादे कपड़ों में मौजूद एक वकील भी पुलिस की कार्रवाई की चपेट में आ गए। मामला बढ़ने पर डीसीपी साउथ डिस्ट्रिक्ट अनंत मित्तल ने शुक्रवार को संबंधित अधिकारी को लाइनहाजिर किए जाने की पुष्टि की हिरासत में लिए गए छात्रों के बारे में जानकारी लेने थाने पहुंचे थे वकील और विभागीय जांच के आदेश भी दिए।ादिल्ली पुलिस अधिकारियों ने वकीलों से मांगी माफीतनाव कम करने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के वाइस प्रेजिडेंट और सीनियर एडवोकेट सचिन पुरी की मौजूदगी में पुलिस और बार प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। इस दौरान स्॥ह्र और संबंधित अधिकारी ने घटना पर खेद जताते हुए वकीलों से बिना शर्त माफी मांगी। इसके बाद दोनों पक्षों ने विवाद को खत्म करने पर सहमति जताई। साकेत बार असोसिएशन के सेक्रेटरी एडवोकेट अनिल बसोया ने कहा कि वकीलों की गरिमा और सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। डीसीपी अनंत मित्तल ने कहा कि बातचीत के बाद मामला सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है।अनिल बसोया ने कहा कि वकीलों की गरिमा और सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

छह दिन बाद फिर शुरू हुई श्री अमरनाथ यात्रा, भगवती नगर से 18वां जत्था बालटाल के लिए रवाना

जम्मू, एजेंसी। जम्मू जम्मू-कश्मीर में लगातार छह दिनों तक खराब मौसम के कारण स्थगित रही श्री अमरनाथ यात्रा एक बार फिर शुरू हो गई है। शनिवार को श्री अमरनाथ यात्रा का 18वां जत्था जम्मू के भगवती नगर से बालटाल मार्ग के जरिए रवाना हुआ। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए खराब मौसम के चलते यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया था। हालांकि, यात्रा स्थगित रहने के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। शनिवार को दोबारा यात्रा शुरू होने पर श्रद्धालु उत्साहित दिखाई दिए। पहली बार बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जा रहे एक श्रद्धालु ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'मेरे दिमाग में बस यही है कि बाबा के दर्शन करने हैं। इसलिए हम लोग बारिश के समय में भी यहां दर्शन के लिए पहुंचे हैं।' तीसरी बार अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू पहुंचे एक अन्य श्रद्धालु ने कहा, 'मुझे तीसरी बार यहां आने का अवसर मिला है। मैं पहली बार 2023 में यहां आया था। अभी यहां पर श्रद्धालुओं के लिए अच्छी व्यवस्थाएं हैं।' मध्य प्रदेश के सागर जिले के निवासी एक व्यक्ति ने कहा, 'मैंने पिछली बार 2002 में अपने गुरु के साथ अमरनाथ यात्रा के लिए आया था। बारिश के दौरान हम प्रार्थना कर रहे थे कि यह रुकनी चाहिए, क्योंकि अमरनाथ यात्रा में कुछ दिन ही बाकी हैं।' छह दिन तक रुकी रही अमरनाथ यात्रा के फिर से शुरू होने पर एक और श्रद्धालु ने कहा, 'यात्रा फिर से शुरू होने से मैं बहुत खुश हूं। लोग पिछले 6-7 दिनों से यहां फंसे हुए थे।

दिल्ली के वसंत कुंज में नाले में गिरी कार, आर्मी अधिकारी के 20 वर्षीय बेटे की मौत ; अमेरिका में कर रहा था पढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज साउथ इलाके में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में अमेरिका में पढ़ाई कर रहे 20 वर्षीय छात्र की मौत हो गई. हादसा नांगल देवत रेड लाइट के पास हुआ, जहां फिसलन भरी सड़क पर कार अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी और पलट गई. दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 24 जुलाई की सुबह थाना वसंत कुंज साउथ में नांगल देवत रेड लाइट के पास सड़क हादसे की पीसीआर कॉल मिली. पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि एक कार नाले में पलटी हुई थी. हादसे में 20 वर्षीय यशवेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. जांच में पता चला कि यशवेंद्र अपनी महिला मित्र के साथ कार से जा रहा था, दोनों अमेरिका के एक ही शिक्षण संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और वहीं उनकी दोस्ती हुई थी. पिछली रात दोनों एक दोस्त के घर रुके थे और शुक्रवार सुबह महिला मित्र को उसके वसंत कुंज स्थित घर छोड़ने जा रहे थे. नांगल देवत रेड लाइट के पास तेज मोड़ लेते समय सड़क पर फिसलन होने के कारण कार चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और कार नाले में गिरकर पलट गई. डीसीपी दक्षिण-पश्चिम के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण सड़क पर फिसलन प्रतीत हो रहा हैय दुर्घटना के समय कार मृतक यशवेंद्र चला रहा था, जबकि वाहन उसकी महिला मित्र का था. महिला सहयात्री के बयान में भी सड़क पर फिसलन की बात सामने आई है. मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच जारी है. पुलिस के अनुसार, मृतक यशवेंद्र भारतीय सेना के एक अधिकारी का बेटा था. वहीं महिला सहयात्री वसंत कुंज की रहने वाली है. उसके पिता ओखला स्थित एक निजी कंपनी में साइबर सिक्योरिटी क्षेत्र में कार्यरत हैं, जबकि उसकी मां गृहिणी है. फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में हादसे की वजह सड़क पर फिसलन मानी जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है ताकि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

महाराष्ट्र टी ई टी पेपर लीक मामले में बड़ा ऐक्शन, बिहार से गिरफ्तार किया गया मास्टरमाइंड बिरेंद्र गुप्ता

मुंबई, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन के बीच ही महाराष्ट्र टी ई टी पेपर लीक मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी बिरेंद्र कुमार सिंह को बिहार से गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिकभिवंडी पुलिस गिरफ्तार करने के बाद मुख्य आरोपी को लेकर पुणे पहुंची है। अब उसे भिवंडी पुलिस स्टेशन ले जाया जाएगा और पूछताछ की जाएगी। बिरेंद्र कई महीनों से गिरफ्तारी से बच रहा था। कई चर्चित पेपर लीक मामले में उसका नाम आ चुका है। एक न्यूज चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में उसने 2024 के नीट पेपर लीक को लेकर कई हैरान करने वाले दावे किए थे। उसने बताया था कि पेपर लीक गैंग कैसे काम करता है। इसके अलावा एनटीए की परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों के बारे में भी उसने बताया था। महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक मामले में बिरेंद्र गुप्ता से पहले कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इसमें उसकी पत्नी का भी नाम शामिल है। महाराष्ट्र पुलिस का कहना है कि बिरेंद्र की गिरफ्तारी से पेपर लीक नेटवर्क को लेकर कई बातें सामने आएँगी।

योगी सरकार की बड़ी कार्रवाई: देहरादून में नकली दवा फैक्ट्री पर छापा, एक करोड़ की नकली दवाएं बरामद, दो गिरफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त नीति के तहत चलाए जा रहे अभियान में एक और बड़ी सफलता मिली है। लखनऊ के अमीनाबाद में बरामद नकली 'फ्लोज़ेन' दवा के सैंपल से शुरू हुई जांच ने आखिरकार देहरादून में संचालित अवैध दवा निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश कर दिया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) उत्तर प्रदेश ने डिजिटल साक्ष्यों और मोबाइल चैट के आधार पर पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा किया। क्राइम ब्रांच गाजियाबाद के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए एफएसडीए ने देहरादून में संचालित अवैध नकली दवा निर्माण फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की नकली दवाएं, पैकेजिंग सामग्री और आधुनिक मशीनरी बरामद की है। इस संयुक्त अभियान में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

अमीनाबाद की कार्रवाई बनी बड़े खुलासे की कड़ी : 19 जुलाई 2026 को थाना अमीनाबाद, लखनऊ में नकली दवाओं के भंडारण और बिक्री के मामले में दर्ज मुकदमे के दौरान 43 प्रकार की नकली दवाएं बरामद हुई थीं। शुरुआती जांच में मिले दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर एफएसडीए मुख्यालय ने विशेष प्रवर्तन टीम गठित की। टीम ने मोबाइल डेटा, व्हाट्सएप चैट, पैकेजिंग पैटर्न और सप्लाई चेन का विश्लेषण करते हुए पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं।

जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई कि गिरोह का मुख्य सप्लायर राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा गाजियाबाद में मौजूद है। इसके बाद एफएसडीए की विशेष टीम ने क्राइम ब्रांच गाजियाबाद के सहयोग से उसे 22 जुलाई को केडब्ल्यू मॉल, राजनगर एक्सटेंशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने बताया कि अमीनाबाद में हुई कार्रवाई के दौरान बरामद टैबलेट 'फ्लोज़ेन ए ए'दवा का नमूना जांच में स्प्यूरियस (नकली) पाया गया था। इसी बीच गिरफ्तार आरोपी राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा के मोबाइल की डिजिटल जांच में [illegible] ब्रांड की नकली स्ट्रिप्स की तस्वीरें, पैकेजिंग से जुड़े दस्तावेज और मशीनों से संबंधित व्हाट्सएप चैट मिलीं। इन डिजिटल साक्ष्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि लखनऊ में बरामद नकली दवा और देहरादून में संचालित अवैध फैक्ट्री एक ही अंतरराज्यीय नेटवर्क का हिस्सा थी। इसी सुराग के आधार पर जांच आगे बढ़ी और देहरादून स्थित फैक्ट्री पर छापा मार कर पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश किया गया।

मोबाइल की जांच से खुलीं फैक्ट्री की परतें : गिरफ्तार आरोपी के मोबाइल की डिजिटल फॉरेंसिक जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। व्हाट्सएप चैट में प्रसिद्ध दवा ब्रांडों की नकली स्ट्रिप्स, पैकेजिंग सामग्री, मशीनों के स्पेयर पार्ट्स और निर्माण से जुड़ी तस्वीरें मिलीं। जांच में यह भी सामने आया कि पैकेजिंग पर जानबूझकर ऐसे बदलाव किए गए थे जिन्हें आम ग्राहक आसानी से पहचान नहीं सकता था। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर देहरादून स्थित अवैध फैक्ट्री का पता चला। आरोपी की निशानदेही पर उत्तर प्रदेश एफएसडीए, क्राइम ब्रांच गाजियाबाद और उत्तराखंड एफएसडीए के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने देहरादून के देवीपुर न्यू हाईवे रोड, ईस्ट होपटाउन स्थित परिसर में छापा मारा। यहां एक कमरे में आधुनिक अलू-अलू पैकिंग मशीन, स्ट्रिप मशीन, इंकजेट बेल्ट प्रिंटर, कंप्रेसर, हाई वोल्टेज स्टेबलाइजर, बड़ी मात्रा में सेमीफिनिश टैबलेट और कैप्सूल, प्रिंटेड एल्युमिनियम फॉयल, रैपर और मास्टर कार्टन बरामद किए गए। मौके पर मिले साक्ष्यों से स्पष्ट हुआ कि यहां बिना किसी वैध लाइसेंस के नकली दवाओं का निर्माण कर उन्हें प्रसिद्ध कंपनियों की पैकेजिंग में भरकर बाजार में भेजने की तैयारी की जा रही थी।

नामी कंपनियों के नाम का हो रहा था दुरुपयोग : छापेमारी के दौरान कई चर्चित दवा ब्रांडों की नकली पैकिंग सामग्री बरामद हुई। अधिकारियों का मानना है कि इन दवाओं को असली बताकर विभिन्न राज्यों के बाजारों में सप्लाई किया जा रहा था। इस मामले में गौरव त्यागी, राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा, विपिन भटनागर और विनय चंद को नामजद किया गया है। राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा तथा विनय चंद को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं, जिनमें संगठित अपराध से संबंधित धारा 111 भी शामिल है, के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जांच एजेंसियां पूरे आर्थिक नेटवर्क तथा सप्लाई चेन की भी पड़ताल कर रही हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में नकली दवाओं के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी गिरोह को बख्शा नहीं जाएगा। विभाग केवल नकली दवाएं जब्त करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निर्माण से लेकर सप्लाई और बिक्री तक पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए कार्रवाई जारी रखेगा।

अखिलेश यादव का भाजपा पर बड़ा हमला, बोले- समर्थक भी पार्टी की कार्यशैली से शर्मिंदा महसूस कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए दावा किया कि अब भाजपा के समर्थक भी पार्टी की कार्यशैली से निराश और शर्मिंदा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और वाहनों से भाजपा के झंडे हटाने शुरू कर दिए हैं, आने वाले समय में भाजपा उनके दिल-दिमाग से भी उतर जाएगी। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने समर्थकों को प्रदर्शनकारियों के बीच भेजकर युवाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रही है, जबकि दूसरी ओर उसके समर्थक खुद पार्टी से दूरी बनाने लगे हैं। उन्होंने अयोध्या, दिल्ली, मुंबई और लखनऊ से जुड़े विभिन्न मामलों का उल्लेख करते हुए भाजपा पर जनभावनाओं के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। सपा प्रमुख ने कहा कि पिछले कई वर्षों तक भाजपा का बचाव करने वाले उसके कट्टर समर्थकों को भी अब पार्टी की कार्यशैली पर पछतावा होने लगा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने, सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग, महंगाई, शिक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित धांधली तथा विपक्ष के खिलाफ कार्रवाई जैसे कई गंभीर आरोप भी लगाए।

युवाओं के मुद्दे पर भाजपा को घेरा : अखिलेश यादव ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि एक ओर भाजपा और उसके सहयोगी अपने लोगों को प्रदर्शनकारियों के बीच भेजकर युवाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जब ऐसे लोगों को 'भाजपाई' कहा जाता है तो वे चिढ़ जाते हैं।

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थक अयोध्या में कथित 'चढ़ावा-चंदा-दान चोरी ', दिल्ली में बच्चियों पर कथित अत्याचार, युवाओं के खिलाफ हिंसा, मुंबई में आंदोलनकारियों को कथित रूप से ड्रग्स के झूठे मामलों में फंसाने की धमकी और लखनऊ अग्निकांड में मृतक बच्चे की मां के साथ मुख्यमंत्री के कथित दुर्व्यवहार जैसी घटनाओं से शर्मिंदा हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के 'पेड और अनपेड' समर्थक भी अब जनाक्रोश को देखते हुए खुलकर सामने आने से बच रहे हैं। उनके अनुसार, भाजपा समर्थकों के व्हाट्सएप समूह भी पहले की तरह सक्रिय नहीं हैं और वे सार्वजनिक स्थानों पर जाने से भी परहेज कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले 10-12 वर्षों में भाजपा के कट्टर समर्थकों ने हर मुद्दे पर पार्टी का बचाव किया और इसके लिए अपने मित्रों तथा परिचितों से भी विवाद मोल लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बनाया इंस्टाग्राम रील्स का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, 10 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेन-जी से कनेक्ट करने के लिए अब एक्स के साथ-साथ इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव होने का फैसला कर लिया है। इंस्टाग्राम पर आते ही उन्होंने अपनी पहली रील से ही तहलका मचा दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने जेन-जी को संबोधित करते हुए अपनी पहली रील गुरुवार रात शेयर की थी, जिसने 24 घंटे में ही वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया।

पीएम मोदी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंटे के अंदर इंस्टाग्राम रील पर सबसे ज्यादा व्यूज (303 मिलियन से ज्यादा) का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले का रिकॉर्ड 300 मिलियन व्यूज का था। नीट पेपर लीक के खिलाफ चल रहे विरोध-प्रदर्शनों को 'जेन-जी' का आंदोलन बताया जा रहा है। 'जेन-जी' की अपनी अलग पसंद और प्राथमिकताएं हैं और वे फेसबुक या एक्स जैसे प्लेटफॉर्म के मुकाबले इंस्टाग्राम जैसे ऐप्स पर ज्यादा एक्टिव रहते हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट के सहयोगियों को इंस्टाग्राम इस्तेमाल करने और उस पर अपनी एक्टिविटी बढ़ाने की सलाह दी है।

पीएम मोदी और राहुल गांधी के फॉलोअर्स : इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की बात करें तो पीएम नरेंद्र मोदी यहां भी सबसे आगे हैं। इस प्लेटफॉर्म पर उनके 102 मिलियन (10.2 करोड़) फॉलोअर्स हैं, जिससे वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक बन गए हैं। वहीं, राहुल गांधी के इंस्टाग्राम पर 14 मिलियन (1.4 करोड़) फॉलोअर्स हैं। मोदी कैबिनेट में भी फॉलोअर्स में उनके मुकाबले कोई भी 26 मिलियन फॉलोअर्स तक पार नहीं कर पाया है। कैबिनेट की बात करें तो पीएम मोदी के बाद गृह मंत्री अमित शाह का नंबर आता है। अमित शाह के अभी 35.2 मिलियन (3.52 करोड़) फॉलोअर्स हैं। इसके बाद नितिन गडकरी हैं, जिनके 6.6 मिलियन (66 लाख) फॉलोअर्स हैं। उनके बाद शिवराज सिंह चौहान (4.83 मिलियन या 48.3 लाख फॉलोअर्स) और चिराग पासवान (3.84 मिलियन या 38.4 लाख फॉलोअर्स) का नंबर आता है। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के 3.49 मिलियन (34.9 लाख) फॉलोअर्स हैं और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कुल 2.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सौदा करना होता तो भूखा नहीं रहता: सोनम वांगचुक

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक विरोध और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 26 दिनों तक अनशन पर बैठे रहे सोनम वांगचुक का दिल टूट गया है। अनशन खत्म करने के बाद उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। इन आलोचनाओं का जवाब देते हुए सोनम वांगचुक ने शुक्रवार रात को सोशल मीडिया एक वीडियो शेयर कर अपनी बात रखी। वीडियो में सोनम वांगचुक ने कहा कि फिजिकली, लड़कर झगड़कर, हड़ताल के अंदर एक और हड़ताल करके, जमीन पर लेटकर जो ताकत 20वें दिन मुझमें बची थी, वो ताकत लगाकर मुझे बाहर निकलना पड़ा। दोस्तों, ये वीडियो मैं थोड़ा दुख और हैरानी के साथ बना रहा हूं।

सोनम वांगचुक ने आलोचकों को दिया जवाब : अपने भाइयों-बहनों और छात्रों के लिए 26 दिन भूखा रहने के बाद, जिसमें कि मेरा 11 किलो शरीर खत्म हो गया है, मसल्स चले गए हैं,

बॉडी के ऑर्गन्स और दिमाग लगभग डैमेज हो चुके हैं, लद्दाख की कड़कड़ाती ठंड से निकलकर दिल्ली की तपती धरती पर अनशन करने के बाद, क्या मुझे किसी से चरित्र प्रमाणपत्र लेना होगा कि मेरा अनशन कितना पवित्र था, मैंने अनशन तोड़ा तो क्यों तोड़ा और किसके हाथों तोड़ा और किसके हाथों से नहीं तोड़ा। अब मैं थोड़ा तरल पदार्थ ले रहा हूं। मुझे लगातार फोन आ रहे हैं कि अनशन तोड़ने के लिए मैंने कोई डील की है।

सौदा करना होता तो भूखा नहीं रहता : सोनम वांगचुक ने कहा कि अगर मुझे डील करनी होती तो 26 दिन भूखा रहने की क्या जरूरत थी? अगर मुझे सौदा करना होता तो क्या एसी के कमरे में बैठकर सौदा नहीं करता? यहां दिल्ली की गर्मी में तपने की क्या जरूरत थी? धिक्कार है ऐसे देश पर, जिसमें ऐसी सोच वाले लोग रहते हैं, जो इस तरह की बेहुदगीभरी बातें करते हैं। सोनम वांगचुक पर आरोप लगाए जा रहे थे कि भूख हड़ताल की आड़ में उन्होंने सरकार के साथ सौदा किया। लोगों का कहना है कि उन्होंने सरकार के साथ कोई सीक्रेट डील की है, इसलिए उन्होंने देर रात अनशन छोड़ दिया है।

जेपी नड्डा-जितेंद्र सिंह से मुलाकात के बाद तोड़ा अनशन : बता दें कि गुरुवार रात को सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने गुरुवार की देर रात 26 दिनों से जारी अनशन तोड़ दिया। सोनम ने अनशन तोड़ने का फैसला केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह से मुलाकात के बाद लिया। सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नीट पेपर लीक को लेकर जंतर-मंतर पर जारी आंदोलन के समर्थन में 28 जून को अनशन शुरू किया था। इसी बीच तबीयत खराब होने के बाद सोनम को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर सोनम को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अभी-अभी केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह तथा लेह-लद्दाख की सर्वोच्च समिति के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में मैंने 26 दिनों के बाद अपना अनशन तोड़ा। इससे पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के 65 सांसदों ने मुझसे मुलाकात की थी या पत्र लिखकर मुझसे अनशन तोड़ने का आग्रह किया था। यह देश में संभावित हिंसा को देखते हुए और विभिन्न शर्तों पर लंबी बातचीत के बाद किया गया।

सुप्रीम कोर्ट सबके लिए खुला है...सीजेआई सूर्यकांत का बड़ा बयान, बोले- मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और उससे जुड़े विवाद के बीच भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई सूर्यकांत ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट हर नागरिक के लिए खुला है और किसी भी मामले की सुनवाई से कभी इनकार नहीं करता। उन्होंने कहा कि उनके पहले दिए गए बयान को मीडिया में गलत संदर्भ में पेश किया गया। यूएनसीआईटीआरएएल सम्मेलन के इतर एक न्यूज चैनल से बातचीत में ष्छ्ह्ढ़ सूर्यकांत ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट सभी लोगों के लिए खुला है। हम 24 घंटे, सातों दिन उपलब्ध हैं। सुप्रीम कोर्ट कभी भी किसी भी मुद्दे पर सुनवाई करने से इनकार नहीं करता। छात्र आंदोलन से जुड़ी याचिकाएं सोमवार को होंगी सूचीबद्ध मुख्य

न्यायाधीश ने बताया कि छात्र आंदोलन से संबंधित जिन याचिकाओं का शुक्रवार को अदालत के समक्ष उल्लेख किया गया, उन्हें सोमवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अदालत सभी के लिए खुली है, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, 'यदि कोई केवल पत्र भेजकर यह अपेक्षा करे कि उसकी याचिका पर तत्काल सुनवाई हो जाए, तो ऐसा संभव नहीं है। अदालत तय प्रक्रिया के अनुसार ही मामलों की सुनवाई करती है।

किस बयान पर शुरू हुआ विवाद : यह विवाद उस टिप्पणी के बाद शुरू हुआ था, जब बुधवार को छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ तत्काल हस्तक्षेप की मांग वाली याचिका का उल्लेख सुप्रीम कोर्ट में किया गया था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पुलिस कार्रवाई से जुड़े वीडियो का हवाला देते हुए तत्काल सुनवाई की मांग की गई थी। उस समय सीजेआई ने कहा था, 'हमें वीडियो में दिलचस्पी नहीं है। हमारे पास वीडियो देखने का समय नहीं है।' साथ ही पीठ ने तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए कहा था कि केवल अदालत को पत्र भेज देने से किसी मामले को तुरंत सूचीबद्ध नहीं किया जा सकता। जब मुख्य न्यायाधीश से यह पूछा गया कि कुछ प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उनकी पूर्व टिप्पणी के बाद ही कॉकरोच जनता पार्टी का गठन हुआ, तो उन्होंने इस पर कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार करते हुए केवल 'नो कमेंट्स' कहा। यूएनसीआईटीआरएएल सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय न्यायिक सहयोग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उनके अनुसार, ऐसे सहयोग से दुनिया के सामने भारत की न्यायिक व्यवस्था, तकनीकी प्रगति और विकास को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।

नई पीढ़ी सवाल पूछती है, हमें उनसे बातचीत करनी होगी: आरएसएस प्रमुख भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि आज की युवा पीढ़ी हर चीज में तर्क खोजती है और वह आदेश के बजाय संवाद में विश्वास रखती है। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूली किताबों में हिंदू देवी-देवताओं के बारे में जानकारी शामिल की जानी चाहिए, ताकि बच्चों की जिज्ञासाओं को शांत किया जा सके। भागवत 'विश्व मांगल्य सभा' कार्यक्रम में 'समकालीन मातृत्व' विषय पर सत्र को संबोधित कर रहे थे।

किताबों में शामिल हो हिंदू देवी-देवताओं की जानकारी : आरएसएस प्रमुख ने कहा कि खासकर विदेशों में रहने वाले बच्चे अक्सर सवाल पूछते हैं कि भगवान का चेहरा बंदर या हाथी का क्यों है? जब वे घर आकर ये सवाल करते हैं, तो अक्सर माता-पिता को भी इसका जवाब नहीं पता होता। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन विषयों को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बच्चों को पूरी तरह से सिर्फ किताबों के भरोसे भी नहीं छोड़ा जा सकता।

युवा पीढ़ी को आदेश नहीं, संवाद चाहिए : युवाओं की बदलती सोच का जिक्र करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि आज के बच्चे सिर्फ आदेश का पालन नहीं करते, बल्कि हर बात का विश्लेषण करते हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी सवाल पूछती है और वे हर चीज के पीछे का लॉजिक जानना चाहते हैं, इसलिए हमें उनसे खुलकर बातचीत करनी होगी।

अंग्रेजों ने हमारे दिमाग को बदला : आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने

कहा है कि अंग्रेजों ने हमारे दिमाग को बदल कर यह साबित करने की कोशिश की कि हमारा अध्यात्म और परंपराएं गलत हैं और उनका विज्ञान सही है। उन्होंने कहा, 'हम अपने आप को, अपनी परंपराओं और अपने अध्यात्म को भूल गए हैं। उसे फिर से जानने का समय आ गया है।' उन्होंने कहा कि तथागत के समय में हमारी परंपराएं फिर से स्थापित हुईं, लेकिन उसके बाद देश पर आक्रमणों का सिलसिला शुरू हुआ और आखिर में जो आए यानी अंग्रेजों ने तो हमारे दिमाग को ही बदल डाला। उन्होंने हमारे मन में ऐसा भ्रम पैदा किया कि हमारा अध्यात्म और परंपराएं भांग और गंजा तथा नशेड़ियों में घायल संगीत है और उनका विज्ञान सही है। भागवत ने मातृत्व को सृष्टि के निर्माण, पोषण और समाज की निरंतरता का आधार बताया। उन्होंने कहा कि मां बच्चे की पहली गुरु होती है, जो उसके विचारों को सही दिशा देती है और जीवनभर भावनात्मक सहारा बनती है। आरएसएस चीफ के अनुसार, बच्चे उपदेश से ज्यादा देखकर सीखते हैं। इसलिए माता-पिता को अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहिए, बच्चों से खुला संवाद रखना चाहिए और उनके सामने एक अच्छा उदाहरण पेश करना चाहिए। माता-पिता को अपना ज्ञान भी लगातार बढ़ाते रहना चाहिए।

टोल टैक्स में मिलेगी बड़ी राहत, 40 प्रतिशत तक होगा सस्ता; एनएचएआई ने बदला फॉर्मूला

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले करोड़ों वाहन चालकों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। यदि आपके रास्ते में लंबे पुल, सुरंगें, फ्लाईओवर या एलिवेटेड रोड आते हैं तो अब आपको पहले के मुकाबले कम टोल टैक्स चुकाना होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियमों में संशोधन किया गया है। इसे लागू करते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरणने अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को नए नियमों के तहत टोल दरों की समीक्षा और संशोधन प्रक्रिया शुरू करने का कड़ा निर्देश जारी कर दिया है।

आमतौर पर किसी भी हाईवे पर पुल, टनल या एलिवेटेड स्ट्रक्चर का निर्माण करना और उसका रखरखाव करना बेहद खर्चीला काम होता है। यही वजह थी कि पुराने नियमों के तहत इनकी लंबाई को 10 गुना मानकर टोल की गणना की जाती थी। उदाहरण के लिए यदि किसी हाईवे पर 5 किलोमीटर लंबी टनल या एलिवेटेड स्ट्रक्चर होता था तो टोल लेते वक्त उसे 50 किलोमीटर सड़क के बराबर माना जाता था। पहाड़ी इलाकों, एक्सप्रेसवे और बड़े शहरी रास्तों में जहां कई किलोमीटर लंबे ब्रिज या एलिवेटेड हाईवे बने हैं वहां इस नियम के कारण टोल का बोझ आम जनता और वाहन चालकों की जेब पर बेहद भारी पड़ रहा था। इसी समस्या को हल करने और टोल की दरों को व्यावहारिक बनाने के लिए सरकार ने टोल संशोधन नियमों को जारी किया है।

क्या है नया टोल फॉर्मूला? समझें गणित : संशोधित राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों का निर्धारण और संग्रहण) नियम, 2008 के तहत अब टोल की गणना के लिए एक पारदर्शी और संतुलित फॉर्मूला पेश किया गया है। नए फॉर्मूले के अनुसार, जिन हाईवे पर एक या एक से अधिक ब्रिज, टनल, फ्लाईओवर या एलिवेटेड सेक्शन हैं वहां टोल की गणना के लिए दो तरीके अपनाए जाएंगे। पहला तरीका यह है कि विशेष

संरचनाओं जैसे कि ब्रिज या टनल की लंबाई का 10 गुना करके, उसे हाईवे के शेष सामान्य हिस्से की लंबाई में जोड़ दिया जाए। दूसरा तरीका यह है कि पूरे हाईवे सेक्शन की कुल लंबाई का 5 गुना कर दिया जाए। एनएचएआई को अनिवार्य रूप से इन दोनों गणनाओं में से जो भी दूरी कम होगी उसी के आधार पर टोल तय करना होगा। इसके अलावा जिन पुलों या फ्लाईओवरों की लंबाई 60 मीटर या उससे कम होगी उन्हें अलग से विशेष संरचना नहीं माना जाएगा और उन पर कोई अतिरिक्त नियम नहीं होगा।

केस स्टडी से समझें टोल का गणित

केस 1: मान लीजिए कोई हाईवे 40 किलोमीटर लंबा है, जिसमें से 30 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड या ब्रिज का है और 10 किलोमीटर सामान्य सड़क है। पुराने फॉर्मूले के मुताबिक, 30 किमी म 10 + 10 किमी = 310 किमी की दूरी पर टोल लगता है। नए फॉर्मूले के मुताबिक, कुल दूरी का 5 गुना (40 किमी म 5) यानी कि 200 किमी ही होगा। चूंकि 200 किमी की दूरी कम है, इसलिए जनता को 310 किमी के बजाय केवल 200 किमी का ही टोल देना होगा।

केस 2: अगर 40 किलोमीटर के हाईवे में 10 किलोमीटर ब्रिज है और 30 किलोमीटर सामान्य सड़क है। पहले तरीके से दूरी 10 किमी म 10 + 30 किमी यानी कि 130 किमी होगी। दूसरे तरीके से दूरी 40 किमी म 5 यानी कि 200 किमी होगी। आपको बता दें कि यहां 130 किलोमीटर वाली दूरी कम है, इसलिए केवल 130 किमी का टोल लागू होगा। पहले यहां 200 किमी के हिसाब से टोल देना पड़ता था।

दोनों फॉर्मूले को देखें तो करीब 40 प्रतिशत तक की दूरी कम हो रही है। इस हिसाब से टोल भी 40 प्रतिशत तक सस्ता हो सकता है। नियमों में यह संशोधन लागू कर दिया गया है, लेकिन टोल प्लाजा के प्रकार के आधार पर इसका फायदा वाहन चालकों को अलग-अलग समय पर मिलेगा।

पंजाब-चंडीगढ़ में मानसून फिर सक्रिय, 28-29 को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

शनिवार सुबह से शुरू हुआ बारिश का दौर, कपूरथला में सर्वाधिक 40 मिमी वर्षा

चंडीगढ़ ।

पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मानसून ने एक बार फिर अपनी रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार सुबह से जारी बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत दी है, लेकिन अगले कुछ दिनों में भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने 28 और 29 जुलाई के लिए पंजाब और चंडीगढ़ में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिससे प्रशासन और आम जनता को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। शनिवार सुबह से पठानकोट और जालंधर समेत आसपास के कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे वातावरण में ठंडक घुली है। बीते 24 घंटों में कपूरथला में सर्वाधिक 40.0 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा पठानकोट में 30.0 मिमी, रूपनगर (भाखड़ा बांध) में 26.5 मिमी और अमृतसर में 20.6 मिमी वर्षा हुई है। बारिश के बावजूद, पिछले 24 घंटों में पंजाब के अधिकतम तापमान में औसत 2.5 डिग्री सेल्सियस की हल्की बढ़ोतरी हुई है, हालांकि यह सामान्य के आसपास ही बना हुआ है। फरीदकोट 36.5 डिग्री ल्सियस के साथ राज्य का सबसे गर्म शहर रहा, जबकि पठानकोट में न्यूनतम तापमान 23.6एष्ट दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 26 जुलाई को बारिश की गतिविधियों में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन 27 जुलाई से राज्य में बारिश की रफ्तार फिर बढ़ेगी। 28 और 29 जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश की प्रबल संभावना है, जिसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 30 जुलाई को भी अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का अनुमान है। आगामी भारी बारिश के मद्देनजर, चंडीगढ़ सहित निचले इलाकों और शहरी क्षेत्रों में जलभराव की गंभीर आशंका जताई गई है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सुरक्षित रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

बीओआई का मुनाफा 36 फीसदी बढ़कर 3,068 करोड़ हुआ

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एकल आधार पर अपने मुनाफे में 36.23 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, जो 3,067.90 करोड़ रुपये रहा। बैंक के इस मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को मुख्य रूप से गैर-ब्याज आय में उल्लेखनीय वृद्धि और परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार से बल मिला। बैंक ऑफ इंडिया ने एकीकृत आधार पर भी 80.51 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज करते हुए 3,302.58 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1,829 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की गैर-ब्याज आय 19.07 प्रतिशत बढ़कर 2,579 करोड़ रुपये हो गई, जबकि मुख्य शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 12.61 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,833 करोड़ रुपये रही। इस दौरान बैंक की ऋण वृद्धि 18.64 प्रतिशत दर्ज की गई। परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है, जहां बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) दर जून 2026 में घटकर 1.81 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 2.92 प्रतिशत थी। वहीं, शुद्ध एनपीए दर भी 0.51 प्रतिशत पर आ गई, जो जून 2025 में 0.75 प्रतिशत थी।

फर्जी %एयर सुविधा 2.0% वेबसाइटों से सावधान रहें यात्री, सरकार ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, ।

केंद्र सरकार ने शनिवार को यात्रियों से अपील की कि वे %एयर सुविधा 2.0% की आधिकारिक वेबसाइट की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद ही अपनी व्यक्तिगत या यात्रा संबंधी जानकारी साझा करें, क्योंकि कुछ फर्जी वेबसाइटें लोगों को गुमराह कर रही हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि कुछ फर्जी वेबसाइटें और पोर्टल एयर सुविधा 2.0 के नाम पर खुद को आधिकारिक बताकर यात्रियों को पेमेंट गेटवे पर भेज रहे हैं।

मंत्रालय ने कहा, ÷यात्रियों को सूचित किया जाता है कि एयर सुविधा 2.0 की सेवाएं पूरी तरह निशुल्क हैं और सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म जमा करने के लिए किसी भी प्रकार का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। एयर सुविधा 2.0 का एकमात्र आधिकारिक पोर्टल है।÷ मंत्रालय ने आगे कहा कि यात्री अपनी व्यक्तिगत या यात्रा संबंधी जानकारी साझा करने से पहले वेबसाइट के यूआरएल की अच्छी तरह जांच करें और एयर सुविधा 2.0 सेवा देने का दावा करने वाली किसी भी अनधिकृत वेबसाइट पर भुगतान करने से बचें। मंत्रालय ने कहा, ÷यात्रियों से अनुरोध है कि वे केवल आधिकारिक पोर्टल का ही उपयोग करें और सही जानकारी के लिए केवल सरकार की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

कच्चे तेल और युद्ध का डर, बाजार पर भारी पड़ी भू-राजनीतिक चिंताएं

ग्लोबल अस्थिरता का असर भारतीय बाजार पर साफ दिखा

भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल और विदेशी निकासी के दबाव में बाजार

मुंबई ।

बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांक लगातार पांच कारोबारी सत्रों तक गिरावट के साथ बंद हुए। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, अमेरिकी व्यापार शुल्क संबंधी नई चिंताएं और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने बाजार की धारणा को बुरी तरह प्रभावित किया। निवेशकों में भारी बिकवाली का दबाव देखा गया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांकों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई और रुपया भी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ। सप्ताह की शुरुआत ही भारी बिकवाली के साथ हुई, जब सोमवार को 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 523 अंक और 50 शेयरों वाला निफ्टी 134 अंक लुढ़क गया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 442.93 अंक (और निफ्टी 95.80 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार ने एक सपाट शुरुआत की, लेकिन वैश्विक अस्थिरता के कारण यह भी लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 238.41 अंक और निफ्टी 50.80 अंक नीचे आ गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और इंफोसिस जैसे दिग्गजों के शेयरों में 2 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। हालांकि, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो सूचकांकों ने कुछ हद तक बढ़त दर्ज कर थोड़ी राहत दी। बुधवार को गिरावट का सिलसिला और तेज हो गया, जो लगातार तीसरा कारोबारी सत्र था। कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल और बैंक शेयरों में भारी बिकवाली इसकी मुख्य वजह रही। बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक और एनएसई निफ्टी 191.45 अंक की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार ने लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों की खबरों से कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आया, जिससे निवेशकों की धारणा कमजोर बनी रही। सेंसेक्स 363.66 अंक गिरकर 76,391.39 पर और निफ्टी 126.66 अंक के नुकसान के साथ 23,869.60 के स्तर पर बंद हुआ। सप्ताह का अंत भी गिरावट के साथ हुआ। शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी को नुकसान हुआ। शुरुआती कारोबार में तो सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा टूट गया था, हालांकि बाद में थोड़ी रिकवरी हुई।

मारुति ने नई कॉम्पैक्ट एसयूवी से मचाई हलचल, कीमत 7.40 लाख से शुरू

नया 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन, प्रीमियम इंटीरियर और उन्नत सुरक्षा फीचर्स के साथ हुई एंट्री

नई दिल्ली।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में मारुति सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेज़ा 2026 फेसलिफ्ट को लॉन्च कर दिया है। यह नया मॉडल कई बड़े बदलावों के साथ आया है, जिसमें एक शक्तिशाली टर्बो पेट्रोल इंजन, आकर्षक डिज़ाइन और प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7.40 लाख रुपये तय की गई है, जो इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनाती है। नई ब्रेज़ा फेसलिफ्ट का सबसे बड़ा आकर्षण इसका बिल्कुल नया 1.0 लीटर डायरेक्ट इंजेक्शन टर्बो पेट्रोल इंजन है। यह इंजन 108 बीएचपी की पावर और 170 एनएम का टॉर्क पैदा करता है, जिसे 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। यह नया पावरट्रेन ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। डिज़ाइन की बात करें तो, नई ब्रेज़ा में नया फ्रंट ग्रिल, बदले हुए बंपर और नए 16 इंच के ड्यूल-टोन अलॉय व्हील मिलते हैं, जो इसे एक फ्रेश लुक देते हैं। यह विवेशियस ऑरेंज और लस्ट्रस बेज जैसे दो नए आकर्षक रंगों में भी उपलब्ध होगी। इंटीरियर में ब्लैक और ब्राउन थीम के साथ ग्लॉस ब्लैक फिनिश दी गई है। इसमें अब बड़ा 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एम्बिएंट लाइटिंग, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, एयर प्यूरीफायर और वायरलेस चार्जर जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं, जो केबिन को अधिक आरामदायक और हाई-टेक बनाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी ब्रेज़ा अब और मजबूत हुई है।

बीएनपी परिबा कार्डिफ ने इंडियाफर्स्ट लाइफ में खरीदी 26 फीसदी हिस्सेदारी

बैंक ऑफ बड़ौदा 65 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा शेयरधारक

मुंबई ।

फ्रांस की बीमा कंपनी बीएनपी परिबा कार्डिफ ने निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिन्कस से इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इस सौदे के साथ इंडियाफर्स्ट लाइफ को एक नया रणनीतिक निवेशक मिल गया है, जिसका उद्देश्य कंपनी की विकास यात्रा को गति देना है। हालांकि, सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। इस अधिग्रहण के बाद इंडियाफर्स्ट लाइफ की शेयरधारिता में बड़ा बदलाव आया है। बैंक ऑफ बड़ौदा की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रहेगी, जिससे वह सबसे बड़ा शेयरधारक बना रहेगा। बीएनपी परिबा कार्डिफ के पास अब 26 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया नौ प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदार रहेगा। इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य बैंक ऑफ बड़ौदा के विशाल शाखा नेटवर्क, इंडियाफर्स्ट लाइफ की बहु-चैनल वितरण क्षमताओं और बीएनपी परिबा कार्डिफ की वैश्विक बैंकएश्योरेंस विशेषज्ञता, उत्पाद नवाचार तथा बीमा क्षमताओं का लाभ उठाना है। बीएनपी परिबा कार्डिफ की सीईओ पॉलिन लेक्लेर-ग्लोरियू ने इस सौदे को उच्च संभावनाओं वाले बाजारों में मजबूत संस्थानों के साथ साझेदारी की उनकी अंतरराष्ट्रीय रणनीति का विस्तार बताया।

बच्चों की दवा कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित

दूषित वातावरण, गंदगी और कीड़े-मकौड़ों के प्रकोप से बच्चों के उत्पादों को खतरा

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बच्चों के लिए आयुर्वेदिक दवाएं, हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रिशन उत्पाद बनाने वाली कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह सख्त कार्रवाई कंपनी की विनिर्माण इकाई के विस्तृत निरीक्षण के बाद की गई, जहां खाद्य सुरक्षा नियमों के कई गंभीर उल्लंघन पाए गए। एफएसएसएआई ने तत्काल प्रभाव से उत्पादन रोकने और सभी कमियों को दूर करने का निर्देश दिया है, अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। एफएसएसएआई के निरीक्षण दल ने रेहान हेल्थकेयर की फैक्ट्री में अत्यधिक अस्वच्छ और दूषित वातावरण पाया। पूरे परिसर में गंदगी, कीड़े-मकौड़ों का प्रकोप और साफ-सफाई के बुनियादी मानकों की घोर अनदेखी उजागर हुई। कंपनी को खाद्य सुरक्षा अनुपालन में केवल 12 प्रतिशत अंक मिले, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। अधिकारियों ने विनिर्माण टैंकों के नीचे गंदगी की मोटी परतें और कच्चे माल के भंडारण क्षेत्रों में भी अत्यधिक अस्वच्छता पाई, जिससे उत्पादों में संक्रमण फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। निरीक्षण में अपर्याप्त भंडारण, सीमित कार्यस्थल, खराब वेंटिलेशन और प्रकाश व्यवस्था जैसी अन्य महत्वपूर्ण कमियां भी सामने आईं। फैक्ट्री में मकड़ी के जाले, फफूंदी, मक्खियां और खुले में पड़ा कचरा आम बात थी।

नियामक ने इस स्थिति को विशेष रूप से खतरनाक माना, क्योंकि यह इकाई बच्चों द्वारा उपभोग किए जाने वाले हाई रिस्क हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स बनाती है। ऐसी अस्वच्छ परिस्थितियाँ सीधे तौर पर छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरे में डाल सकती थीं। एफएसएसएआई ने साफ किया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

8वें वेतन आयोग की बैठकें अगस्त में, कर्मचारियों को मिली राहत

महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त को आयोजित की जाएंगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। आयोग ने दिल्ली में विभिन्न कर्मचारी संगठनों और पेंशनर्स यूनियनों के साथ आगामी बैठकों का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। ये महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त, 2026 को आयोजित की जाएंगी, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के वेतनमान, भत्तों और पेंशन से संबंधित विभिन्न सुझावों पर गहन चर्चा की जाएगी। इस घोषणा से देश के लगभग 1.19 करोड़ केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स को राहत मिली है, जो लंबे समय से आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं। आयोग ने उन सभी कर्मचारी और पेंशनर्स संगठनों को एक और अवसर प्रदान किया है, जिन्होंने पूर्व में अपना मेमोरेंडम जमा कर दिया था, लेकिन किसी कारणवश अभी तक आयोग के साथ उनकी बैठक नहीं हो पाई थी। ऐसे संगठन इन आगामी बैठकों में शामिल होने के लिए 31 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय उन्हें अपनी मेमो आईडी के साथ अपॉइंटमेंट की मांग करनी होगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा के बाद प्राप्त होने वाले अनुरोधों पर सीमित विचार किया जाएगा, इसलिए सभी संगठनों को निर्धारित तिथि से पहले प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है। 8वें वेतन आयोग का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए मौजूदा वेतन, भत्तों और पेंशन व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करना है। इस प्रक्रिया के तहत आयोग विभिन्न कर्मचारी संगठनों, यूनियनों और फेडरेशनों से सुझाव एकत्र कर रहा है। दिल्ली में होने वाली ये बैठकें इसी व्यापक विचार-विमर्श प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जहाँ कर्मचारी संगठन सीधे आयोग के समक्ष अपनी मांगों और सुझावों को प्रस्तुत कर सकेंगे। इन्हीं सुझावों के अध्ययन के बाद आयोग अपनी सिफारिशें तैयार करेगा, जिन्हें बाद में केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा, और इन्हीं के आधार पर भविष्य के नए वेतनमान व अन्य लाभ तय होंगे।

एचडीएफसी बैंक पर अमेरिकी जांच का साया, शेयरों में गिरावट जारी

45 करोड़ के कथित भुगतान को लेकर सवाल, निवेशक चिंतित

मुंबई ।

अमेरिका की तीन प्रमुख लॉ फर्मों ने एचडीएफसी बैंक के खिलाफ संभावित संघीय प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन की जांच शुरू कर दी है, जिसके बाद बैंक के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। तिमाही नतीजों के बाद से पिछले पांच कारोबारी सत्रों में शेयर लगभग 10 फीसदी गिर चुके हैं, जिसने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह जांच महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को कथित तौर पर किए गए 45 करोड़ रुपए के भुगतान से जुड़ी है। आरोप है कि बड़े डिपॉजिट प्राप्त करने के लिए दी गई अतिरिक्त ब्याज राशि को कथित तौर पर विपणन खर्च के रूप में दर्ज किया गया था। इस राशि को फिर चार स्थानीय वेंडरों के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानों पर खर्च दिखाया गया।

अमेरिकी लॉ फर्मों ने फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह मामला सामूहिक मुकदमे का रूप लेगा या नहीं। वे उन निवेशकों से जानकारी जुटा रही हैं, जिन्हें बैंक के शेयरों में आई गिरावट से नुकसान हुआ है। हालांकि, एचडीएफसी बैंक ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। बैंक का कहना है कि उसके सभी लेनदेन निर्धारित नियमों और एक मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के तहत किए जाते हैं, और किसी भी अनियमितता के आरोप पूरी तरह से निराधार हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3,030 करोड़ के 3 भव्य केमिकल पार्कों को दी मंजूरी

भव्य-रसायन योजना के तहत 2030-31 तक होगा विकास

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में तीन बड़े केमिकल पार्कों की स्थापना के लिए 3,030 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी नई योजना को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य-रसायन) को हरी झंडी मिली, जिसका मुख्य लक्ष्य भारत को रसायन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह योजना वर्तमान वित्त वर्ष से शुरू होकर 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी। योजना की कुल लागत 3,030 करोड़ रुपये है, जिसमें से 3,000 करोड़ रुपये साझा अवसंरचना एवं बुनियादी सुविधाओं के विकास पर और 30 करोड़ रुपये प्रशासनिक व्यय पर खर्च होंगे। वैष्णव ने बताया कि ये पार्क कम से कम 2,000 एकड़ (करीब 8 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र में स्थापित होंगे और प्रत्येक में 20,000 करोड़ रुपये से 50,000 करोड़ रुपये तक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है। इन पार्कों का विकास राज्यों के साथ चैलेंज रूट के तहत किया जाएगा, जहां राज्य सरकारें ग्रीनफील्ड (नई) या ब्राउनफील्ड (पुरानी) विकल्पों में से चुनाव कर सकेंगी। केंद्र सरकार प्रत्येक पार्क के लिए अधिकतम 1,000 करोड़ रुपये का अनुदान देगी, जबकि संबंधित राज्य सरकार को कम से कम 500 करोड़ रुपये का योगदान करना होगा। आधिकारिक बयान के अनुसार यह योजना रसायन उद्योग की समूची मूल्य शृंखला का विकास करेगी, लॉजिस्टिक लागत में कमी लाएगी और घरेलू-विदेशी निवेश को बढ़ावा देगी। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और भारतीय रसायन क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। इन पार्कों में आधुनिक सुविधाएं जैसे सीईटीपी, जल आपूर्ति और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित किए जाएंगे, जिससे कृषि, वस्त्र, दवा, वाहन व इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा।

कठुआ को मिलेगी मजबूत बिजली, ग्रिड उन्नयन को 15.22 करोड़ मंजूर

क्षेत्र में मिलेगी विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति

श्रीनगर।

जम्मू कश्मीर सरकार ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कठुआ ग्रिड स्टेशन के उन्नयन के लिए 15.22 करोड़ रुपए की एक महत्वपूर्ण परियोजना को हरी झंडी दे दी है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के इस फैसले की जानकारी एक सरकारी प्रवक्ता ने दी, जिसमें बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने पर जोर दिया गया है। प्रवक्ता के अनुसार इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य कठुआ ग्रिड स्टेशन की क्षमता में वृद्धि करना और उससे संबंधित बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाना है। यह पहल विशेष रूप से क्षेत्र में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए पारेषण नेटवर्क को मजबूत करेगी और उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय विद्युत अवसंरचना उपलब्ध कराएगी। अधिकारियों का मानना है कि इस उन्नयन से पारेषण प्रणाली की विश्वसनीयता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

साथ ही, यह प्रणाली पर पड़ने वाले अधिक दबाव को कम करने में भी सहायक होगा। इसका सीधा लाभ कठुआ और आसपास के क्षेत्रों के हजारों उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके लिए अब बेहतर गुणवत्ता और अधिक स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

क्रेडिट कार्ड खर्च 2 लाख करोड़ के पार, लगातार दूसरे महीने उछाल

मुंबई।

भारतीय उपभोक्ताओं ने क्रेडिट कार्ड के जरिए खर्च करने की अपनी आदत को जून में भी बरकरार रखा है, लगातार दूसरे महीने खर्च का आंकड़ा 2 लाख करोड़ रुपए के निशान को पार कर गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून में क्रेडिट कार्ड से कुल 2.01 लाख करोड़ रुपए का व्यय दर्ज किया गया, जो पिछले साल इसी अवधि के मुकाबले 9.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि है। हालांकि, यह मई के 2.02 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले मामूली रूप से कम रहा। क्रेडिट कार्ड खर्च में प्रमुख खिलाड़ियों में एचडीएफसी बैंक और एसबीआई कार्ड का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा। एचडीएफसी बैंक ने 16.2 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी के साथ 59,432 करोड़ रुपए का खर्च दर्ज किया, जबकि एसबीआई कार्ड का खर्च 34.4 फीसदी बढ़कर 41,077 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड खर्च में 5.2 फीसदी की सालाना गिरावट दर्ज की गई और यह 31,410.9 करोड़ रुपए रहा।

एक्सिस एमएफ के पूर्व डीलर वीरेश जोशी पर 7 साल का प्रतिबंध

30.55 करोड़ की अवैध कमाई जब्त, व्हाट्सएप चैट से खुला राज

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फ्रंट-रनिंग ट्रेडिंग के गंभीर आरोपों पर ऐक्सिस म्युचुअल फंड के पूर्व चीफ डीलर वीरेश जोशी पर सात साल के लिए प्रतिभूति बाजार में पाबंदी लगा दी है। उन पर 3 करोड़ रुपए का भारी जुर्माना भी लगाया गया है। इस मामले में सेबी ने जोशी के 20 अन्य सहयोगियों को भी 3 से 7 साल के लिए प्रतिबंधित किया है, जिन पर 10 लाख रुपए से 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया गया है। नियामक ने इस अवैध गतिविधि के जरिये हुई अनुमानित 30.55 करोड़ रुपए की कमाई को पहले ही जब्त कर लिया है। सेबी के अंतिम आदेश के अनुसार, जोशी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ऐक्सिस एमएफ के बड़े सौदों से जुड़ी गोपनीय जानकारी अपने बाहरी सहयोगियों को दी। इन लोगों ने दुबई से ओडीआईएन टर्मिनल और दूसरों के नाम पर खोले गए खातों का इस्तेमाल कर फ्रंट-रनिंग ट्रेड किए, जिससे बाजार में हेरफेर कर अवैध मुनाफा कमाया गया। इस गैर-कानूनी कमाई को ऑफशोर कंपनियों में जमा किया गया।

श्रीराम फाइनेंस का मुनाफा पहली तिमाही में 60 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में 60 प्रतिशत बढ़कर 3,453 करोड़ रुपये रहा।

मुख्य रूप से आय में वृद्धि से लाभ बढ़ा है।

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के एक कार्यकारी अ धिकारी ने कहा कि शुद्ध ब्याज आय 33.67 प्रतिशत बढ़कर 8,056 करोड़ रुपये होने और शुद्ध ब्याज मार्जिन के पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 8.11 प्रतिशत से बढ़कर 9.04 प्रतिशत होने से मुनाफे में वृद्धि हुई।

उन्होंने कहा कि जापान के एमयूएफजी द्वारा 4.4 अरब डॉलर में कंपनी में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने से भी शुद्ध ब्याज मार्जिन बढ़ाने में मदद मिली।

जीपी पेट्रोलियम्स का मुनाफा पहली तिमाही में तीन गुना होकर 20.6 करोड़ पहुंचा

मुंबई ।

लुब्रिकेंट बनाने वाली कंपनी जीपी पेट्रोलियम्स लिमिटेड (जीपीपीएल) का मुनाफा (पीएटी) चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 20.6 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 6.4 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय् सालाना आधार पर 46 प्रतिशत बढ़कर 230.3 करोड़ रुपये हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 158.2 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कर पूर्व आय करीब तीन गुना होकर 29.2 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 10 करोड़ रुपये थी।जीपी पेट्रोलियम्स के प्रवक्ता ने कहा कि बेहतर परिचालन मार्जिन, उत्पाद मिश्रण में सुधार और परिचालन दक्षता पर लगातार ध्यान देने के साथ ही कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत शुरुआत की है।

दुनिया के दुर्लभ फूल

स्ट्रोंगिलोडोन मैक्रोबोट्रिस

हल्के हरे रंग का स्ट्रोंगिलोडोन मैक्रोबोट्रिस एक तरह की लता है। पंजे के आकार वाले इसके फूल फिरोजी रंग के होते हैं। हालांकि इसका रंग नीले हरे से लेकर चटक हरे तक भी हो सकता है। ये फूल फिलीपींस के जंगलों में पाए जाते हैं और कटाई के कारण खतरे में हैं।

हिबिस्कस कोकियो

शू फ्लॉवर की ये प्रजाति, सिर्फ हवाई में मिलती है। 1950 में इसे विलुप्त घोषित कर दिया गया था। 20 साल बाद कोकियो का एक पेड़ मिला। लाल से नारंगी रंग के फूलों वाला ये पौधा एक आगजनी में खत्म हो जाता, लेकिन इसकी एक डाली बचा ली गई और इसे 23 अन्य पौधों में ग्राफ्ट किया गया।

एपिफाइलम ऑक्सीपेटालम

ये फूल श्रीलंका के जंगलों में होता है और बौद्ध धर्म में इसका खासा महत्व है। इस फूल की खासियत है कि यह सिर्फ रात में खिलता है और सुबह होने से पहले ही मुरझा जाता है।

डेंड्रोफिलैक्स लिंडेनी

क्यूबा और फ्लोरिडा के जंगलों में पाए जाने वाले इस फूल को भूतहा ऑर्किड का नाम दिया गया है। इसे 20 साल पहले ही विलुप्त घोषित कर दिया गया था। इसमें पत्तियां नहीं होती। इसकी जड़ें प्रकाश संश्लेषण कर फूल को पोषण देती हैं। इस फूल का परागण सिर्फ जायंट स्फिंक्स नाम की तितली कर सकती है।

एमोर्फोफैलस टाइटेनम

दुनिया का सबसे खूबसूरत और सबसे दुर्लभ यह फूल इंडोनेशिया में पाया जाता है। एक हफ्ते तक खिलने वाला यह फूल सड़े हुए जानवर जैसी बदबू फैलाता है। खिलने के बाद इसकी ऊंचाई तीन मीटर तक हो सकती है। सात आठ साल बाद यह फूल पहली बार खिलता है।

साइप्रिपेडियम कैलकेलस

कभी ये जंगली ऑर्किड पूरे यूरोप में मिलता था। लेकिन अब यह सिर्फ ब्रिटेन में होता है। पीले और जामुनी से रंग वाला ये फूल अब इतना दुर्लभ है कि इसकी एक डाली पांच हजार अमेरिकी डॉलर में मिल सकती है।

कॉस्मॉस एट्रोसैन्गिनियस

ये मेक्सिको के जंगली फूल हैं। 100 साल पहले ही ये विलुप्त हो गए थे। सिर्फ एक प्रजाति का क्लोन 1902 में बनाया गया। ये फूल गर्मियों में वैनिला जैसी खुशबू देते हैं। इन्हें चॉकलेट कॉस्मॉस भी कहा जाता है।

बड़ा दिलचस्प है स्क्रैपबुक बनाना

दोस्तों, आज हम तुमसे स्क्रैपबुक के बारे में बात करेंगे। स्क्रैपबुक बनाना सिर्फ काटने और चिपकाने के काम तक ही सिमटा हुआ नहीं है। यह एक अच्छी एक्टिविटी है। इससे तुम्हारी रचनात्मकता में निखार आएगा। अगर आसान शब्दों में समझें तो स्क्रैपबुक या स्क्रैप फाइल आकर्षक व रंगीन फोटो या तस्वीरों की एक एलबम होती है। काटने और चिपकाने वाली यह मजेदार एक्टिविटी एक तरह का आर्टवर्क भी है। जितना साधारण इसे समझना है, उतना ही आसान इसे बनाना भी है। वैसे स्क्रैपबुक कई तरह की होती हैं और इनको अलग रूप देना तुम पर निर्भर है।

इस काम का फायदा

यह एक अच्छी एक्टिविटी है। फाड़ना, काटना, चिपकाना, लिखना यानी यह सिर्फ एक मजेदार कार्य ही नहीं है, बल्कि इस काम से तुम्हारी सोचने-समझने की क्षमता भी निखरती है। सोचने, समझने की शक्ति और दिमागी एक्सरसाइज से यह तुम्हारे लिए एक फायदेमंद प्रोजेक्ट हो सकता है। अच्छा होगा अगर काटने-चिपकाने-लिखने और तरह-तरह के फोटो ढूंढ़ने का सभी काम तुम खुद करो। स्क्रैपबुक बनाना एक अच्छा क्रिएटिव आइडिया है, जो क्लास लेवल के अनुसार बदलता रहता है।

कैसे करें तैयार

इस काम के लिए तुम्हें जरूरत होगी एक रेडीमेड स्क्रैपबुक की। इसके अलावा कैंची, फेविस्टिक या फेविकोल, पेंसिल, पेन, कलरपेन और मार्कर भी तुम्हें चाहिए होंगे। यदि तुम चाहो तो रेडीमेड स्क्रैपबुक की बजाय खुद भी स्क्रैपबुक बना सकते हो। सबसे पहले टीचर द्वारा दिए गए विषय के अनुसार स्टिकर या फोटो इकट्ठा करने की तैयारी करो। इसके लिए स्टिकर्स या कट एंड पेस्ट बुक या कोई चार्ट बुक शॉप से मिल जाएंगे। एक अच्छा आइडिया है अगर तुम घर पर रखे पुराने अखबार या मैगजीन से जरूरी फोटो काट लो। इसके अलावा अपनी स्क्रैपबुक में कुछ ऑरिजनल लुक देने के लिए खुद भी स्केच या ड्रॉइंग कर स्टिकर बना सकते हो। फोटो इकट्ठे करने के लिए तुम मम्मी-पापा या साथी स्टूडेंट्स की मदद ले सकते हो। स्टिकर और फोटो इकट्ठा करने के बाद बारी है स्क्रैपबुक का हर पेज सजाने की। स्टिकर्स-फोटो को सिम्पल या डिजाइन में काटकर अच्छे ढंग से चिपकाना स्क्रैपबुक को खूबसूरत लुक देने के लिए जरूरी है। ध्यान रहे कि फेविकोल से स्क्रैपबुक का कलर पेज गंदा न हो जाये। यह भी ध्यान रखो कि विषय के अनुसार ही हर पेज तैयार किया गया हो और सही जगह पर ही स्टिकर या फोटो पेस्ट की गई हो। फोटो चिपकाने के बाद बारी है हर पेज पर हैडिंग देने की। थीम के अनुसार पेज के सबसे ऊपर कहीं (दाएं-बाएं-मध्य) भी पेंसिल से लाइन खींचकर एक साफ-सुथरी हैडिंग लिखो। हैडिंग लिखने के लिए तुम कलरपेन, पेन या मार्कर का इस्तेमाल कर सकते हो। इसे स्टाइल में भी लिखा जा सकता है। यह पूरी तरह से तुम्हारे ऊपर है कि तुम सुंदर ढंग से एक अच्छी हैडिंग कैसे लिखते हो। अब स्टिकर या फोटो को नाम दो। कैप्शन लिखो। ध्यान रहे कि यह लिखने के लिए तुमने फोटो के नीचे थोड़ी जगह छोड़ी है। एक सामान्य स्क्रैपबुक में एनिमल, बड्र्स, वेजिटेबल पेजों पर स्टिकर के नीचे नाम लिखे जाते हैं।

पर्सनल स्क्रैपबुक

स्कूल में दिये जाने वाले इस काम का एक फायदा यह भी है कि इसका आइडिया हमेशा तुम्हारे साथ रह सकता है। तुम घर पर भी अपनी पर्सनल स्क्रैपबुक बना सकते हो। तुम मम्मी-डैडी, दोस्तों के साथ बाहर घूमने जाते हो। मॉल, पार्क, फन पार्क, चिड़ियाघर या छुट्टियों में कहीं शहर से बाहर जाते हो। इन सब जगहों से ली गई फोटो से तुम एक अच्छी स्क्रैपबुक बना सकते हो। यहां से मिली कई छोटी-छोटी चीजों को इकट्ठा कर स्क्रैपबुक में लगा सकते हो।

इस तरह इन खूबसूरत पलों की यादें हमेशा तुम्हारे साथ रहेंगी और इस आइडिया से तुम्हारी खुद से जुड़ी एक मौलिक (ऑरिजिनल) स्क्रैपबुक तैयार हो जाएगी। यह एक्टिविटी तुम कभी भी हफ्ते, महीने में एक बार कर सकते हो। इसलिए स्क्रैपबुक सिर्फ तुम्हारी पढ़ाई का ही हिस्सा नहीं है, बल्कि यह आगे चलकर तुम्हारी जिंदगी का भी हिस्सा बन सकती है।

समझदार किट्टू

किट्टू खरगोश, बिट्टू बन्दर, टीटू हाथी और मींकू मेढक चारों पक्के दोस्त थे। सभी एक साथ ही स्कूल जाते और एक साथ ही स्कूल से लौटते। साथ घूमना-फिरना, एक साथ रिसेज में खाना खाना और घर जाने के बाद होमवर्क भी साथ ही करना। ये उनका रोज का रूटीन था। वैसे तो सारा समय साथ ही बिताते, लेकिन पढ़ने के समय शरारतें करते। इनमें बिट्टू बन्दर का ध्यान पढ़ाई में कम ही लग पाता था। लेकिन शरारतों में सबसे आगे रहता। चारों दोस्तो में किट्टू खरगोश सबसे इंटेलिजेंट था। क्लास में जब भी कोई प्रश्न पूछा जाता, सबसे पहले किट्टू ही हाथ उठाकर जवाब देता। लेकिन उसके दिल में तीनों दोस्तों के लिए बहुत प्यार था। वह हमेशा कहता, 'देखो जब तुम लोग कहते हो तो मैं तुम्हारे साथ खेलता हूं ना, तो फिर जब मैं पढ़ने को कहता हूं तो तुम्हें भी पढ़ना चाहिए ना? मेरे प्यारे दोस्तो, क्या तुमने वो कहावत नही सुनी कि 'खेलोगे कूदोगे तो बनोगे खराब। पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब', इसलिए खेलने के समय खेलो, पर पढ़ने के समय पढ़ भी लिया करो।' लेकिन किट्टू की यह बात सुनकर टीटू हमेशा हंस देता। कहता, 'सारा दिन तो क्लास में मैडम की बात सुनकर बोर हो जाते हैं और बाहर आते ही तुम शुरू हो जाते हो'।

अचानक मींकू बीच में ही बोलता है, 'अरे यार, न्यूईयर की पार्टी में अब सिर्फ 3 या 4 दिन ही बाकी रह गए हैं, तो बताओ कि इस बार की पार्टी का क्या प्लान है।' तभी बिट्टू बन्दर उछलने लगता है। भई वाह, न्यू ईयर पार्टी में बड़ा मजा आएगा।

क्या-क्या सोचा है, इस बार पार्टी के लिए। किट्टू खरगोश फिर कहता है, भाई, पार्टी तो बाद में भी की जा सकती है। जरा ये सोचो कि एग्जाम आने वाले है। अगर हम अभी से ही पढ़ना शुरू कर दें तो हम टॉप भी कर सकते हैं। टीटू हाथी फिर बीच में आकर कहता है, अभी एग्जाम की बात नहीं होगी, पहले पार्टी, बाकी सब उसके बाद।

अब किट्टू खरगोश चुप हो जाता है और कहता है, ठीक है भाई पहले पार्टी, लेकिन इस बार पार्टी मेरे यहां नहीं रखेंगे। टीटू हाथी फटाफट बीच में बोलता है। यप्पी इस बार पार्टी मेरे यहां रखेंगे। तो तय हुआ इस बार केक के साथ पेप्सी, समोसे, चाऊमीन और बर्गर जरूर होना चाहिए। मींकू मेढक खुशी जाहिर करते हुए चिल्लाने लगता है। इस बार बड़ा मजा आने वाला है। लेकिन हां, गाना बजाना भी जरूर होना चाहिए, ठीक है। और बिट्टू बन्दर लीडर बनता हुआ कहता है, हां, जरूर होगा। अब सारे दोस्त पार्टी की तैयारियों में बिजी हो जाते हैं। कोई डेकोरेशन की तैयारियों में बिजी, तो कोई खाने के सामान की जिम्मेदारी लेता है। लेकिन किट्टू खरगोश बड़ा समझदार होता है। वो सिर्फ केक लाने की जिम्मेदारी लेता है, जिसमें ज्यादा समय न खराब हो सके। वो अपने बाकी दोस्तों की तरह अपना सारा ध्यान पार्टी में लगाता। थोड़ा सा भी समय मिलता तो तुरन्त पढ़ने लगता। लेकिन बाकी सब पढ़ाई को भूल कर न्यू ईयर की तैयारी में बिजी चल रहे थे। अब न्यू ईयर की ईवनिंग आती है। बिट्टू बन्दर बड़ा खुश होता है। आज तो पार्टी है,ये सोचकर बार-बार मींकू मेढक को फोन करके पूछता रहता है, मैं कौन-सी शर्ट पहनूं और खूब तैयारियां करता है। मींकू भी पार्टी को लेकर बड़ा एक्साइटेड होता है। वहीं किटटू खरगोश अपना सारा ध्यान पढ़ाई पर लगाता है।

शाम को सब टीटू हाथी के घर इकट्ठा होते हैं। थोड़ी ही देर में पार्टी भी शुरू हो जाती है। बिट्टू बंदर खूब डांस करता है। जब सारे दोस्त मस्ती कर रहे होते हैं तो किटटू वहीं बैठकर यह सोचता है कि इस बार यूनिट टेस्ट में इन सबका क्या होगा, क्योंकि पार्टी के चक्कर में इन्होंने तैयारी तो की ही नहीं है। किट्टू खरगोश यह सोचते हुए ही वहां से निकल जाता है और घर पहुंचकर पढ़ना शुरू कर देता है। अगले दिन यूनिट टेस्ट होता है। सभी पेपर देते हैं, लेकिन किट्टू के तीनों दोस्त उदास हो जाते हैं। पेपर देखकर उन्हें समझ ही नहीं आता कि क्या लिखें। उनका पेपर देखकर मैडम भी उन्हें खूब डांटती हैं और कहती हैं, 'तुम्हारा ध्यान पढ़ने में बिल्कुल नहीं है। क्या तुम्हें नहीं पता था कि आज पेपर है। अपने दोस्त किट्टू से कुछ सीखो, वो कितना समझदार है। उसने पूरा पेपर किया है'। अपने दोस्तों को डांट पड़ती देख किटटू को बहुत बुरा लगता है। कुछ दिन बाद ही रिजल्ट आता है। मैडम किट्टू को शाबाशी देते हुए कहती हैं, 'तुमने टॉप किया है बेटा, वेलडन।' मैडम सभी बच्चों को रिजल्ट दे देती हैं, लेकिन किटटू के तीनों दोस्तों को नहीं देतीं। उन्हें पेरेंट्स को बुलाने को कहती हैं। यह सुनकर सभी डर जाते हैं। किट्टू के रिक्वेस्ट करने पर मैडम बताती हैं कि तीनों फेल हो गए हैं। किट्टू बहुत उदास होता है और खुशी भुलाकर दोस्तों को दिलासा देते हुए कहता है, 'कोई बात नहीं दोस्तो, इस बार अच्छे से मेहनत करना और तुम ही टॉप करना। लेकिन मुझे बहुत दुख हुआ है।' इसके बाद से किट्टू के तीनों दोस्त सुधर गए और वो भी किट्टू की ही तरह पढ़ाई में ध्यान लगे। फिर तो तीनों में यह शर्त लगती थी कि कौन फर्स्ट आएगा और कौन सेकेंड।

सारे दोस्त पार्टी की तैयारियों में बिजी हो जाते हैं। कोई डेकोरेशन की तैयारियों में बिजी, तो कोई खाने के सामान की जिम्मेदारी लेता है। लेकिन किट्टू खरगोश बड़ा समझदार होता है। वो सिर्फ केक लाने की जिम्मेदारी लेता है, जिसमें ज्यादा समय न खराब हो सके। वो अपने बाकी दोस्तों की तरह अपना सारा ध्यान पार्टी में लगाता।

सीडब्ल्यूजी 2026:

जादुमनी का दमदार आगाज

5-0 से जीत दर्ज कर बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

ग्लास्गो, एजेंसी। भारत के बॉक्सर जादुमनी सिंह मंडेन्गबाम ने कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 का आगाज दमदार प्रदर्शन के साथ किया है। जादुमनी ने पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड के एरन कलन को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। ग्लासगो के एसईसी हॉल में खेले गए इस मुकाबले में जादुमनी शुरू से आखिर तक विपक्षी बॉक्सर पर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने तेज पंच, सटीक निशाने और मजबूत डिफेंस के दम पर अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरे मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सभी पांच जजों ने हर राउंड में जादुमनी को विजेता माना और उन्हें 30-27 का एक जैसा स्कोर दिया।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद स्कॉटलैंड के एरन कलन भारतीय खिलाड़ी की गति और रणनीति के आगे बेबस नजर आए।

भारतीय बॉक्सर के एक के बाद एक पंचों का एरन कलन के पास कोई जवाब नहीं था। इस जीत के साथ जादुमनी राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए हैं। अब 26 जुलाई को उनका मुकाबला पाकिस्तान के रहमान से होगा। जादुमनी अगर पाकिस्तानी बॉक्सर के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहते हैं, तो वह क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लेंगे। जादुमनी को भारत की ओर से पदक का बड़ा उम्मीदवार माना जा रहा है।

जादुमनी की इस जीत से भारतीय बॉक्सिंग टीम ने प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत की है। भारतीय दल इस बार ज्यादा से ज्यादा पदक जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरा है। हालांकि, ग्लासगो में हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इस बार बैडमिंटन, रेसलिंग, हॉकी, क्रिकेट और शूटिंग को शामिल नहीं किया गया है। इन खेलों में पिछले बार भारत ने कई पदक अपने नाम किए थे। इससे पहले, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने बिना रिंग में उतरे ही बॉक्सिंग में भारत के लिए पहला पदक पक्का कर लिया था, क्योंकि उन्हें पहले राउंड में 'बाय' मिला और वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंच गईं। नियमों के अनुसार, कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में हार के बावजूद खिलाड़ी को कांस्य पदक दिया जाता है। लवलीना 31 जुलाई को पहली बार रिंग में नजर आएंगी और उनका मुकाबला टाफाकी से होगा। लवलीना अगर टाफाकी के खिलाफ जीत दर्ज करने में कामयाब रहती हैं, तो उनका कम से कम रजत पदक पक्का हो जाएगा।

FIH Youth Hockeyzs:

भारतीय टीम का गदर, पाकिस्तान को 7-3 से धोया

नई दिल्ली, एजेंसी। ओमान के मस्कट में खेली जा रही FIH यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने 24 जुलाई को अपना दबदबा कायम रखा. भारत ने एक ही दिन में दो बड़ी जीत दर्ज कीं, जहां उसने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराने से पहले मेजबान ओमान को 10-1 से करारी शिकस्त दी.

दिन के सबसे हाई-वोल्टेज मुकाबले में कप्तान केतन कुशवाहा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया. हाफ-

टाइम तक रोमित पाल, करन गौतम और कप्तान केतन के गोलों की बदौलत भारत 3-0 से आगे रहा. फिर दूसरे हाफ में प्रहलाद राजभर, शाहरुख अली, राहुल यादव और केतन के गोलों ने भारत की 7-3 से जीत पक्की कर दी.

सीडब्ल्यूजी: डे-2

भारत को पहला पदक, झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता कांस्य

ग्लास्गो, एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दूसरे दिन भारत को पहला पदक मिला। झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीता। अन्य खेलों में देश के खिलाड़ियों का हाल कैसा रहा? पैरा तैराकी समेत अन्य खेलों में किन भारतीय खिलाड़ियों ने कैसा प्रदर्शन किया? कौन नजदीकी अंतर से पदक से चूक गए? राष्ट्रमंडल खेल 2026 का दूसरा दिन फिलहाल जारी है। पैरा तैराकी और पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत को निराशा मिली है।

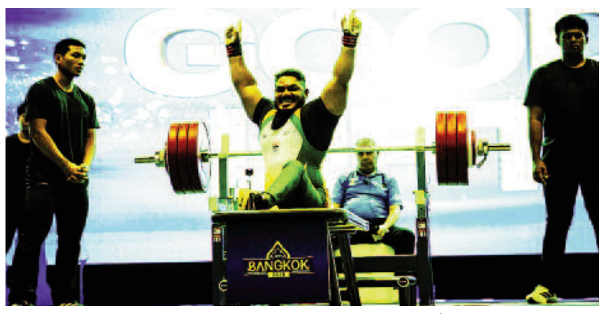

पुरुष और महिला दोनों वर्ग में भारत पदक लाने के करीब था, लेकिन अंत में पिछड़ गया। वहीं, पैरा तैराकी में बुडिगिना काफी करीब से कांस्य अपने नाम नहीं कर सके। आइए जानते हैं राष्ट्रमंडल खेल के दूसरे दिन क्या-क्या हुआ? ग्लास्गो में भारत को पहला पदक किसने दिलाया? पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पदक का खोल दिया है। पुरुष हेवीवेट के फाइनल में झंडू ने 130.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। झंडू ग्रुप बी में शीर्ष पर थे और एक समय स्वर्ण पदक जीतने के करीब थे, लेकिन नाइजीरिया के रिलुवान इदरिस और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने उन्हें तीसरे स्थान पर धकेल दिया। इदरिस ने 132.8 अंकों के साथ स्वर्ण और हार्डिंग ने 131 अंक के साथ रजत अपने नाम किया। भारत के एक अन्य पैरा पावरलिफ्टर सुधीर 114.1 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे।

'माइकल फेल्प्स', चाड ले क्लोस बने इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट

ग्लास्गो, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तैराक चाड ले क्लोस कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट बन गए हैं। ग्लास्गो में हो रहे गेम्स के दूसरे दिन पुरुषों की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में अपनी टीम के साथ मिलकर उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। 34 साल के क्लोस ने 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स डेब्यू किया था। वह 5वीं बार गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं। ओलंपिक में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड अमेरिका के दिग्गज स्विमर माइकल फेल्प्स के नाम है।

चाड ले क्लोस के 19 मेडल हुए

ब्रॉज मेडल के साथ ही चाड ले क्लोस के करियर में कॉमनवेल्थ गेम्स पदकों की संख्या 19 हो गई है। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के माइक गॉल्ट को पीछे छोड़ दिया है। दोनों ने ही 19-19 मेडल जीते थे। रिकॉर्ड बनाने के बाद भावुक ले क्लोस ने कहा- मुझे ब्रॉन्ज मेडल पर नहीं गोल्ड मेडल पर रोना चाहिए था, लेकिन सच कहूं तो यह उपलब्धि मेरे लिए दुनिया के बराबर है।

विराट कोहली से मेरा कोई झगड़ा नहीं...

- **ट्रेविस हेड ने IPL विवाद पर पहली बार तोड़ी चुप्पी, ट्रोलिंग पर भी छलका दर्द**

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली के साथ विवाद और उसके बाद हुई सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर पहली बार खुलकर अपनी बात रखी है. हेड ने उन सभी अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच के बाद उनके और विराट कोहली के रिश्तों में खटास आ गई थी. दरअसल, मैच खत्म होने के बाद कैमरे में एक ऐसा दृश्य कैद हुआ था, जिसमें देखा गया कि विराट कोहली ने ट्रेविस हेड से हाथ नहीं मिलाया. इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों खिलाड़ियों के बीच मनमुटाव की खबरें तेजी से फैल गईं. हालांकि अब हेड ने खुद इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है. कोड स्पोर्ट्स से बातचीत में ट्रैहेड ने कहा कि विराट कोहली के साथ उनके रिश्ते सामान्य हैं और किसी तरह के विवाद की बात पूरी तरह बेबुनियाद है. उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि पैच-अप करने जैसा कुछ है. ऐसी कोई बात ही नहीं है. टूर्नामेंट जैसा चला, वैसा ही सब कुछ हुआ. इसमें कोई हैरानी वाली बात नहीं थी.' हेड के इस बयान के बाद विराट और उनके बीच विवाद की सभी अटकलों पर विराम लग गया है. हेड ने बताया कि मैदान पर होने वाली घटनाओं को वह एक पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर संभाल लेते हैं, लेकिन जब सोशल मीडिया पर उनके परिवार को निशाना बनाया गया तो स्थिति काफी अलग हो गई.

ट्रेविस हेड का दर्द छलक पड़ा

उन्होंने कहा, 'जेसिका और मैं चीजों को सही नजरिए से देखते हैं. हम जानते हैं कि यह उसी दुनिया का हिस्सा है, जिसमें हम रहते हैं. लेकिन असली परेशानी तब हुई, जब मामला परिवार के दूसरे सदस्यों तक पहुंच गया. वे लोग ऐसी चीजें देखने के आदी नहीं हैं.' विवाद के दौरान ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका हेड को भी सोशल मीडिया पर कई आपत्तिजनक संदेश मिले थे. ट्रेविस हेड ने कहा कि उनकी पत्नी ने पूरे मामले को बेहद परिपक्वता के साथ संभाला. उन्होंने कहा, 'कुछ दिनों बाद लोग सब भूल जाते हैं. जेसिका ने इस पूरे मामले को शानदार तरीके से संभाला. असली चुनौती यह होती है कि परिवार के बाकी लोग इन चीजों को किस तरह लेते हैं.'

हेड ने साफ संकेत दिया कि खिलाड़ियों की आलोचना खेल का हिस्सा हो सकती है, लेकिन उनके परिवार को सोशल मीडिया पर निशाना बनाना सही नहीं है.

निकोलस ने किया इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। उन्होंने अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। ओटामेंडी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'आज मुझे अपने पूरे करियर के सबसे मुश्किल शब्द लिखने पड़ रहे हैं। मैंने बहुत कम उम्र से ही अर्जेंटीना की नेशनल टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था; यह फुटबॉल से मिला मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। मैंने पूरी शिद्दत, गर्व और इस जिम्मेदारी के एहसास के साथ इसका बचाव किया कि लाखों अर्जेंटीना वासियों के लिए इसका क्या मतलब है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच के रूप में खेला। इस मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। निराशाजनक नतीजे के बावजूद, ओटामेंडी ने कहा कि उन्हें टीम की कोशिश पर गर्व है। 'किस्मत को यही मंजूर था कि मेरा आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल हो। नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा हम चाहते थे, लेकिन मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि इस ग्रुप ने आखिरी सेकंड तक कोशिश की। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं इस सुकून के साथ विदा ले रहा हूं कि मैंने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया। मैंने कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ी, कभी भरोसा नहीं खोया और हमेशा यही महसूस किया कि यह जर्सी मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान थी। '

वेस्टइंडीज की टीम में इस 'मिस्ट्री स्पिनर' की एंट्री

पाकिस्तानी बैटर्स की उड़ेगी नींद!

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी. यह सीरीज 25 जुलाई से 6 अगस्त तक खेली जाएगी और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 का हिस्सा होगी. ऐसे में दोनों टीमों के लिए ये सीरीज काफी अहम है. श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में 1-0 से टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम के अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है. अनुभवी ऑलराउंडर रोस्टन चेज विंडीज की टीम की कमान संभालते रहेंगे. उधर बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशप को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया है. 26 साल के बिशप का घरेलू रिकॉर्ड काफी शानदार रहा है. उन्होंने सिर्फ 25 फर्स्ट क्लास मैचों में 23.90 की औसत से 116 विकेट झटके हैं. वहीं उन्होंने फर्स्ट क्लास मैचों में 30.76 के एवरेज से 1046 रन बनाए हैं. बिशप ने 54 लिस्ट-ए मैचों में 79 और 16 टी20 मुकाबलों में 12 विकेट भी चटकाए हैं.

मैकेंजी की टीम में वापसी: 25 वर्षीय ओपनिंग बल्लेबाज किर्क मैकेंजी की टेस्ट टीम में वापसी हुई है. उन्होंने आखिरी टेस्ट 2024 में इंग्लैंड दौरे पर खेला था .मैकेंजी ने वेस्टइंडीज चैंपियनशिप के हालिया सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने छह पारियों में 323 रन बनाए और उनका औसत 64.60 रहा. शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने टीम में वापसी की है.

भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का दिल्ली में आयोजन!

- **तारीखों में हो सकता है बदलाव**

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि सितंबर में वह नई दिल्ली में भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज की मेजबानी के लिए तैयार है। हालांकि, बांग्लादेश और भारत के बीच सीरीज पर अभी असमंजस जारी है।

फिलहाल अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में होने वाली सीरीज की तारीखें 13, 15 और 17 सितंबर बताई गई हैं। मगर भारत और बांग्लादेश सीरीज के चलते इसकी तारीखें बदल सकती

हैं, मगर सीरीज होना पक्का है। आपको बता दें कि रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच छह मैचों की व्हाइट बॉल सीरीज (तीन टी20 और तीन वनडे) की उम्मीदें अभी बरकरार हैं। शुक्रवार को यह खबर सामने आई है कि भारतीय सरकार ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 18वें BRICS सम्मेलन (जो सितंबर में होना है) के लिए आमंत्रित किया है।

इसके बाद उम्मीदें हैं कि दोनों क्रिकेट बोर्ड और सरकारों के बीच संबंध फिर पुराने जैसे हो जाएंगे। जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि वह भारत के खिलाफ 1 से 13 सितंबर तक सीरीज की मेजबानी कर सकती है। इसी कारण भारत और अफगानिस्तान सीरीज की तारीखें थोड़ी बदल सकती हैं। क्रिकबज ने पहले इस बात की जानकारी दी थी कि बांग्लादेश बोर्ड के द्वारा मीडिया राइट्स के लिए अभी EoI दस्तावेज नहीं जारी किए गए हैं। पहले सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों के कारण भारत के बांग्लादेश को आगे बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई थी।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (रविवार)
26 जुलाई 2026

खुद को बार-बार बदलना ही सबसे बड़ी चुनौती

सिंगर-गीतकार के रूप में की नई शुरुआत

हॉरर फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री टिया बाजपेयी इन दिनों अपने नए म्यूजिक सिंगल 'नंबर 1' को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में उन्होंने सिर्फ अभिनय नहीं किया, बल्कि इसके बोल भी खुद लिखे हैं। टिया का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि इसके जरिए वह एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में दर्शकों के सामने आई हैं। टिया बाजपेयी ने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''मेरे लिए कलाकार होने का मतलब कभी सिर्फ एक ही क्षेत्र तक सीमित रहना नहीं रहा। अभिनय और संगीत, दोनों ही मेरे दिल के बेहद करीब हैं। 'नंबर 1' के जरिए मुझे पहली बार इन दोनों चीजों को एक साथ जोड़ने का मौका मिला। इस गाने के बोल लिखना और फिर उसी पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर परफॉर्म करना बेहद संतोष देने वाला अनुभव रहा।'' उन्होंने कहा, ''किसी भी कलाकार के लिए खुद को नए रूप में पेश करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। मैं खुश हूं कि अब दर्शक मुझे एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में देख रहे हैं। उम्मीद है कि वे मेरे नए रूप को भी उतना ही पसंद करेंगे, जितना अब तक मेरे काम को करते आए हैं।'' टिया ने गाने की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, ''रेगिस्तान में शूटिंग के दौरान मेरी फरारी रेत में फंस गई थी। प्रोडक्शन टीम मेरी ही फरारी का इस्तेमाल शूटिंग के लिए कर रही थी, इसलिए उसे बाहर निकालना जरूरी था। करीब नौ लोगों ने मिलकर कार को धक्का लगाया, तब जाकर वह रेत से बाहर निकली। शायद पहली बार किसी फरारी का इस्तेमाल प्रोडक्शन कार और मेरी निजी वॉर्डरोब कार के रूप में किया गया।'' 'नंबर 1' टिया बाजपेयी का पहला ऐसा म्यूजिक वीडियो है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आ रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके अभिनय, गायकी और गीत लेखन के सफर में नया कदम माना जा रहा है।

जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं कृति सेनन, हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' ने बदली सोच

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

'ऑब्सेशन' ने सोचने पर मजबूर किया

कृति सेनन ने हाल ही में 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' के साथ बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया।

कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'।

सेफ नहीं चलना

कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं रकुल प्रीत सिंह

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। बीते दिन शनिवार को इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस मौके पर रकुल प्रीत सिंह भी शामिल हुईं। फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है। रकुल प्रीत सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिनेमा से भी आगे की एक यात्रा बताया है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने 'रामायण' के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट की झलकियां शेयर कीं। साथ ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में बात की। इवेंट में रकुल प्रीत येलो कलर की ड्रेस में नजर आईं।

उन्होंने लिखा है, 'एक ऐसी चीज का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो जिंदगी और सिनेमा से भी कहीं बड़ी है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी रामायण। हम दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एहसास सचमुच शब्दों से परे है। आप सभी के हमारे साथ इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है'।

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में शूर्पणखा की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में होंगे। वहीं, साई पल्लवी माता सीता का रोल कर रही हैं। एक्टर यश रावण की अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी।

सामंथा ने करण जौहर को बताया 'नाखुश शादियों' की वजह

सामंथा रुथ प्रभु जब फिल्ममेकर करण जौहर के मशहूर शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 7 में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने करण को लेकर एक मजेदार लेकिन तीखी बात कही। शो में उनके साथ बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार भी मौजूद थे। सामंथा ने करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' से मजाक में कहा कि देश में होने वाली कई नाखुश शादियों के जिम्मेदार कहीं न कहीं वही हैं। सामंथा ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि करण ने अपनी फिल्मों में शादी, महंगे लहंगे और गानों को इतने शानदार तरीके से दिखाया है कि लोगों की उम्मीदें हकीकत से बहुत दूर हो गई हैं। सामंथा ने कहा, 'बचपन से ही आपने लोगों को दिखाया है कि जिंदगी 'कभी खुशी कभी गम' जैसी खूबसूरत होती है, जबकि असल जिंदगी 'केजीएफ' जैसी मुश्किलों से भरी होती है।'

कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत

भोजपुरी अभिनेता और नेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर लंबे समय से हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। आलोचकों ने भोजपुरी सिनेमा में महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाने और अश्लील कंटेंट को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए हैं। इस पर निरहुआ ने कहा कि कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत है। निरहुआ ने कहा कि हर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री अलग-अलग तरह का कंटेंट बनाती है और सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को ही अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री में हर तरह की फिल्में और हर तरह का कंटेंट बनता है जैसे बॉलीवुड, साउथ इंडियन सिनेमा, भोजपुरी सिनेमा और मराठी सिनेमा हैं, वैसे ही हर इंडस्ट्री दर्शकों के हर वर्ग की पसंद का ध्यान रखती है।' भोजपुरी फिल्मों में ज्यादातर आपत्तिजनक कंटेंट होने के सवाल पर निरहुआ ने कहा, 'जब हम सिर्फ एक खास तरह के काम को ही दिखाते हैं तो ऐसा लगने लगता है कि वहां बस वैसा ही काम हो रहा है। यह सच नहीं है। अच्छा और बुरा काम हर जगह होता है।' एक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कमियां हर इंडस्ट्री में होती हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री की पहचान नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं एक बहुत अच्छी बात कहूंगा, 'लाख बुराइयां सबमें होती हैं। कोई भी इंसान कमियों से परे नहीं होता। ऐसा कोई बाग दिखा दीजिए जहां गुलाब में कांटे न हों। यह हर जगह होता है। बस कुछ चीजें अधिक दिखाई जाती हैं, इसलिए लोगों को लगने लगता है कि वहां बस वही सब है।'

भोजपुरी सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक निरहुआ ने कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई है, जिनमें 'निरहुआ रिक्शावाला', 'निरहुआ हिंदुस्तानी', 'पटना से पाकिस्तान', 'बॉर्डर', 'सिपाही', 'जिगरवाला' और 'निरहुआ चलल लंदन' शामिल हैं। खासकर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है। भोजपुरी फिल्मों के अलावा इस एक्टर ने हिंदी एंटरटेनमेंट की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में उन्हें ओटीटी सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' सीजन 2 में देखा गया, जिसमें दर्शकों ने उनके काम को काफी पसंद किया। दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने ही इस शो की खूब तारीफ की। इस शो में अमोल पाराशर, विनय पाठक और आकांक्षा रंजन भी अहम भूमिकाओं में थे।

डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक

टीवी अभिनेत्री जयति भाटिया लंबे समय से छोटे पर्दे पर दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन नकारात्मक भूमिकाओं में उनकी पहचान सबसे ज्यादा मजबूत रही है। इन दिनों वह टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

पर्दे पर खलनायिका का किरदार निभाना जितना आसान दिखाई देता है, असल में उसे घंटों तक जीना किसी कलाकार के लिए बड़ी चुनौती है। जयति भाटिया ने इसी अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निगेटिव है। अभिनेत्री ने बताया कि कहानी में जैसे-जैसे नए मोड़ आते गए, वैसे-वैसे शारदा का नकारात्मक पक्ष भी मजबूत होता गया। ऐसे में रोजाना 12 से 14 घंटे तक उसी सोच और भावनाओं के साथ काम करना एक बड़ी चुनौती बन गया।

उन्होंने कहा, ''पिछले डेढ़ साल से ज्यादा समय से इस किरदार को निभाना मेरे अभिनय सफर का बेहद खास हिस्सा रहा है। हर नए एपिसोड और हर नए ट्रैक के साथ शारदा का स्वभाव और ज्यादा चालाक, साजिश करने वाला और नकारात्मक होता गया। ऐसे में हर दिन 12 से 14 घंटे तक उसी मानसिक स्थिति में बने रहना आसान नहीं होता। इस किरदार ने मेरे अभिनय के स्तर को काफी मजबूत बनाया है और हर दिन कुछ नया सीखने का मौका दिया है।'' अभिनेत्री ने साफ किया कि वह शूटिंग खत्म होने के बाद खुद को किरदार से पूरी तरह अलग कर लेती हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे ही पैकअप होता है, मैं शारदा को सेट पर ही छोड़ देती हूं और फिर दोबारा जयति बन जाती हूं। मेरे लिए यह जरूरी है, ताकि मैं अपनी निजी जिंदगी को इस किरदार से प्रभावित न होने दूं। अगर कलाकार ऐसा न करे तो लगातार नकारात्मक किरदार निभाना मानसिक रूप से काफी थका देने वाला हो सकता है।''

असली जिंदगी में मैं ऐसी नहीं हूं

सेट पर सभी कलाकार अच्छी तरह जानते हैं कि शारदा सिर्फ किरदार है, असली जिंदगी में मैं ऐसी बिल्कुल नहीं हूं। कैमरे के पीछे हम सभी साथ बैठकर हंसते हैं, बातें करते हैं और अच्छा समय बिताते हैं। इस माहौल की वजह से मुझे अपने किरदार के तनाव से बाहर आने में भी काफी मदद मिलती है।'' अभिनेत्री ने दर्शकों की प्रतिक्रिया पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''जब दर्शक शारदा पर गुस्सा होते हैं या उसके कामों की आलोचना करते हैं, तो मैं इसे अपनी तारीफ मानती हूं। इसका मतलब है कि उन्होंने मुझे इस किरदार में पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। मैं ऐसी प्रतिक्रियाओं को कभी व्यक्तिगत तौर पर नहीं लेती। बल्कि यही बातें मुझे शारदा के किरदार को और ज्यादा सच्चाई और मजबूती के साथ निभाने के लिए प्रेरित करती हैं। मेरे लिए एक मजबूत नकारात्मक किरदार निभाने का यही सबसे बड़ा इनाम है।''

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (रविवार)
26 जुलाई 2026

संक्षिप्त समाचार

चेक गणराज्य में सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश, 5 सैनिक थे सवार ; एक की मौत की खबर

प्राग, एजेंसी। चेक गणराज्य के पूर्वी हिस्से में गुरुवार को सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलिकॉप्टर में 5 सैनिक सवार थे। चेक सेना ने बताया कि हादसा नामेस्ट नाद ओस्लावोउ स्थित सैन्य अड्डे पर हुआ। हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। समाचार एजेंसी सीटीके के मुताबिक, हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है। सेना ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर यूएच-1वाई वेनम था। यह बेल टेक्सट्रॉन द्वारा निर्मित बहुउद्देशीय हेलिकॉप्टर है, जिसमें जनरल इलेक्ट्रिक के दो टी700-जीई-401सी इंजन लगे होते हैं।

फ्रांस में जंगल की आग के कारण 10 हजार से ज्यादा लोग सुरक्षित निकाले गए

पेरिस, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में तेजी से फैल रही जंगल की आग के कारण रातभर में 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, बोर्डो शहर के पश्चिम में लगी आग अब तक करीब 2 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को अपनी चपेट में ले चुकी है। आग पर काबू पाने के लिए करीब 500 दमकलकर्मी जुटे हुए हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, आग बेहद तेजी से फैल रही है, हालांकि अब तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यह आग आर्कशों खाड़ी के पास लगी है, जो पर्यटकों के बीच लोकप्रिय इलाका है। आग के कारण निकाले गए लोगों में बड़ी संख्या में कैंपिंग साइट्स पर ठहरे पर्यटक शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक यूरोप में जंगल की आग से जलने वाला क्षेत्र पिछले 20 वर्षों के वार्षिक औसत से अधिक हो चुका है। दुनिया के सबसे तेजी से गर्म हो रहे महाद्वीप यूरोप में इस साल अब तक लगातार तीन भीषण हीटवेव भी पड़ चुकी हैं।

फ्रांस में 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन : ऐसा करने वाला पहला ईयू देश

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की संसद ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक लगाने वाला बिल पास कर दिया है। इसके साथ ही फ्रांस ऐसा कानून बनाने वाला ईयू का पहला देश बन गया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बिल का समर्थन किया है और इसे सितंबर से लागू करने की तैयारी है। कानून लागू कराने की जिम्मेदारी डिजिटल रेगुलेटर आर्कोम की होगी। हालांकि, बच्चों की उम्र की जांच कैसे होगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। फ्रांस के बाद ब्रिटेन, स्पेन, ग्रीस और डेनमार्क भी सोशल मीडिया के लिए न्यूनतम उम्र तय करने की तैयारी में हैं। फ्रांस के कई माता-पिता ने फैसले का स्वागत किया है, जबकि कुछ किशोरों को एजुकेशनल कंटेंट और दोस्तों से संपर्क प्रभावित होने की चिंता है। शिक्षा मंत्री और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी कहा है कि सिर्फ बैन काफी नहीं होगा, बच्चों को डिजिटल दुनिया के सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में शिक्षित करना भी जरूरी है।

थाईलैंड में हिंसा : दक्षिणी प्रांत में सुरक्षा चौकी पर हमला, गोलीबारी-पाइप बम विस्फोट में पांच सैनिकों की मौत

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के दक्षिणी प्रांत नाराथिवाट में सुरक्षा चौकी पर हुए एक बड़े आतंकी हमले में पांच सैनिकों की मौत हो गई। हमलावरों ने पहले सुरक्षा चौकी पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की और फिर पाइप बम फेंककर हमला किया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। थाईलैंड की रॉयल आर्मी की इंटरनल सिक्योरिटी ऑपरेशंस कमांड के अनुसार, यह हमला 22 जुलाई की शाम नाराथिवाट प्रांत के रा-न्गे जिले के बुकेह सामी चेकपॉइंट पर हुआ। उस समय 45वीं रेंजर फोर्स रेजिमेंट के जवान सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान हथियारबंद हमलावरों ने अचानक हमला कर दिया। आईएसओसी ने सभी शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने दक्षिणी सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान अधिकारियों को सी साखोन जिले में एक वाहन मिला, जिसे हमले में इस्तेमाल किए जाने का संदेह है। अधिकारियों के मुताबिक, हमलावरों ने सबूत मिटाने के लिए उस वाहन को आग के हवाले कर दिया था। फोरेंसिक टीम ने हमले वाली जगह और बरामद वाहन दोनों स्थानों से साक्ष्य जुटाए हैं। इनकी मदद से हमलावरों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है। आईएसओसी ने कहा कि सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मिलकर आरोपियों की तलाश कर रही हैं। साथ ही इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है ताकि आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि हमलावरों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के सामने पेश किया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मु की रोमानिया यात्रा से बदले समीकरण: AI से ग्रीन एनर्जी तक साथ चलेंगे दोनों देश, सहयोग पर फोकस

बुखारेस्ट, एजेंसी। भारत और रोमानिया ने गुरुवार को आर्थिक सहयोग को अपनी द्विपक्षीय साझेदारी का अहम स्तंभ बताते हुए अगले तीन वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया। साथ ही दोनों देशों ने फार्मास्यूटिकल्स, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह घोषणा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की रोमानिया यात्रा के दौरान हुई, जो पिछले तीन दशकों में किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली आधिकारिक यात्रा है।

क्या कहा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल और संस्कृति से जुड़े तीन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और रोमानिया के बीच सात दशकों से अधिक पुरानी मित्रता आपसी विश्वास, सम्मान और मजबूत जन-से-जन संबंधों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि समय के साथ यह साझेदारी लगातार मजबूत हुई है और अब यह अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों, गहरे सहयोग और साझा भविष्य की नई दिशा में आगे बढ़ रही है।

आर्थिक सहयोग को लेकर क्या बनी सहमति : राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आर्थिक सहयोग दोनों देशों की साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार है। दोनों देश व्यापार और निवेश को बढ़ावा देंगे, आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को मजबूत करेंगे और दोनों देशों के उद्योगों के बीच घनिष्ठ सहयोग को प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने बताया कि अगले तीन

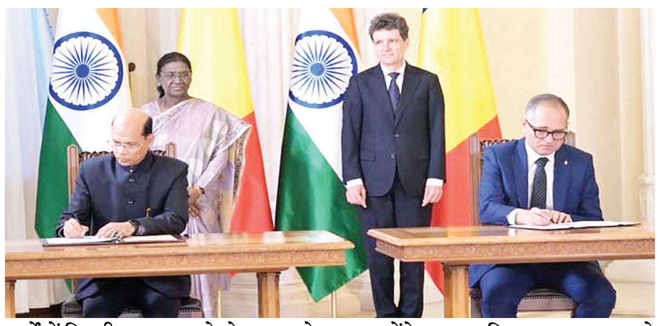

वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया गया है।

किन-किन क्षेत्रों में बढ़ेगा सहयोग : राष्ट्रपति ने बताया कि भारत और रोमानिया ने विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग), दवा उद्योग, स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, कृषि उत्पादन, उर्वरक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं की पूरक क्षमताओं का लाभ उठाकर इस सहयोग को आगे बढ़ाया जाएगा।

रक्षा क्षेत्र में क्या हुआ फैसला : राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि रक्षा सहयोग भी भारत-रोमानिया संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। दोनों देशों ने नियमित आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाकर इस साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की है।

आईटीईसी और एआई प्रशिक्षण को लेकर क्या घोषणा हुई : उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने रोमानिया के लिए भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण अवसरों की संख्या दोगुनी करने का निर्णय लिया है। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे। इसके अलावा भारतीय विदेश सेवा संस्थान ने रोमानियाई राजनयिकों को आगामी पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया है, जिसमें एआई और साइबर कूटनीति पर विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर किस सहयोग पर बनी सहमति : राष्ट्रपति मुर्मु ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के तहत जारी सहयोग का स्वागत किया। उन्होंने यह भी कहा कि रोमानिया ने आपदा-रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) और ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस से जुड़ने की इच्छा जताई है, जिसका भारत ने स्वागत किया है।

2028 को लेकर क्या खास घोषणा हुई : राष्ट्रपति मुर्मु ने बताया कि वर्ष 2028 में भारत और रोमानिया के बीच राजनयिक संबंधों के 80 वर्ष पूरे होंगे। इस अवसर को दोनों देशों ने 'भारत-रोमानिया नवाचार वर्ष' के रूप में मनाने पर सहमति जताई है।

वैश्विक मुद्दों पर क्या चर्चा हुई : दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई ताकि वैश्विक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

राष्ट्रपति मुर्मु ने रोमानिया को क्या संदेश दिया : राष्ट्रपति मुर्मु ने रोमानिया सरकार और वहां के लोगों द्वारा मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही रोमानिया के राष्ट्रपति निकुशोर दान का नई दिल्ली में स्वागत करने की उम्मीद करती हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और रोमानिया के राष्ट्रपति निकुशोर दान के बीच सार्थक और व्यापक बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की और साझा हितों के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का बुखारेस्ट स्थित कोट्रोचेनी पैलेस में औपचारिक स्वागत किया गया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। इसी अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल तथा बुखारेस्ट विश्वविद्यालय में भारतीय अध्ययन पीठ (चेयर ऑफ इंडियन स्टडीज़) की स्थापना से जुड़े तीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

बांग्लादेश खसरा प्रकोप का कहर, दो बच्चों की मौत के बाद मरने वालों का आंकड़ा 805 पहुंचा

ढाका, एजेंसी। स्वास्थ्य कारणों के चलते बांग्लादेश खसरा प्रकोप ने पूरे देश में हाहाकार मचा दिया है। गुरुवार को इस जानलेवा बीमारी के लक्षणों वाले दो और बच्चों की बेहद दर्दनाक मौत हो गई। इन नई मौतों के साथ ही इस भयंकर बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 805 तक पहुंच गई है। पूरे देश में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है और अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के अनुसार पिछले 24 घंटों में ये दोनों नई मौतें दर्ज की गई हैं। समाचार एजेंसी यूएनबी के मुताबिक इन दोनों मौतों को फिलहाल संदिग्ध खसरे से हुई मौत ही माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार खसरे से पक्के तौर पर हुई मौतों की संख्या 95 है, जबकि संदिग्ध मौतों का आंकड़ा 710 हो गया है। इस बड़े स्वास्थ्य संकट को देखकर अधिकारियों और सरकार की चिंता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

संक्रमण के नए डराने वाले आंकड़े : डीजीएचएस ने बताया है कि पिछले 24 घंटों में खसरे के 848 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं। 15 मार्च से अब तक दर्ज किए गए संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,21,200 हो गई है। इसी दौरान खसरे के 166 नए पुष्टि किए गए मामले भी सामने आए, जिससे कुल पुष्टि मामले 15,007 हो गए। खसरे से हर दिन औसतन लगभग चार बच्चों की मौत हो रही है और 800 लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है।

जुलाई के पहले तीन हफ्तों में भी इस जानलेवा बीमारी से हालात बहुत ही ज्यादा गंभीर बने हुए थे। डीजीएचएस के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान हर दिन औसतन 1,005 संदिग्ध और पुष्टि किए गए मामले सामने आए। औसतन 821 लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा और लगभग चार लोगों की हर दिन दुखद मौत हुई। सरकार का कहना है कि उसने अपना आपातकालीन खसरा टीकाकरण अभियान का बड़ा लक्ष्य पूरा कर लिया है। नेशनल वेरिफिकेशन कमेटी के अध्यक्ष महमूदुर रहमान ने कहा है कि हालात में कुछ सुधार जरूर हुआ है।

अपना ही एक नियम तोड़ रहे नेपाल के पीएम

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह खुद का बनाया अपना एक नियम तोड़ रहे हैं। ऐसा भारत और चीन से नेपाल के रिश्तों में संतुलन लाने के लिए किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक बालेन शाह ने काठमांडू में तैनात अन्य देशों के राजदूतों से अकेले मीटिंग न करने का निर्णय लिया था। लेकिन अब ऐसी सूचना आई है कि पीएम शाह इस हफ्ते भारतीय और चीनी राजदूतों से अलग-अलग मिलने की योजना बना रहे हैं। नेपाल इस बात पर जोर देना चाहता है कि उसके लिए भारत और चीन का महत्व समान है। काठमांडू पोस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया कि बालेन शाह जल्द ही भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीनी राजदूत झांग माओमिंग से मिलने वाले हैं।

मीटिंग की डेट तय नहीं : हालांकि अभी इस मीटिंग की एग्जैक्ट तारीख सामने नहीं आई है। एनडीटीवी के मुताबिक नेपाल सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि मीटिंग की डेट बहुत जल्द ही सामने आएगी। यह फैसला बालेन शाह सरकार ने अपने पहले 100 दिन पूरी कर लिए थे। बता दें कि बालेन शाह नेपाल में जेन जी के विद्रोह के बाद सत्ता में आए थे। इसके नेपाल के प्रधानमंत्री ने लंबे समय से चली आ रही कूटनीतिक प्रथाओं को छोड़ दिया और विदेशी दूतों से व्यक्तिगत रूप से मिलने से इनकार कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने दो बार काठमांडू में तैनात राजदूतों के साथ संयुक्त कूटनीतिक बैठकें की हैं। कूटनीतिक परंपरा यह रही है कि हर नया निर्वाचित प्रधानमंत्री कार्यकाल संभालने के कुछ दिनों के भीतर प्रधानमंत्री कार्यालय या उनके आधिकारिक निवास पर विदेशी राजदूतों से व्यक्तिगत रूप से मिलते हैं। लेकिन बालेन के मामले में अभी तक एक बार अपवाद हुआ है। उन्होंने जुलाई की शुरुआत में नेपाल के अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मसातो कंदा से मुलाकात की। काठमांडू मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाह ने हाल ही में व्यापार समुदाय, जिसमें व्यापारी, ठेकेदार, उद्योगपति और निर्यातक समूह के साथ नियमित रूप से जुड़ना भी शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि प्रधानमंत्री ने पिछले दो सप्ताह में विभिन्न हितधारकों से मिलना शुरू कर दिया है। अब हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उन्हें विदेशी राजदूतों और राजनयिकों के साथ भी बातचीत करनी चाहिए।

पाकिस्तान ने सीजेपी प्रदर्शन को बताया भारत का आंतरिक मामला, टिप्पणी करने से किया इनकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लेकर अब पाकिस्तान का आधिकारिक बयान आ गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस पूरे विवाद को भारत का आंतरिक मामला बताते हुए टिप्पणी से इनकार कर दिया है। साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में पाक प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि वे ऐसे मामलों पर कोई भी बयान नहीं देते हैं। यह प्रदर्शन नीट परीक्षा में हुई कथित धांधली को लेकर चल रहा है जिसमें हजारों छात्र अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। यह विशाल आंदोलन अब अपने पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और छात्रों का गुस्सा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। प्रदर्शनकारी मुख्य रूप से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में बड़े सुधार की मांग कर रहे हैं। बीस जुलाई को संसद मार्च के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद यह आंदोलन और उग्र हो गया है। इस बीच सोनम वांगचुक ने भी छात्रों के समर्थन में चल रहा अपना पच्चीस दिनों का लंबा अनशन अब पूरी तरह से खत्म कर दिया है।

पीएम मोदी ने दिया सख्त निर्देश : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीट पेपर लीक मामले को बहुत गंभीरता से लेते हुए कुछ अहम और बड़े फैसले लिए हैं। उन्होंने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक के मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का ऐलान किया है। पीएम ने कहा कि छात्रों के सुरक्षित भविष्य की रक्षा करना सरकार की सबसे बड़ी और अहम प्राथमिकता है। सरकार दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाने के लिए सभी जरूरी और सख्त कदम उठा रही है। सरकार का बातचीत का प्रस्ताव केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत करने का अपना प्रस्ताव एक बार फिर से दोहराया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार अब तक चार बार सीजेपी से बातचीत का प्रस्ताव दे चुकी है। सरकार स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के साथ छात्रों की वार्ता कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि, छात्रों ने नड्डा के आवास पर बैठक से इनकार करते हुए किसी तटस्थ स्थान पर बातचीत की मांग रखी है।

पुलिस और छात्रों के बीच झड़प : बीस जुलाई को आयोजित संसद चलो मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और दिल्ली पुलिस के बीच भारी हिंसक झड़प हुई थी। छात्रों का सीधा आरोप है कि पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। वहीं दिल्ली पुलिस का कहना है कि छात्रों ने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने की बहुत कोशिश की थी। इसके बाद ही हालात को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा था।

पाकिस्तान की कूटनीतिक चुप्पी : इस पूरे मामले पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया से कई तरह के कूटनीतिक संकेत भी बहुत साफ मिल रहे हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बहुत ही सधे हुए अंदाज में इसे भारत का मामला बताकर खुद को किनारे कर लिया है। प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने मानवाधिकारों के सवाल पर भी बहुत ही स्पष्ट और सीधा जवाब देने से खुद को बचाया। इससे यह साफ होता है कि पाकिस्तान फिलहाल भारत के इस आंतरिक और संवेदनशील मुद्दे पर कोई भी दखल नहीं चाहता। सरकार के लाख मनाने के बावजूद भी प्रदर्शनकारी छात्र फिलहाल अपनी मांगों से पीछे हटने को बिल्कुल तैयार नहीं हैं। छात्रों का स्पष्ट कहना है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, यह विशाल आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा।

लगातार 13वीं रात अमेरिका ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर किए हमले, होर्मुज विवाद से तेल की कीमतों में भारी उछाल

वाशिंगटन, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में युद्ध का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने गुरुवार को ईरान पर लगातार 13वीं रात जोरदार और भारी हवाई हमले किए हैं। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक बंदर अब्बास के पश्चिमी इलाके में कई विस्फोटों की तेज आवाजें सुनी गई हैं। दोनों देशों के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण को लेकर यह गंभीर सैन्य टकराव अब अपने चरम पर पहुंच चुका है।

इस बीच यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने भी लाल सागर में सऊदी अरब के दो तेल टैंकरों पर हमला किया है। इन लगातार हो रहे बड़े हमलों के कारण दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बहुत गहरी चिंता बढ़ गई है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 6 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर करीब 100 डॉलर प्रति बैरल के पास पहुंच गई है। यह मई के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत का सबसे ऊंचा और खतरनाक स्तर माना जा रहा है।

अमेरिकी सेना का बड़ा बयान : अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इन नए हमलों की आधिकारिक पुष्टि करते हुए अपनी अहम जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शाम 6:45 बजे ईरानी सैन्य ठिकानों के खिलाफ यह बड़ा अभियान शुरू किया गया था। यह लगातार 13वीं रात है जब अमेरिका ने ईरान को जवाबदेह ठहराने के लिए इतने बड़े हमले किए हैं। इसका मुख्य मकसद कमर्शियल जहाजों को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से मिलने वाले खतरे को कम करना है।

स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज विवाद : अमेरिका के इन ताजा और बड़े हमलों का सीधा मकसद क्षेत्रीय जल से गुजरने वाले आम नाविकों की सुरक्षा करना है। वाशिंगटन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर फिर से नियंत्रण पाने और अपनी सुरक्षित शिपिंग को बहाल करने की कोशिश कर रहा है। दूसरी तरफ ईरान ने इस बेहद अहम समुद्री व्यापारिक रास्ते होर्मुज को पूरी तरह से बंद कर दिया है। इसी कारण दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के सामने आ गई हैं और युद्ध जैसे भयंकर हालात बन गए हैं।

हूती विद्रोहियों की नई धमकी : हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब में दुनिया के एक और बहुत अहम व्यापारिक मार्ग को भारी खतरा पैदा कर दिया है। उन्होंने लाल सागर में सऊदी तेल टैंकरों पर हमला करके पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एक बहुत बड़ी चुनौती दी है। इन घटनाओं से दुनिया में तेल की भारी किल्लत और आर्थिक संकट पैदा होने की बहुत बड़ी आशंका है। अमेरिका ने इस स्थिति से निपटने के लिए अपनी नौसेना और वायुसेना को पूरी तरह से सतर्क कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूती विद्रोहियों और ईरान को अपनी बहुत ही सख्त और बड़ी चेतावनी जारी की है। ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर उन्होंने वाणिज्यिक जहाजों पर अपने ये जानलेवा हमले लगातार जारी रखे। तो इसके जवाब में उन्हें अमेरिका की तरफ से बहुत बड़ी और विनाशकारी सैन्य सजा भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। अमेरिका अपने और अपने सहयोगी देशों के व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

कनाडा, अमेरिका के साथ व्यापारिक बातचीत में अपने हितों की रक्षा की पहल करेगा : कनाडाई पीएम कार्नी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनकी सरकार हाल ही में अमेरिकी की टैरिफ धमकियों के जवाब में देश के हितों की रक्षा के लिए जो भी करना होगा करेगी। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कार्नी ने गुरुवार को प्रिंस एडवर्ड आइलैंड के शार्लेटटाउन में राज्य और इलाके के नेताओं की एक मीटिंग में यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा, वाशिंगटन से व्यापार के दबाव के बावजूद अपने मजदूरों, किसानों, बिजनेस और परिवारों की रक्षा और मदद करेगा। पीएम कार्नी ने कहा, '18 महीने पहले जब यह ट्रेड वॉर शुरू हुआ था, तब की तुलना में हम अब ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं। हम खुद कनाडाई लोगों के पक्के इरादे और इस टेबल पर मौजूद प्रीमियर्स के फोकस की वजह से ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कुछ कनाडाई सामानों पर 50 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने के लिए उद्घोषणा पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि कनाडा अमेरिकी वाणिज्य के साथ भेदभाव कर रहा है। 1930 के टैरिफ एक्ट के सेक्शन 338 का इस्तेमाल करते हुए, ट्रंप ने कुछ खास कनाडाई इंपोर्ट पर नई ड्यूटी लगाने के लिए तीन अलग-अलग प्रोक्लेमेशन पर साइन किए। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस एक्शन का मकसद अमेरिकी वाणिज्य के साथ कनाडा के भेदभाव वाले बर्ताव से यूएस कॉमर्स पर पड़ने वाले बोझ और नुकसान को कम करना और

अमेरिकी एक्सपोर्ट, खासकर कारों, शराब और डेयरी प्रोडक्ट्स के लिए प्लेइंग फील्ड को बराबर करना है। व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, मादक पेय, मोटर गाड़ियों और उनसे जुड़े सामानों पर मूल्य के अनुसार अतिरिक्त 50 फीसदी ड्यूटी 19 अगस्त से लागू होगी। जवाब में, पीएम कार्नी ने सोमवार को नए अमेरिकी टैरिफ को कनाडा-यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको एग्रीमेंट का सीधा उल्लंघन करने वाली एकतरफा अमेरिकी व्यापार एक्शन की सीरीज में सबसे नया बताया। प्रधानमंत्री कार्नी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने ट्रंप से बात की है और दोनों पक्ष व्यापार बातचीत को तेज करने पर सहमत हुए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में, सिर्फ दो देशों, चीन और कनाडा ने वाशिंगटन के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के बजाय ट्रंप के टैरिफ का जवाब देने का फैसला किया। इसने कहा कि सरकार ने 18 ट्रेड डील पक्की कीं, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्ट के लिए नए मार्केट खुले, लेकिन यह भी कहा कि कनाडा ने अपनी व्यापार रुकावटों को दूर करने के बजाय अमेरिका के साथ भेदभाव करने का फैसला किया।

मैनहट्टन में दो लोगों पर चाकू से हमला, एशियाई और यहूदी व्यक्ति बना निशाना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मैनहट्टन स्थित अपर वेस्ट साइड इलाके में गुरुवार (स्थानीय समय) दो अलग-अलग चाकूबाजी की घटनाओं से सनसनी फैल गई। इन दोनों हमलों में एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति घायल हुआ है। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने 51 वर्षीय संदिग्ध राउल मोरालेस को दोनों मामलों में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि क्या ये हमले किसी नफरत की भावना से किए गए थे। न्यूयॉर्क पुलिस आयुक्त जेसिका एस. टिश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि दोनों घायलों को तुरंत माउंट सीनाई-सेंट ल्यूक्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। राहत की बात यह है कि दोनों की हालत खतरे से बाहर है और उनके बचने की उम्मीद है।

जेसिका टिश ने कहा, 'अपर वेस्ट साइड में दो अलग-अलग हमलों में दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। दोनों पीड़ितों में एक एशियाई पुरुष और एक यहूदी पुरुष शामिल हैं। दोनों को अस्पताल ले जाया गया है और दोनों के बचने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि 51 वर्षीय राउल मोरालेस को दोनों हमलों के संबंध में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की जांच अभी भी जारी है और हमले के पीछे की असली वजह का पता लगाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त के अनुसार, पीड़ितों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से पता चला है कि हमले के दौरान आरोपी ने 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाया था। इसी आधार पर न्यूयॉर्क पुलिस विभाग इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह मामला संभावित हेट क्राइम का है। जेसिका टिश ने यह भी बताया कि न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के रिकॉर्ड में आरोपी का मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा कोई इतिहास नहीं मिला है। हालांकि शुरुआती जांच से संकेत मिले हैं कि इस घटना में मानसिक स्वास्थ्य भी एक संभावित कारण हो सकता है। पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में आरोपी और दोनों पीड़ितों के बीच किसी तरह

का कोई संबंध सामने नहीं आया है। इस घटना पर न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है और उन्हें राहत है कि दोनों घायल फिलहाल स्थिर हालत में हैं। जोहरान ममदानी ने 'एक्स' पर लिखा, 'अपर वेस्ट साइड में एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति पर हुए भयावह चाकू हमले की जानकारी मुझे दी गई है। पीड़ितों और गवाहों के अनुसार, हमलावर ने दोनों घटनाओं के दौरान 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाया था। मुझे खुशी है कि दोनों पीड़ितों की हालत स्थिर है। उन्होंने न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस ने दोनों हमलों के आरोपी राउल मोरालेस को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में मानसिक स्वास्थ्य एक संभावित कारण के रूप में सामने आया है और पुलिस इन हमलों को संभावित हेट क्राइम के रूप में भी जांच रही है। इस तरह के नफरत से प्रेरित और घृणित हमलों की हमारे शहर में कोई जगह नहीं है।

पुलिस ने बाया कि आरोपी को दबोच लिया गया है। उसका नाम राउल मोराल्स है।आरोपी की उम्र 51 साल बताई गई है। पुलिस कमिश्नर ने कहा, इस मामले की जांच की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि आखिर इस अपराध के पीछे वजह क्या थी। यह भी पता लगाया जाएगा कि यह कोई आपसी रंजिश का मामला तो नहीं था। वहीं न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि हो सकता है कि यह मानसिक विक्षिप्तता का मामला हो। उन्होंने कहा कि इस तरह के घृणित कार्यों के लिए शहर में कोई जगह नहीं है। उन्होंने बताया कि दोनों ही पीड़ित अब ठीक हैं और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। बता दें कि इसी महीने न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन के कोनी आइलैंड में अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के जश्न के दौरान गोलीबारी हुई थी जिसमें कम से कम आठ लोग घायल हो गए थे।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.